09 अगस्त 2024 शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

श्रावण मास की शुभकामनाएं

बांग्लादेशी बिहार में घुसने के लिए बॉर्डर पर पहुंचे, अलर्ट मोड में बीएसएफ 2

मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई...

विनेश ने कुश्ती को कहा अलविदा

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत की महिला पहलवान विनेश फोगाट ने टूटे दिल के साथ कुश्ती को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए अपने रिटायरमेंट का ऐलान किया है। लिखा है, "मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके हैं। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी माफी। महिला पहलवान के अचानक रिटायरमेंट से हर कोई हैरान है। पेरिस ओलंपिक 2024 में विनेश ने लगातार 3 मुकाबले जीतते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन टूर्नामेंट के दौरान 100 ग्राम वजन ज्यादा होने की वजह से उन्हें डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। जिसके बाद उन्होंने बड़ा फैसला लिया है। विनेश के इस फैसले ने करोड़ो भारतीयों का दिल दुखा दिया है।

देखें खेल पेज भी

उप्र में स्वरोजगार के लिए शुरू होगा युवा उद्यमी विकास अभियान

- सीएम योगी आदित्यनाथ बोले- 10 वर्ष में 10 लाख नई एमएसएमई इकाइयों की स्थापना का है लक्ष्य
- 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए शुरू होगी कवायद

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट में सरकार ने 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' का प्रावधान किया था, अब समय आ गया है कि इस पर क्रियान्वयन प्रारंभ कर दिया जाए। अभियान के संबंध में एमएसएमई विभाग के प्रस्तुतिकरण का अवलोकन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना स्वरोजगार सृजन के प्रयासों में बड़ी भूमिका निभाने वाली होगी। योजना के बारे में अधिकाधिक युवाओं को अवगत कराया जाए ताकि युवा प्रोत्साहित हों और आत्मनिर्भर होकर अपनी आजीविका कमा सकें।

उद्यम स्थापित करने पर अनुदान देगी सरकार

बैठक में प्रमुख सचिव, एमएसएमई ने मुख्यमंत्री को बताया कि अभियान के तहत प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं को बैंकों से ऋण दिलाकर वित्तीय अनुदान दिया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 01 लाख सूक्ष्म उद्यम प्रतिवर्ष स्थापित हो सकेंगे। इस प्रकार आगामी 10 वर्षों में 10 लाख (एक मिलियन) युवा स्वरोजगार से जुड़ सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान के तहत सामान्य वर्ग के अलावा, ओबीसी, महिला, दिव्यांगजन तथा एससी, एसटी के पुरुष के अलावा महिलाओं को उद्यम स्थापित करने पर अनुदान देने का प्रावधान हो, साथ ही, मार्जिन मनी पर भी सब्सिडी दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमियों को यथासंभव ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध हो, इसके लिए एक तय अवधि तक ऋण के ब्याज उपादान और सीजीटीएमएसई कवरेज की सुविधा भी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के सही क्रियान्वयन और सतत मॉनीटरिंग के लिए आकांक्षात्मक विकास खंडों में तैनात सीएम फेलो की तर्ज पर यहां भी हर जिले में योग्य युवाओं की तैनाती की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तपोषण से पहले युवाओं को विधिवत प्रशिक्षण भी दिलाया जाना चाहिए। नए उद्यमियों को उनके उत्पाद की पैकेजिंग, ब्रांडिंग व मार्केटिंग में भी मदद करें।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल लोकसभा में पेश, संसदीय कार्य मंत्री बोले...

वक्फ बोर्ड को बनाया जाएगा आधुनिक महिलाओं की भागीदारी होगी सुनिश्चित

- विपक्षी दलों ने विधेयक में मौजूद प्रावधानों का किया विरोध, सरकार की मंशा पर उठाए सवाल
- सरकार ने विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की मांग की

एजेंसी/नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया। विपक्षी दलों द्वारा इस विधेयक में मौजूद प्रावधानों का विरोध करने के बाद सरकार ने इसे जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की मांग की। इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री ने मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 को भी सदन में पेश किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के माध्यम से पूरे देश को यह बताने की कोशिश की कि वक्फ बोर्ड में यह संशोधन किया जाना क्यों आवश्यक था।

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड को आधुनिक बनाया जाएगा, इसकी दक्षता को आम मुसलमानों के हित में बढ़ाई जाएगी। वक्फ बोर्ड में महिलाओं की भागीदारी, प्रशिक्षित अधिकारियों, कानूनविदों और संबंधित क्षेत्र के चुने हुए जनप्रतिनिधि को भी भागीदारी दी जाएगी जिससे यह ज्यादा लोकतांत्रिक और जवाबदेह बनाई जा सके।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब से वर्ष 1995 के वक्फ अधिनियम को लागू किया गया है, तब से मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 के निरसन की आवश्यकता पड़ी। अमित शाह ने विपक्ष पर मुसलमानों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधेयक में संशोधन की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि इसमें बहुत सारी गलतियां हैं। बताया गया है कि वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 रखा जाएगा।

जदयू-तेदेपा का सरकार को समर्थनः उधर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) और तेलगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्ड के संचालन में पारदर्शिता लाना है। लोकसभा में सरकार द्वारा विधेयक पेश करने के बाद जदयू नेता राजीव रंजन सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, सदन में कई सदस्यों ने वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि यह मुस्लिम विरोधी है। विपक्ष ने इस दौरान राम मंदिर का उदाहरण दिया। क्या आप मंदिर और संस्थान के बीच का फर्क नहीं जानते?

विपक्ष ने एक सुर में कहा- यह संविधान पर हमला है

जैसे ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में जैसे ही विधेयक पेश किया तो विपक्ष के सासंदों ने हंगामा खड़ा करना शुरू कर दिया। विपक्ष ने एक सुर में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संविधान पर हमला है। इसके जवाब में रिजिजू ने कहा कि वक्फ विधेयक में किसी भी धार्मिक समुदाय की आजादी में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मसौदा कानून में कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है।

यह किसी मस्जिद में हस्तक्षेप से जुड़ा मामला नहीं है। यह कानून एक संस्थान में पारदर्शिता के लिए लाया जा रहा है। इस बीच, तेदेपा सांसद हरीश बालयोगी ने कहा कि अगर सरकार इस विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजती है, तो हमारी पार्टी को कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा, मैं सरकार की उस चिंता का समर्थन करता हूं, जिस वजह से इस विधेयक को पेश किया गया है। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि प्रणाली की कार्यशैली में पारदर्शिता लाई जाए। हम इस विधेयक का समर्थन करते हैं।

यूट्यूब से बम बनाने की कोशिश कर रहे थे बच्चे, धमाके में 5 घायल

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ बच्चे यूट्यूब के जरिए बम बनाने की कोशिश कर रहे थे। इसी बीच अचानक जोरदार धमाका हुआ और पांच बच्चे घायल हो गए। सभी घायल हुए बच्चों को गायघाट सीएचसी में भर्ती कराया गया। इनमें तीन बच्चों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस के अनुसार परिजनों ने पहले गांव में ही मामले को रफा-दफा करना चाहा लेकिन बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराने से मामला उजागर हो गया। ग्रामीणों ने घटना को लेकर बताया कि बच्चों ने यूट्यूब पर वीडियो देखकर माचिस की तीलियों और पटाखे का बारूद इकट्ठा किया था। उसे एक खराब टॉर्च में भरा। उसके बाद उसमें बैटरी से स्पार्क करवा कर विस्फोट करने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान जोरदार धमाका हुआ। मौके पर अफरा तफरी मच गई। धमाके की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े-दौड़े घटनास्थल पर पहुंचे। वहां बच्चे विस्फोट की वजह से झुलसे हुए थे। आनन-फानन में उन्हें गायघाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। बच्चों के हाथ-पैर और चेहरा झुलस गया। डॉक्टर ने सभी बच्चों को खतरे से बाहर बताया है।

प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन

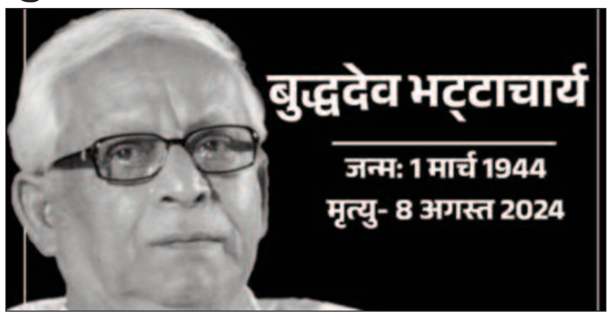

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के 34 साल के वाम मोर्चा शासन के दूसरे और आखिरी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार सुबह निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे। बुद्धदेव 2000 से 2011 तक लगातार 11 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेव की निधन की खबर उनके बेटे सुचेतन भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह दी। उनके निधन से पूरे बंगाल में शोक की लहर है। बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर शोक जताया। जानकारी के मुताबिक, बुद्धदेव ने सुबह नाश्ता भी किया था। इसके बाद वे अस्वस्थ हुए। सुबह करीब 8.20 बजे पाम एवेन्यू स्थित घर पर ही उन्होंने देह त्याग दिया। खबर मिलने के बाद उनके परिजन और राजनीतिक लोग एकत्रित होने शुरू हो गए।

लंबे समय से थे बीमार

बुद्धदेव लंबे समय से गंभीर क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज से पीड़ित थे। बीमारी के कारण पिछले कुछ वर्षों से वह लगभग घर में ही थे। उन्हें पहले भी कई बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। दिसंबर 2020 में बुद्धदेव को सांस लेने में गंभीर समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस वक्त उन्हें कुछ दिनों तक वेंटिलेशन पर रखना पड़ा और बाद में ठीक होकर वे सकुशल घर लौट आए थे। मई 2021 के मध्य में वह कोविड से संक्रमित हो गये थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें 18 मई को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं उनकी पत्नी मीरा भट्टाचार्य भी कोविड से संक्रमित थीं और उन्हें उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ ही दिनों में दोनों की रिपोर्ट नेगेटिव आई थी।

मो. युनुस ने संभाली बांग्लादेश की सत्ता, मोदी ने दी बधाई

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार

एजेंसी/नई दिल्ली

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद युनुस ने गुरुवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया के रूप में शपथ ले ली। राजधानी ढाका में राष्ट्रपति के सरकारी आवास बंगभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। शपथ के लिए मोहम्मद युनुस बंगभवन पहुंचे और फिर उन्होंने पद और गोपनियता की शपथ ली। देश में जारी हिंसा के बीचनई अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद युनुस के सहयोग के लिए 16 अन्य लोगों को शामिल किया गया है। इसमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया. युनुस के साथ BELA की सीईओ साइदा रिजवाना हसन, महिला कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, ब्रिगेडियर (रिटायर) सखावत हुसैन और पूर्व विदेश सचिव तौहिद हुसैन समेत 16 लोगों को एडवाइजरी काउंसिल में शामिल किया गया है।

अंतरिम सरकार के गठन के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट पर युनुस को बधाई देते हुए कहा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर मेरी शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी, जिससे हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। भारत शांति, सुरक्षा और विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंतरिम सरकार में 2 हिंदू भी शामिलः खास बात यह है कि अंतरिम सरकार में 2 हिंदुओं को भी रखा गया है। सुप्रदीप चकमा (चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन और प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड हॉस्पिटल के मनोचिकित्सा विभाग के निदेशक) शामिल किए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में ब्रिटेन, जापान, चीन, फिलीपींस, ईरान, अर्जेंटीना, कतर, नीदरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात के डिप्लोमैट उपस्थित रहे।

एमसीडी व अग्निशमन विभाग ने कई कानूनों का किया था उल्लंघन

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र नगर कोचिंग हादसे की मजिस्ट्रेट जांच में सामने आया है कि एमसीडी और अग्निशमन विभाग ने नियमों को ताक पर रखकर कई कानूनों का उल्लंघन किया था। राजस्व मंत्री को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि राव स्टडी सर्कल के मालिक और प्रबंधन ने भी छात्रों के जीवन की परवाह किए बिना खतरनाक बेसमेंट का इस्तेमाल जारी रखा। रिपोर्ट से पता चला कि इमारत में 'नियमों के उल्लंघन' को एमसीडी और अग्निशमन विभाग ने पहले भी देखा था लेकिन कोई एक्शन नहीं लिया।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा अभिकरण ने शुरू की प्रक्रिया, 20 कियोस्क की होगी स्थापना

आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क युक्त होगा उप्र

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश को सौर ऊर्जा से रोशन करने के साथ ही अब शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का भी माध्यम भी बना रही है। प्रदेश के विभिन्न सोलर सिटीज में अलग-अलग योजनाओं के जरिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रही योगी सरकार अब सोलर एनर्जी बेस्ड एक और इनोवेशन को बढ़ावा देने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क की स्थापना करने की तैयारी की जा रही है। इस क्रम में, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय उर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने प्रक्रिया की शुरूआत करते हुए 3.99 करोड़ रुपए की लागत से 20 कियोस्क्स की स्थापना करने जा रही है। सोलर बेस्ड ड्रिंकिंग वॉटर कियोस्क दरअसल एक स्मार्ट जल शोधन और वितरण प्रणाली है जिसे दूरदराज के क्षेत्रों में जल शोधन के लिए पहुंच और उपयोग में आसानी बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सौर ऊर्जा द्वारा संचालित है, जो एक बार पूरी तरह से चार्ज होने पर डिवाइस को घंटों तक चला सकता है।

250 लीटर प्रति घंटे वॉटर प्योरिफिकेशन करने में सक्षम

सीएम के विजन अनुसार, जिन सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क्स की स्थापना होनी है वह कई मायनों में विशिष्ट है। परियोजना के अंतर्गत जिन कियोस्क की स्थापना होनी है वह वॉटर ट्रीटमेंट के लिए रिजर्व ऑस्मॉसिस प्वॉइंट तकनीक पर काम करेगा। प्रत्येक सोलर बेस्ड वॉटर कियोस्क सीजनल रिक्वायरमेंट के हिसाब से 10 डिग्री से 30 डिग्री के बीच शुद्ध जल उपलब्ध कराएगा। कियोस्क का वॉटर फिल्टरेशन लेवल बीआईएस 16240 के मानकों के अनुरूप होगा। इसकी वॉटर स्टोरेज कैपेसिटी 5000 लीटर तथा ट्रीटेड वॉटर कैपेसिटी 1000 लीटर की होगी। कियोस्क से प्रति घंटे 250 लीटर प्रति घंटे शुद्ध जल प्राप्त हो सकेगा जबकि कियोस्क की वॉटर डिस्पेंसिंग स्पीड 10 से 12 लीटर प्रति मिनट होगी। इसे इस प्रकार से विकसित किया जा रहा है कि कम से कम प्रतिदिन 2000 लीटर शुद्ध जल की आपूर्ति हो सकेगी। इन कियोस्क्स को 5 वर्षों की कार्यावधि के लिए स्थापित किया जाएगा और इसके लिए यूपीनेडा ने एजेंसी निर्धारण व कायार्वंटन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम से भी होगा लैसः सभी कियोस्क को रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस किया जाएगा जिसके जरिए की जा रही जलापूर्ति के विभिन्न मानकों जैसे कि पीएच स्केल, बेसिसिटी, एल्केलिनिटी और मिनरल तत्व शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसे डाटाबेस से भी जोड़ा जाएगा जिसके जरिए प्रत्येक कियोस्क की दैनिक कार्य प्रणाली पर नजर रखी जाएगी। कियोस्क से एक लीटर से लेकर 25 लीटर तक पानी लाभार्थी अपने कंटेनरों में भर सकेंगे।

मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य, देना होगा संपत्ति का ब्योरा

- सरकार ने सूबे के सभी डीएम का दिया निर्देश, जल्द कराये सभी मंदिरों का रजिस्ट्रेशन
- राज्य में करीब 2,512 अपंजीकृत मंदिर या मठ हैं और उनके पास 4321.64 एकड़ भूमि है।

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उनके जिलों में संचालित अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी अचल संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को उपलब्ध कराया जाए। राज्य के सभी जिला प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सभी पंजीकृत मंदिरों-मठों से संबंधित अचल संपत्तियों का विवरण तुरंत बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को उपलब्ध कराया जाए ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है। बिहार के कानून मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा कि सभी

डीएम को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का प्राथमिकता के आधार पर पंजीकरण किया जाए। उन्होंने जिलाधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि सभी पंजीकृत मंदिरों-मठों से संबंधित अचल संपत्तियों का ब्योरा तुरंत बीएसबीआरटी को उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसे इसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा उपलब्ध कराया है। सभी डीएम को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में पंजीकृत मंदिरों और मठों की भूमि सहित अचल संपत्तियों की बिक्री-खरीद न हो। बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के अनुसार, बिहार में सभी सार्वजनिक मंदिरों-मठों, ट्रस्ट और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के तहत पंजीकृत होना चाहिए। राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों, मठों, ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। बीएसबीआरटी द्वारा संकलित (35 जिलों से प्राप्त) नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में करीब 2,512 अपंजीकृत मंदिर या मठ हैं और उनके पास 4321.64 एकड़ भूमि है। विधि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पंजीकृत मंदिरों की कुल संख्या करीब 2,499 है और उनके पास 18,456 एकड़ से अधिक भूमि है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा अपंजीकृत मंदिर, मठ वैशाली (438), कैमूर (307), पश्चिमी चंपारण (273), भागलपुर (191), बेगूसराय (185), सारण (154), गया (152) आदि में हैं। कैमूर में 307 अपंजीकृत मंदिरों/मठों के पास करीब 813 एकड़ जमीन है और खगड़िया जिले में 100 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास 722 एकड़ जमीन है। बांका जिले में करीब 332 एकड़ जमीन 78 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास है।

वक्फ संशोधन विधेयक मुस्लिम समुदाय के समर्थन में : रविशंकर

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया और फिर इसे संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव दिया। इस बिल का इंडिया गठबंधन के दलों ने विरोध किया है। वहीं, भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर कहा कि कांग्रेस-यूपीए सरकार तमाम सिफारिशों के बावजूद जो काम नहीं कर सकी, वह नरेंद्र मोदी सरकार कर रही है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि चाहे वह मुस्लिम समुदाय के गरीबों की चिंता हो, बच्चों या महिलाओं या पिछड़ों या बोहरा मुसलमानों और अन्य की- तो यहां मुद्दा क्या है। आपके पास जो जमीन है उसका हिसाब देने में आपको क्या समस्या है। मैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि उन्हें इस विधेयक का समर्थन करना चाहिए, यह मुस्लिम समुदाय के समर्थन में है। बता दें कि रिजिजू ने सदन में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पेश किया और विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया।

आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सख्त निगरानी का दिया निर्देश

बांग्लादेशी बिहार में घुसने के लिए बॉर्डर पर पहुंचे, किशनगंज में अलर्ट मोड में बीएसएफ

- उपद्रव और हिंसा के भय से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी हिन्दू देश छोड़ने की कोशिशों में लगे है
- स्थिति को देखते हुए सभी बीओपी पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई

केटी न्यूज/पटना

बांग्लादेश में हुए उपद्रव के बाद भारत सरकार और बिहार पुलिस मुख्यालय ने भारत बांग्लादेश सीमा पर अलर्ट घोषित कर दिया है, ताकि सीमा पार से कोई उपद्रवी घुसपैठ न कर सके। लेकिन मौजूदा स्थिति में किशनगंज से सटे बंगाल के इस्लामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांग्लादेश की सीमा पर सैकड़ो बांग्लादेशी नागरिक पहुंचकर भारत से शरण मांग रहे हैं। बांग्लादेशी नागरिकों के बॉर्डर पर जमा होने की सूचना मिलते ही बीएसएफ कमांडेंट अजय शुक्ला, इस्लामपुर थाने के एसपी जेबी थॉमस अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और हालत का जायजा लिया। उन्होंने बीएसफ के सहयोग से सभी नागरिकों को वापस उनके गांव भेज दिया है।

जान बचाने के लिए बॉर्डर पर पहुंचे बांग्लादेशी : बीते कई दिनों से बांग्लादेश में हिंसा का माहौल था। उपद्रव और हिंसा के भय से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी हिन्दू देश छोड़ने की कोशिशों में लगे हुए है, ताकि उनके जान-माल की रक्षा हो सके। उनका कहना है कि उपद्रवी मुख्यरूप से हिन्दू परिवार पर ही हमला कर रहे हैं। इसलिए अपनी जान बचाने के लिए बॉर्डर पर बिहार के रास्ते भारत में प्रवेश करने की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में सीमा सुरक्षा बल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि नॉर्थ बंगाल फ्रंटियर के अधीनस्थ दो बीओपी पर घुसपैठ करने की कोशिश की गई, जहां अधिकारियो और जवानों द्वारा समझा-बुझा कर सभी को वापस भेज दिया गया है।

सीमा पर बीएसएफ की निगरानी सख्त : बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को देखते हुए सभी बीओपी पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है और आपात स्थिति से निपटने के लिए 24 घंटे सख्त निगरानी का निर्देश दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बीएसएफ उत्तर बंगाल फ्रंटियर सीमा सुरक्षा बल नजर बनाए रखने और क्षेत्र में सभी व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी सेना स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं और किसी भी घटनाक्रम का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। लगातार नजर बनाकर रखा जा रहा है। ताकि घुसपैठियां देश के अंदर प्रवेश नहीं कर सके।

हिन्दूओं पर हो रहा है अत्याचार

बांग्लादेश मे लगातार हो रहे हिंसा और खासकर हिन्दु समाज पर हो रहे अत्याचार की घटना की घोर भत्सर्ना करते हुए उसकी निंदा की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज सहित जिले भर के भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने पड़ोसी देश मे हो रहे घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि बांग्लादेश मे उपद्रवी सड़को पर उतर गए है और वहां के अल्पसंख्यक हिन्दू समाज पर घोर अत्याचार किया जा रहा है। वहाँ की सेना और पुलिस उन लोगो को संरक्षण दे रही है। यह विश्व स्तर पर घोर निंदनीय है। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने कहा कि बांगलादेश मे हो रहे हिन्दुओं के साथ अत्याचार अशोभनीय और अमानवीय है, इसकी जितनी निंदा की जाए। बहुत कम है।

बोले मंत्री नितिन नवीन... पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी खुद बिहार के लिए एक बड़ी समस्या

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव 15 अगस्त के बाद बिहार की यात्रा पर निकलने वाले हैं। वहीं, बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने तेजस्वी की यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी लोगों की समस्या को दूर करने के लिए निकल रहे हैं, लेकिन वह खुद बिहार के लिए एक बड़ी समस्या है। तेजस्वी के परिवार के लोग भ्रष्टाचार में घिरे हुए नितिन नवीन ने कहा कि वह नगर विकास विभाग में मंत्री रहे, लेकिन कोई बैठक तक नहीं की और आज जनता की समस्या को लेकर जनता के बीच जा रहे हैं। वहीं, तेजस्वी यादव ने कहा था कि मुझे ईडी के चार्जशीट से डर नहीं लगता है। इस पर नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि उनको डर तो इतना लग रहा है, नींद नहीं आ रही है, बस दिखाने के लिए बोल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जॉब फॉर जमीन का जो घोटाला तेजस्वी और उनके पिता ने किया है, उसपर तेजस्वी को शर्म आनी चाहिए। उनके पूरे परिवार के लोग भ्रष्टाचार में घिरे हुए हैं। तेजस्वी को शर्म आनी चाहिए और वे बोल रहे हैं कि मैं निडर हूं। वह ऐसे भ्रष्टाचारी है, जो भ्रष्टाचार करके कहते हैं कि मैं निडर हूं।

अरवल में उधार अंडा देने से किया मना तो बदमाशों ने वृद्ध के सीने पर रॉड से किया वार, फोड़ दी आंख

केटी न्यूज/अरवल

बिहार में अपराधियों का तांडव लगातार जारी है। राज्य के अंदर आए दिन लोगों की हत्या कर दी जा रही है। ऐसे में अब एक ताजा मामला अरवल से निकल कर सामने आ रहा है। जहां अपराधियों ने एक बड़े हत्याकांड को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि यहां जब एक बुजुर्ग दुकानदार ने कुछ बदमाशों से अंडा का पैसा मांगा तो उन्होंने पीट-पीट कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, 61 साल के अयोध्या सिंह अंडा बेचते थे। वो कोहड़ौल गांव के रहने वाले थे और गांव में ही वो अंडा की गुमटी लगाते थे। यहां कुछ लोग उनकी गुमटी के पास आए और उधार में ही अंडा मांगने लगे। लेकिन अयोध्या सिंह ने इन लोगों को उधार में अंडा देने से मना कर दिया। इसके बाद यह बदमाश अयोध्या सिंह से बहस करने लगे। वहीं, धीरे-धीरे यह बहसबाजी मारपीट में तब्दील हो गई। इन बदमाशों ने अचानक बुजुर्ग अयोध्या सिंह पर हमला कर दिया। इस दौरान अयोध्या सिंह की बेरहमी से पिटाई की गई। अयोध्या सिंह को अधमरा कर सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। अयोध्या सिंह की पिटाई किए जाने की सूचना मिलने के बाद उनके परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार की सुबह इलाज के दौरान अयोध्या सिंह की मौत हो गई। अयोध्या सिंह की मौत के बाद उनके परिजनों का गुस्सा सातवें आसमान पर चढ़ गया। नाराज लोगों ने जहानाबाद-अरवल राष्ट्रीय राजमार्ग 110 को जाम कर दिया। उधर, आक्रोशित लोग इस जघन्य हत्याकांड में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। अयोध्या सिंह के बेटे बिमलेश कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा है कि अक्सर यह बदमाश उनके पिता की गुमटी पर उधार में ही अंडा खाकर चले जाते थे और पैसे मांगने पर विवाद करते थे। बुधवार को जब उनके पिता ने उधार देने से मना कर दिया तब इन बदमाशों ने उन्ही की गुमटी में रखे रॉड, पेचकस और अन्य हथियारों से उनकी पिटाई कर दी और आंख भी फोड़ दी। परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जहानाबाद-अरवल स्टेट हाइवे 110 जाम कर दिया। गुस्साए लोगों की मांग है कि हत्याकांड में शामिल सभी लोगों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए। बुजुर्ग के बेटे बिमलेश कुमार ने कहा कि सभी आरोपी उनके पिता की गुमटी पर अक्सर आते थे। अंडा खाते और पैसा मांगने पर बदतमीजी करने लग जाते थे। बुधवार को भी वही लोग गुमटी पर आए थे, पिता ने उधार नहीं दिया तो रॉड, पेचकस और दूसरे हथियारों से मारपीट करने लगे। पिता की आंख भी फोड़ दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर समझा-बूझा कर जाम खुलवाया। वहीं पीड़ित परिवार के बयान के आधार पर कार्रवाई की बात कह रही है। वही अपराधियों की धर-पकड़ का प्रयास कर रही है।

रिटायरमेंट होने वाले 644 दारोगा का हुआ ट्रांसफर

पटना। बिहार में रिटायरमेंट के करीब पहुंचे 644 दारोगा का ट्रांसफर उनके गृह जिले में या आस-पास के क्षेत्रों में किया गया है। पुलिस मुख्यालय ने बड़े पैमाने पर सेवा अवधि से रिटायमेंट के करीब पहुंचे पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण किया है। बिहार पुलिस अधिनियम की धारा-10 में वर्णित प्रावधानों के अनुसार पुलिस मुख्यालय स्तर पर गठित स्थानान्तरण समिति ने रिटायरमेंट के निकटता के आधार पर क्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक, उप महानिरीक्षक की अनुशंसा पर विचार के लिए 31 जुलाई 2024 को स्थानान्तरण समिति की बैठक बुलाई। इस बैठक में ही यह फैसला लिया गया कि जो पुलिस पदाधिकारी रिटायरमेंट के के करीब पहुंच चुके हैं उन्हें उनके च्वाइंस किये गये जिले में स्थानान्तरित किया जाएगा। बिहार पुलिस मुख्यालय ने 644 दारोगा का ट्रांसफर उनके गृह जिले में या आस-पास के क्षेत्रों में किया है। इसी तरह 643 पुलिस पदाधिकारी भी गृह क्षेत्र में या आस पास में तबादला चाहते थे। आज पुलिस मुख्यालय ने 644 पुलिस पदाधिकारी की सूची जारी कर दी है।

मुंगेर में कार्बन न्यूट्रल राज्य बनाने को लेकर हुई कार्यशाला आयोजन

पर्यावरण संरक्षण के लिए करें काम, अन्यथा दुष्परिणाम भविष्य की पीढ़ियां भुगतेंगी : डीएम

केटी न्यूज/मुंगेर

मुंगेर संग्रहालय में कार्बन न्यूट्रल राज्य बनाने की दिशा में बिहार राज्य की जलवायु अनुकूलन एवं न्यून कार्बन उत्सर्जन विकास रणनीति के क्रियान्वयन संबंधित क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत प्रमंडलीय स्तर प्रसार कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुंगेर के जिला पदाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए अवनीश कुमार सिंह ने कचरा प्रबंधन, भवन निर्माण और कृषि क्षेत्रों में व्यावहारिक, जलवायु-अनुकूल कार्यों की आवश्यकता पर जोर दिया। जैसे कि पराली जलाना रोकना। उन्होंने कहा कि हम सभी मुख्यमंत्री के दूरदर्शिता के अनुसार पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। यदि हम अब पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य नहीं करते हैं, तो इसके दुष्परिणाम भविष्य की पीढ़ियों को भुगतने पड़ेंगे। इसलिए, जिला स्तर पर इस प्रकार के विचार-विमर्श और मुद्दों और विचारों का आदान-प्रदान महत्वपूर्ण है। इस कार्यशाला से प्राप्त जानकारी और अंतर्दृष्टि जमीनी स्तर पर अपनाए जा सकते हैं। मुंगेर के उप-विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह ने स्वागत उद्बोधन में जलवायु परिवर्तन, इसके प्रतिकूल प्रभावों और सुधारात्मक कदमों बारे में बताया और कहा कि बिहार में मौसम संबंधी चरम घटनाओं और आपदाओं की अत्यधिक संभावना रहती है, जो राज्य के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष बाढ़ और सूखे के रूप में देखी जाती है। इसलिए बिहार के लिए यह और भी आवश्यक है की विकास कार्य जलवायु अनुकूल हों।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लोगों को दी तैयारियों की जानकारी, अधिकारियों को दिए निर्देश

बाढ़ से निपटने के लिए तैयार है जिला प्रशासन: डीएम

- डीएम ने कई जगहों पर पंचायत प्रतिनिधियों व आम लोगों को किया जागरूक
- चौसा में रिहायशी इलाकों में फैलने लगा कर्मनाशा का पानी, बढ़ी चिंता

सिमरी में बैठक में शामिल ग्रामीण व इनसेट में जानकारी देते डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी।

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। इसके साथ ही जिला प्रशासन की कवायदें बढ़ गई है। गुरूवार को जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने डुमरांव अनुमंडल के बाढ़ प्रभावित होने वाले अंचलों सिमरी, चक्की एवं ब्रह्मपुर के दियारे इलाके का भ्रमण किया। इस दौरान डीएम एसपी ने स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं आमजनों के साथ वार्ता कर बाढ़ आपदा की तैयारियों से अवगत कराया गया एवं बाढ़ से बचाव के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया।

डीएम एसपी ने सिमरी अंचल के मध्य विद्यालय गंगौली के प्रांगण में सिमरी प्रखण्ड के बाढ़ से घिरने वाले पंचायतों के जन प्रतिनिधियों एवं आम जनता के साथ बैठक कर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा आसन्न बाढ़ से निपटने के लिए की गई तैयारियों से अवगत कराया। साथ ही जन प्रतिनिधियों से प्राप्त सुझाव के आलोक में सम्पूर्ति पोर्टल को अपडेट करने, नाव-नाविक की व्यवस्था करने के लिए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एंव अंचलाधिकारी सिमरी को निर्देश दिया।

नैनीजोर के प्रबौद्धपुर व ढाबी में कटाव शुरू, निगरानी का निर्देश

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने निकले डीएम एसपी को जानकारी मिली कि ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर के पास प्रबौद्धपुर एंव ढाबी में गंगा में कटाव शुरू हो गया है। इस आलोक में अंचलाधिकारी ब्रह्मपुर, राजस्व अधिकारी ब्रह्मपुर एंव प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ब्रह्मपुर को निर्देश दिया गया कि उक्त स्थल का अविलंब भ्रमण करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव के माध्यम से प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे तथा सतत निगरानी रखेंगे।

कार्यपालक अभियंता को दिया कटाव रोकने का निर्देश : कार्यपालक अभियंता, बाढ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि कटाव स्थल पर बाढ निरोधात्मक कार्य करेंगे तथा बांध का अपने स्तर से सतत निगरानी रखेंगे। डीएम ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर में बढोतरी के मद्देनजर बक्सर कोईलवर गंगा तटबंध पर सतत निगरानी एवं चौकसी बरती जा रही है। जिला पदाधिकारी ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण से मिली जानकारी के अनुसार नदी का जलस्तर कल से कम होने की संभावना है। फिर भी जिला प्रशासन बाढ़ पूर्व तैयारियों के अंतर्गत सभी कार्रवाई जैसे प्रभावित इलाके के लोगों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल, सम्पूर्ति पोर्टल का अद्यतीकरण, सामुदायिक किचेन, पेयजल, पशुओं के लिए चारा आदि एवं मानव एवं पशु के लिए सभी आवश्यक दवाओं की व्यवस्था की गई है।

तटबंध पर तैनात होंगे होमगॉर्ड जवान : एसपी

बक्सर। पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि बांध की निगरानी के लिए गृहरक्षकों के अतिरिक्त बाईक से भी बांध की पेट्रोलिंग कराई जायेगी। ताकी शरारती तत्व तटबंध को नुकसान नहीं पहुंचा सके। एसपी ने कहा कि कोईलवर तटबंध के करीब पाने आते ही तटबंधों की सुरक्षा में होमगॉर्ड के जवान तैनात हो जाएंगे तथा स्थानीय थाना भी अपने स्तर से इसकी निगरानी कराएगी। जन प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि बाढ़ के प्रति सर्तक रहेंगे तथा अपने बच्चों को नदी के किनारे जाने से परहेज करेंगे। निरीक्षण के क्रम में डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, संबंधित अचंलों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एंव संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिमरी में निरीक्षण करते डीएम व अन्य अधिकारी।

चेतावनी बिंदू के करीब पहुंची गंगा, कम हुई रफ्तार; कर्मनाशा भी उफान पर

बक्सर। बक्सर में बाढ़ का खतरा एकदम करीब आ गया है। गुरूवार को गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदू को छूने लगा है। शाम सवा छह बजे गंगा चेतावनी बिंदू 59.32 मीटर से महज 3 सेमी नीचे 59.29 मीटर तक पहुंच गई है। हलाांकि राहत की बात है कि जल स्तर बढ़ने का रफ्तार कम हो गया है। जिस कारण रात तक पानी बढ़ना थमने आ अनुमान लगाया जा रहा है। इधर गंगा की सहायक नदी कर्मनाशा भी उफान पर आ गई हैं। कर्मनाशा का पानी चौसा प्रखंड के बनारपुर व रोहिणी बांध गांवों के रिहायाशी इलाकों में फैलने लगा है। जलस्तर बढ़ने का रफ्तार यदि जारी रहा तो अगले दो दिनों में इन दोनों गांवों के कई घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाएगा। जिस कारण दोनों गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। इधर गंगा का जल स्तर बढ़ने से चौसा का महादेव घाट भी डूब गया हैं। बक्सर एसडीओ धीरेन्द्र कुमार ने एहतियात के तौर पर लोगों को गंगा स्नान नहीं करने की चेतावनी दी है।

धीरे धीरे कम होते रहा गंगा का रफ्तार

केन्द्रीय जल आयोग के जेई प्रशांत कुमार चौरसिया ने पूरे दिन जो रिपोर्ट दी है। उसके अनुसार सुबह आठ बजे जल स्तर 58.99 मीटर पर था तथा जल स्तर बढ़ने का रफ्तार चार सेमी प्रति घंटा था। वही दोपहर 12 बजे जल स्तर 59.10 मीटर पर पहुंच गया था, लेकिन जल स्तर बढ़ने का रफ्तार तीन सेमी प्रति घंटा हो गया था। दोपहर बाद तीन बजे गंगा 59.20 मीटर पर पहुंच गई थी। इस समय भी जल स्तर तीन सेमी प्रतिघंटे के रफ्तार से बढ़ रहा था। जबकि शाम 6.18 बजे गंगा का जल स्तर चेतावनी बिंदू से मात्र 3 सेमी नीचे 59.29 सेमी पर आ गया था। जबकि जल स्तर बढ़ने का रफ्तार दो सेमी प्रतिघंटा हो गया था। पूरे दिन जल स्तर बढ़ने का रफ्तार कम होते रहा। जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि रात तक गंगा का रफ्तार थम जाएगा। हालांकि कर्मनाशा नदी काफी तेजी से बढ़ रही है। जिस कारण चौसा इलाके में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

फोन पर बात करने से मना करने पर किशोरी ने की थी आत्महत्या

शव को मृत नहर में फेंक आए थे पिता पुत्र

केटी न्यूज/बक्सर

- डर व लोकलाज के कारण शव को लगाया था ठीकाने, हुए गिरफ्तार

सात माह पूर्व बक्सर के मृत नहर में उगे झाड़ियों में मिले एक किशोरी की मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में उसके पिता तथा भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गुरूवार को एसपी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी। एसपी ने बताया कि उक्त किशोरी किसी से मोबाइल से बातचीत करती थी। इसकी जानकारी होने पर उसके परिजनों द्वारा रोक लगाए जाने के बाद किशोरी ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद पिता और पुत्र ने शव को ठिकाना लगाने के उद्देश्य से नेहरू नगर स्थित मृत नहर किनारे कपड़े में लपेट कर फेंक दिया था। जिसको लेकर बक्सर पुलिस पिछले 7 माह से किशोरी की पहचान करने और इस मामले के अनुसंधान में काफी मशक्कत की। प्रेस वार्ता में एसपी ने बताया कि 19 जनवरी को नगर थाना क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित दिव्यलोक चिकित्सालय के सामने नहर चाट में एक अज्ञात किशोरी का शव बरामद हुआ था। इस संबंध में बक्सर नगर थाना कांड सं0-45/24 दर्ज कर एसपी के द्वारा एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठन कर कांड का उद्भेदन हेतु निर्देशित किया गया। जिसके बाद गठित टीम के द्वारा तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर कांड का अनुसंधान प्रारंभ किया गया। अनुसंधान के क्रम में उक्त कांड में मृतिका के पिता एवं भाई का संलिप्तता प्रकाश में आई। जिसके बाद 7 अगस्त को भोजपुर जिला अंतर्गत मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर शुभांकरणगंज गांव के मृतिका के पिता रमेश यादव उर्फ कल्लू यादव एवं भाई करण कुमार जो वर्तमान में जासो में किराया पर रहते है गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों ने पूछताछ क्रम में उक्त कांड में अपना संलिप्तता स्वीकार किया है और बताया है कि हम लोगों ने उसे मोबाईल का इस्तेमाल करने से रोका था। जिसके बाद उसने खुदकुशी कर ली थी। घबराकर हमलोगों ने शव को ठिकाना लगाने के उद्देश्य से मृत नहर किनारे रात के अंधेरे में लाकर फेंक दिया था। केस के अनुसंधान के दौरान टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी में सदर एसडीपीओ धीरज कुमार, नगर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष संजय विकास त्रिपाठी, सब इंस्पेक्टर जयप्रकाश सिंह के साथ नगर थाना के सशस्त्र बल और डीआईयू का योगदान रहा।

कुख्यात आजाद पासवान पर जानलेवा हमले में 6 लोगों पर नामजद प्राथमिकी, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

- पत्नी के बयान पर केस दज नाजूक स्थिति में चल रहा है कुख्यात का इलाज

इलाके के कुख्यात नक्सली सरगना आजाद पासवान पर जानलेवा हमले मामले में उसकी पत्नी कलावती देवी के बयान पर वासुदेवा ओपी थाने में छह पर नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया है। कुख्यात की पत्नी ने जिन लोगों को नामजद किया है उसमें सिकरौल थाना क्षेत्र के पतरकोना के स्व. लक्ष्मण तिवारी के पुत्र सोनू तिवारी, भरत तिवारी के पुत्र ललू तिवारी, परसागंडा के नारद प्रधान के पुत्र नीरज प्रधान, अवध बिहारी प्रधान के पुत्र नवीन प्रधान, स्व. छबीला प्रधान के पुत्र जंगाली प्रधान तथा सुरेश प्रधान के नाम शामिल है। बता दें कि 12 जून 2006 को आजाद ने लक्ष्मण तिवारी की हत्या कर दी थी। इसी घटना के प्रतिशोध में उस पर जानलेवा हमला किए जाने की बात आजाद तथा उसके परिजनों द्वारा बताई जा रही है।

एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले के अनुसंधान में जुट गई है। बता दें कि बुधवार को दिन के 11 बजे कुख्यात नक्सली सरगना रहे आजाद पासवान को सिकरौल भोजपुर राजवाहा मार्ग पर आथर गांव से पश्चिम घेरकर गोलीमारी गई थी। आजाद को पैर, जांघ व पजरी समेत कुल चार जगहों पर गोली मारी गई है। हालांकि, समय से अनुमंडलीय अस्पताल में प्राथमिक इलाज मिलन से उसकी जान बच गई हैं, लेकिन अभी भी उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

हेलमेट के कारण बच गई जान : घटना के वक्त आस पास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अपराधी जिस वक्त उसे गोली मार रहे थे तो आजाद ने उनका प्रतिकार भी किया था। जिस कारण अपराधी अपना निशाना चूक गए तथा शरीर के नाजूक अंगों पर गोली नहीं लग पाई। किसानों ने कहा कि हमले के वक्त आजाद हेलमेट पहने हुए था। हमलावरों ने उसका हेलमेट खोलने का प्रयास किया था, ताकी उसके सर में गोली मारी जा सके। लेकिन, आजाद के प्रतिकार के कारण वे इसमें सफल नहीं हुए। किसानों के शोरगुल से घबराकर अपराधी भाग खड़े हुए।

इलाके में गहराया जातीय उन्माद : आजाद पासवान पर जानलेवा हमला तथा इसके बाद नामजद लोगों पर एफआईआर दर्ज कराए जाने से इलाके में जातीय उन्माद बढ़ गया है। जबकि आस पास के ग्रामीणों को हिंसा प्रतिहिंसा की चिंता सताने लगी है। आजाद के पूर्व इतिहास तथा उसके खौफनाक कार्यों से वाकिफ लोगों इस बात का डर है कि इस घटना का प्रतिशोध लिया जा सकता है। जिस कारण लोग सहमें हुए है।

> “ आजाद पासवान पर जानलेवा हमला करने वाले चिन्हित कर लिए गए है। उन्हें शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस काफी तत्पर है। किसी को कानून तोड़ने या हिंसा फैलाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।
>
> **- अफाक अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव**

पुलिस ने तस्कर को दौड़ा कर पकड़ा, 15 लीटर शराब जब्त

ब्रह्मपुर। नैनीजोर पुलिस ने यूपी से शराब की खेप लेकर आ रहे एक शराब तस्कर को दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके पास से 15 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई है। उसकी गिरफ्तारी कोईवर तटबंध के समीप से की गई है। गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचान बगेन गोला थाना क्षेत्र के मनकी गांव के हरेराम चौधरी के पुत्र चंदन कुमार चौधरी के रूप में की गई हैं। नैनीजोर थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार तस्कर को आवश्यक पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि इलाके में शराब तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

डॉक्टर नदारद, निजी क्लीनिक में मरीज ने कराया इलाज

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल में डाक्टरों की मनमानी रूकने का नाम नहीं ले रही है। गुरूवार को प्रखंड के नुआंव पंचायत के दयाल सिंह के टोला निवासी संजय कुमार के चाची तेतरी देवी की हाथ की हड्डी टूट गई थी, जिसका इलाज कराने के लिए अनुमंडलीय अस्पताल लगभग 11 बजे गये थे। डाक्टर से दिखाने के लिए उन्होंने काउंटर से रजिस्ट्रेशन भी करा लिया था, जिसका नंबर है 277440544 है। उन्होंने बताया कि चाची को लेकर हड्डी के सर्जरी विभाग में गया तो वहां कोई नही था। पूछने पर पता चला की हड्डी और सर्जरी विभाग के डाक्टर डा. गिरीश सिंह की ड्यूटी है, वे कबतक आएंगे इसकी

जानकारी किसी को नहीं थी। डेढ़ दो घंटे तक इंतजार के बाद दर्द से कराह रही चाची को लेकर मुझे निजी क्लीनिक में जाना पड़ गया।

उन्होंने बताया की ऐसी परिस्थिति को देखते हुए मैं उसी समय बक्सर डीएम से शिकायत करने निकल गया। डीएम के नहीं रहने के कारण मेरे द्वारा डीएम को सारी वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए आवेदन दिया और उसका रिसिव भी ले लिया। उन्होंने बताया की ऐसे अस्पताल के रहने का फायदा जब गरीब मजदूरों को इलाज ही नहीं हो पाए। अस्पताल बना है कि गरीब परिवारों का इलाज बगैर पैसे खर्च हो सके, लेकिन जब समय पर डाक्टर ही नहीं आएंगे तो ऐसे अस्पताल के रहने से क्या फायदा है। उन्होंने डीएम को दिये गए आवेदन में साफ लिखा है कि इसकी जांच कराते हुए दोषी पर कार्रवाई किया जाए।

एक नजर

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी में जुटा प्रशासन स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी कर रहे प्रैक्टिस

डुमरांव। स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का पर्व मनाने के लिए स्कूल, कॉलेज के साथ प्रशासनिक टीमों में भी उत्साह बना है। 15 अगस्त में अब शेष दिन रह गये हैं। जिसकी तैयारी जोरों से चल रही। खासकर स्कूली बच्चे राष्ट्रीय पर्व देशभक्ति से ओतप्रोत होकर रंगारंग कार्यक्रम और देशभक्ति नाटक में हिस्सेदारी निभायेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियां अंतिम दौर में है। समारोह को आकर्षण बनाने के लिए निजी व सरकारी स्कूलों सहित कॉलेज के छात्र-छात्राएं फूल ड्रेस रिहर्सल करने में लगे है। गुरुवार को एसडीओ राकेश कुमार ने एक समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर की बेहतर ढंग से साफ-सफाई के साथ सारी तैयारी निर्धारित समयावधि तक किसी भी हाल में कर लेनी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण स्थानीय राज हाईस्कूल का खेल मैदान होगा। जहां विभिन्न स्कूलों व कॉलेज के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगे। खेल मैदान को सजाने-संवारने का काम नगर परिषद के जिम्मे हैं। इस खेल मैदान में ध्वजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर चलेगा। जिसमें स्कूली बच्चें सहित कई संस्थाओं के प्रतिभागी अपने कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही देशभक्ति झांकियों की प्रस्तुति की जायेगी। उस दिन एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में भी गीत-संगीत की प्रस्तुति होगी। बच्चें राष्ट्रगान, राष्ट्रीय नारो के साथ भाषण, नृत्य आदि का अभ्यास देर शाम तक करने में जुटे है। सुमित्रा महिला कॉलेज की एनसीसी की छात्राएं समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए फूल ड्रेस रिहर्सल कर रही हैं। प्राचार्या डॉ शोभा सिंह के निर्देशन के बाद छात्राएं राष्ट्रीय गायन और देशभक्ति नाटकों की प्रस्तुति करेंगी।

डुमरांव में 200 तिरंगा लाइट लगाकर नगर को किया जाएगा जगमग, तैयारी शुरू

नप क्षेत्र के बिजली पोल पर लगेगा तिरंगा लाइट

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद का इलाका अब तिरंगा लाइट से जगमग होगा। नगर परिषद क्षेत्र के बिजली के पोलों पर तिरंगा लाइट लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। 15 अगस्त की तैयारी को लेकर नप डुमरांव शहर में 200 तिरंगा लाइट लगाएगा। पहले लाइट लगाने का काम डुमरांव रेलवे स्टेशन से शुरू होकर मां डुमरेजिन मंदिर मोड़ तक जाएगा। फिर दूसरे फेज में नगर के संपर्क सड़कों में लगाया जाएगा। साथ ही नगर के गली-मोहल्ले भी दूधिया रोशनी से जगमग होंगे। फिर तिरंगा लाइट

लगाने का काम नप के विस्तारित क्षेत्रों में होगा। तिरंगा लाइट लगाने की प्रक्रिया शुरू होते ही नगरवासियों में काफी उत्साह है। वहीं इसको लेकर नप के विस्तारित क्षेत्रों में मायूशी छायी हुई है।

इसकी जानकारी देते हुए चेयरमैन सुनीता गुप्ता और ईओ मनीष कुमार ने बताया कि नगर के मुख्य सड़कों के हर पोल पर तिरंगा लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। लाइट लगाने का काम डुमरांव रेलवे स्टेशन से शुरू होकर नगर के अंतिम छोर मां डुमरेजिन मंदिर मोड़ तक किया जाएगा। पहले फेज में 200 तिरंगा लाइट लगाया जाएगा, फिर दूसरे फेज में यह लाइट नगर के विस्तारित क्षेत्रों में लगेंगे। शहर का कोई रोड और गली-मोहल्ला में अंधेरा नहीं दिखाई देगा। सभी क्षेत्र दूधिया रोशनी की लाइट से जगमग होंगे। नगर के गलियों से लेकर संपर्क क्षेत्र वाले सड़कों पर दूधिया रोशनी वाला लाइट भी लगाया जा रहा है। डुमरांव शहर में तिरंगा लाइट और संपर्क क्षेत्रों में दूधिया लाइट लगने जानकारी विस्तारित क्षेत्र के लोगों को मिलते ही उनमें नप के प्रति आक्रोश बढ़ गया है। विस्तारित क्षेत्र के वार्ड पार्षदों के साथ ही भी इस मामले को लेकर एकजुट होने लगे हैं। सभी का कहना है कि जब नप के विस्तारित क्षेत्र में पुराना भोजपुर और नया भोजपुर शामिल हो गया है तो इस क्षेत्र में भी लाइट लगना चाहिए। नप द्वारा सौतेला व्यवहार नहीं होना चाहिए। इसी बात को लेकर चेयरमैन और ईओ से विस्तारित क्षेत्र के कुछ वार्ड पार्षदों के साथ नागरिक भी मिले। उन्होंने कहा कि विस्तारित क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस के बाद लाइट लगाने का काम शुरू किया जाएगा। फिर सभी आश्वासन मिलने के बाद शांत हुए।

सॉल्वर गैंग के दो अन्य शातिर कैमूर से गिरफ्तार, पूछताछ जारी

♦ डुमरांव में गिरफ्तार हुए सेटरों ने पूछताछ में लिया था नाम, व्हाट्सऐप चैट भी को पुलिस ने किया सुरक्षित

केटी न्यूज/डुमरांव

फाइल फोटो।

बिहार पुलिस के सिपाही परीक्षा में गड़बड़ी की साजिश रचने वाले साल्वर गैंग के दो अन्य शातिरों को पुलिस ने रोहतास से गिरफ्तार किया है। इसके अलावे गिरोह के मास्टर माइंड को कैमूर पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरफ्तार लोगों में रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र के धनेज गांव निवासी स्व. रामकुमार पाल के पुत्र मंजीत पाल तथा इसी गांव के मो. कासिम साह का पुत्र शमीर साह शामिल है। इसके पहले मंगलवार की रात डुमरांव स्टेशन के पास स्थित एक होटल से कैमूर जिले के भभुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत रूईयां गांव के छोटेलाल चौरसिया उर्फ छोटू तथा मनिहारी के रौशन चौरसिया को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उनके पास से बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा के 145 फर्जी प्रवेश पत्र के अलावे एक सादे कागज पर पटना और बक्सर के परीक्षा केन्द्रों के नाम कई परीक्षार्थियों का रौल नंबर, व्हाट्सऐप चैटिंग के अलावे कई अन्य दस्तावेज व नगदी बरामद हुए थे। पूछताछ तथा उनके मोबाईल डिटेल्स से रोहतास के मंजीत और शमीर के भी शामिल होने की पुख्ता जानकारी मिली थी। जिसके बाद डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी के निर्देश पर एक पुलिस टीम रोहतास जा वहा की स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों को गिरफ्तार कर डुमरांव लाई है। इसके अलावे भी इस मामले से रोहतास, औरंगाबाद व भोजपुर जिले से कई युवको को गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी ने बताया कि इनका नेटवर्क बहुत बड़ा था तथा ये लोग भोले भाले युवकों को अपने जाल में फंसाते थे। उन्होंने कहा कि पूरे गिरोह को सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।

कैमूर का रहने वाला है मास्टर माइंड : साल्वर गैंग का मास्टर माइंड कैमूर जिले के कुदरा थाना क्षेत्र के लालापुर गांव का सूर्यकुमार पाल उर्फ पिंटू पाल है। बक्सर पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर पिंटू को कैमूर पुलिस बुधवार को ही गिरफ्तार कर लिया था। उसे जेल भी भेजा जा चुका है। जबकि गिरोह के अन्य सदस्य भी गिरफ्तार हो चुके है। अब तक इस मामले में आधा दर्जन से अधिक गिरफ्तारियां हुई है।

डुमरांव पुलिस की सतर्कता से हुआ भंडाफोड़ : बता दें कि साल्वर गैंग के सदस्य सिपाही भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर गड़बड़ी फैलाने की साजिश रचे थे। न सिर्फ पहली परीक्षा में बल्कि अन्य पांच दिन की परीक्षाओं में भी कई अभ्यर्थियों की सेटिंग चल रही थी। उन्हें जाल में फंसाने का काम गिरोह के अन्य सदस्य कर रहे थें। लेकिन, ऐन वक्त पर ही डुमरांव पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर उनका खेल बिगाड़ दिया है। गिरफ्तार लोगों से पूछताछत में गिरोह के संचालन सहित कई बिंदुओं पर अहम जानकारियां मिली है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

> “ बिहार पुलिस की परीक्षा में गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करने वाले दो लोगों को मंगलवार की रात पकड़ा गया था। उनके निशानदेही पर ही रोहतास से दो अन्य शातिरों को गिरफ्तार किया गया है। इनका मास्टर माइंड कैमूर का रहने वाला है। जिसे स्थानीय पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। उनकी गिरफ्तारी तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई है।
>
> – अफाक अख्तर अंसारी, डीएसपी, डुमरांव

एक नजर

सड़क किनारे लगाए जाएंगे तिरंगा लाइट

चौसा। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर सभी प्रमुख सड़कों तथा चौक-चौराहे इस बार तिरंगा लाइट से गुलजार होंगे। गुरूवार को संपन्न हुई सामान्य बोर्ड की बैठक में इसका निर्णय लिया गया है। चौसा नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी ने कहा तिरंगा लाइट लगाने का जिला पदाधिकारी द्वारा पूर्व से निर्देश दिया गया है। बता दें कि नगर पंचायत चौसा कार्यालय में गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष किरण देवी की अध्यक्षता में सामान्य बोर्ड की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक का संचालन कार्यपालक पदाधिकारी शुभम कुमार ने किया। मुख्य पार्षद किरण देवी ने कहा कि नगर पंचायत चौसा को हर हाल में स्वच्छ व सुंदर बनाना है। बैठक में क्षेत्रांतर्गत स्वच्छता एवं सम्पूर्ण साफ सफाई में कार्यरत मजदूरों के द्वारा दिए गए आवेदन पत्र के आलोक में एजेंसी द्वारा श्रम संसाधन विभाग द्वारा निर्धारित अकुशल मजदूरों की मजदूरी का कम भुगतान को लेकर चर्चा की गई, और कार्यरत मजदूरों को तत्काल भुगतान करने का आदेश दिया गया। साथ ही, साफ सफाई की निविदा को रद्द करने एवम पुनः निविदा आमंत्रित करने पर चर्चा की गई। इस मुद्दे पर कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा की निविदा रद्द करने एवम पुनः निविदा आमंत्रण के लिए विभाग से अनुमति प्राप्त करने के लिए विभाग को पत्राचार किया गया है। साथ हीं नगर पंचायत चौसा क्षेत्रांतर्गत डोर टू डोर न्यू प्रोपटी एसेसमेंट कलेक्शन व रिकवरी और सर्वे के लिए पुनः निविदा आमंत्रित किया जायेगा। वही, मुख्य पार्षद ने कहा नगर पंचायत के अपने-अपने वार्ड के विकास के प्रति सोच नही रखते व स्वार्थ के पीछे भागते है, वैसे ही लोग सदन की बैठक से बाहर रहते है। ऐसे लोगों को विकास से कोई मतलब नही है।

जीविका कार्यालय बिक्रमगंज में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को दिया गया प्रशिक्षण

बिक्रमगंज। गुरुवार को जीविका कार्यालय बिक्रमगंज में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को रोहतास पिरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर कुश कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें बताया गया कि 10 अगस्त 2024 से फाइलेरिया राउंड शुरू होने वाला है। जिसमें आशा के द्वारा सभी घरों में फाइलेरिया की दवा खिलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि यह दवा 2 वर्ष से लेकर 5 वर्ष के बच्चों को डीईसी की एक गोली व 6 वर्ष से लेकर 14 वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की दो गोली और 15 वर्ष से ऊपर के लोगों को डीईसी की तीन गोली खाना है। साथ ही एल्बेंडाजोल की एक गोली और लंबाई के अनुसार लवेरवेस्टीम की गोली खिलाना है। फाइलेरिया की गोली किसको नहीं खाना है इसके ऊपर भी विस्तार से चर्चा की गई। जैसे कि दो साल से छोटे बच्चे, गर्भवती माताएं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को गोली नहीं खानी है। बैठक में आए हुए समूह के लोगों द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि फाइलेरिया की गोली खुद भी खाएंगे और लोगों को भी गोली खाने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। सरकार के द्वारा यह बहुत ही अच्छी योजना चलाई जा रही है। जिसमें जीविका के सभी लोग के तरफ से पूर्ण सहयोग दिया जाएगा। मौके पर पीरामल फाउंडेशन के प्रोग्राम लीडर कुश कुमार, जीविका के एरिया कोऑर्डिनेटर आलोक कुमार, कृष्ण कुमार, सीएफ रामाकांत सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

सोनवर्षा में शराब से लदी कार जब्त

नावानगर। सोनवर्षा ओपी पुलिस ने थाना क्षेत्र के समौसर गांव के पास से शराब लदी एक ऑल्टो कार को जब्त किया है। उक्त कार से 350 लीटर देसी शराब बरामद किया गया है। हालांकि, तस्कर पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहे। मिली जानकारी के अनुसार ओपी प्रभारी नवीन कुमार को सूचना मिली थी कि शराब तस्कर एक आल्टो कार से शराब की बड़ी खेप लेकर आ रहे है। इस सूचना पर तत्काल उक्त जगह पर पुलिस टीम भेजा गया। लेकिन पुलिस को देखते ही तस्कर वाहन छोड़ भाग गए। उन्होंने कहा कि इस मामले में अज्ञात तस्करों पर उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मवेशी लदा पिकअप जब्त, तीन पर केस

बिक्रमगंज। स्थानीय पुलिस ने धारूपुर रोड स्थित धर्मकांटा के पास एक पिकअप गाड़ी को जब्त किया है। उक्त गाड़ी पर कुल दस मवेशी थे, जिसमें एक मवेशी मृत मिला। थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि पुलिस को पेट्रोलिंग के दौरान सूचना मिली कि एक पिकअप गाड़ी धारूपुर धर्मकांटा के समीप बेतरतीब ढंग से और क्षमता से अधिक लोड के कारण एक्सल टूटने से खराब हो गई है। पुलिस जब गई तो चालक सहित सभी फरार थे। काफी प्रयास के बाद जब गाड़ी नहीं बनी तो उसे देर रात क्रेन से बिस्कोमान लाया गया। जब मवेशियों को उतारा गया तो उसमें नौ जिंदा और एक मृत पशु मिला। मृत बैल को अंत्यपरीक्षण के बाद अंत्येष्टि कर दिया गया, जबकि अन्य नौ मवेशियों को श्री कृष्णा गौशाला सासाराम को सौप दिया गया। पुलिस ने वाहन मालिक, चोरी की मवेशियों को ले जा रहा अज्ञात व्यक्ति और अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है।

बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने की बनी रणनीति, बोले जिला जज...

पीड़ितों को दी जाती है 3 लाख की सहायता

♦ रेप पीड़ितों व एसिड अटैक की पीड़ितों के लिए है यह योजना

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में गुरूवार को बक्सर व्यवहार न्यायालय स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में एक सेंसीटाईजेसन/संवेदीकरण कार्यक्रम, बिहार पीड़ित प्रतीकर योजना - 2014 एवं उसके अद्यतन संशोधित प्रतीकर योजना पर एक विशेष संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार बक्सर के अध्यक्ष आनंद नंदन सिंह, कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार प्रथम, अपर जिला एवम सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कुमार द्वितीय, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर, देवेश कुमार एवं उपस्थित अन्य न्यायाधीशों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। जबकि मंच का संचालन विधिक सहायता प्रतिरक्षा प्रणाली, बक्सर के चीफ बिनय कुमार सिन्हा ने किया। मौके पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को आज इस संवेदीकरण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने, अपने प्रश्न पूछने और अपने अनुभव साझा करने का आग्रह करता हूं। हम सभी आज यहां यह सुनिश्चित करने के लिए बैठे हैं कि हम सभी मिलकर बिहार पीड़ित प्रतिकर योजना 2014 को प्रभावी ढंग से कैसे पुरे जिले में लागू किया जाए। इसके लाभ पाने वाले लोगों की पहचान छिपाकर कैसे उन्हें हम लाभन्वित कर पाएं, जिससे की हम उन लोगों को सांत्वना और अपनी सहायता दे सके, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमित कुमार ने कहा कि इस योजना का लाभ पाने के लिए विहित प्रपत्र में आवेदन देना अनिवार्य होगा। इसके तहत पीड़ित आवेदक या उसके आश्रित का नाम, घटना के दिन पीड़ित की आयु, पिता, माता व पति या पिता का नाम, घटना की तिथि व समय, क्या प्राथमिकी दर्ज हुई है, मेडिकल रिपोर्ट, आदि का विवरण देना होगा। जिसके बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित क्रिमिनल इंज्यूरी कंपन्शेसन बोर्ड इस मामले की अपने स्तर पर जांच कराएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर सहायता राशि का अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इन मामलों में मिल सकेगी सहायता : तेजाब से हमला में चेहरा विकृत होने, तेजाब हमला में 50 प्रतिशत या इससे कम जख्म, दुष्कर्म, अल्पव्यस्क कर शारीरिक शोषण, यौन हमला, मानव व्यापार, मृत्यु, स्थाई विकलांगता, आंशिक विकलांगता, जलने से 25 प्रतिशत से अधिक की शारीरिक क्षति के मामलों में इस योजना का लाभ पीड़ित को मिल सकेगा। योजना के तहत पीड़ित को तीन लाख तक का मुआवजा दिया जाता है।

जिला एवं सत्र न्यायधीश ने बताए योजना के लाभ पाने के तरीके : मौके पर अपने संबोधन में जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहअध्यक्ष विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष आनंद नंदन सिंह ने कहा कि पीड़ित व्यक्ति जो मुआवजे के लिए पात्र होगा, जिसे अधिनियम की धारा 357-ए की उपधारा (2) और (3) के तहत न्यायालय द्वारा सिफारिश की जाती है, या अपराधी का पता नहीं लगाया जाता है या उसकी पहचान नहीं की जाती है और जहां कोई सुनवाई नहीं होती है, ऐसा पीड़ित अधिनियम की धारा 357-ए की उपधारा (4) के तहत मुआवजे के अनुदान के लिए भी आवेदन कर सकता है। पीड़ित या दावेदार को घटना के 48 घंटे के भीतर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी या क्षेत्र के किसी न्यायिक मजिस्ट्रेट को अपराध की सूचना देनी होगी। बशर्ते कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यदि संतुष्ट हो तो लिखित रूप में दर्ज किए जाने वाले कारणों से, रिपोर्ट करने में देरी को माफ कर सकता है। डिप्टी चीफ संकबे संजय कुमार चौबे ने कहा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इस योजना के प्रावधानों के अनुसार दो महीने के भीतर मुआवजा प्रदान करेगा, परन्तु तेजाब हमले की पीड़िता को घटना की सूचना मिलने के पन्द्रह दिनों के अन्दर एक लाख रुपये का भुगतान किया जाएगा तथा शेष दो लाख रुपये का भुगतान उपरोक्त भुगतान से दो माह के अन्दर किया जाएगा। शेष क्षतिपूर्ति राशि, यदि कोई हो तो द्वितीय किस्त के भुगतान की तिथि से 3 माह के अन्दर भुगतान की जाएगी।

अब तिलौथू के वरिष्ठ नागरिकों को मिलेगा नि :शुल्क कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर

केटी न्यूज/तिलौथू

तिलौथू प्रखंड अंतर्गत गुरुवार को मां सरस्वती निःशुल्क कंप्यूटर संस्थान एवं लाइब्रेरी में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें 106 छात्र-छात्राओं को डीसीए (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन्स) का सर्टिफिकेट वितरित किया गया। इस मौके पर संस्थान के संस्थापक और क्षेत्र के जाने-माने शिक्षाविद ओम प्रकाश गुप्ता जिन्हें लोग ओमजी के नाम से भी जानते हैं, ने सर्टिफिकेट वितरित किए और छात्रों को संबोधित किया। ओमजी ने अपने संबोधन में छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, "आप देश के भविष्य हैं। आजकल हर नौकरी में कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य होती जा रही है। तिलौथू के कई छात्रों को आर्थिक कारणों से कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल पाता था। इसी को ध्यान में रखते हुए, मैंने निशुल्क कंप्यूटर शिक्षा केंद्र, वाचनालय और लाइब्रेरी की स्थापना की है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भी उच्च गुणवत्ता की कंप्यूटर शिक्षा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान के कंप्यूटर शिक्षक, अंशुल कुमार, सूरज कुमार एवं अफजल ने छात्रों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया है। छात्रों ने सफलतापूर्वक टेस्ट पास कर डीसीए सर्टिफिकेट हासिल किया है, जो उनके भविष्य की नींव बनेगा। ओमजी ने सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उम्मीद जताई कि वे नौकरियों में सफल होकर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर ओमजी ने एक नई पहल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि "कई वरिष्ठ नागरिकों ने मुझसे संपर्क किया है और कंप्यूटर शिक्षा की इच्छा जताई है।" इसे ध्यान में रखते हुए, संस्थान अब से वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा का प्रावधान करेगा। इस नए बैच में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग क्लासेस होंगी।

सरकारी व निजी स्कूलों में पर्यावरण की सुरक्षा को ले बच्चों को दिलाया जाएगा 11 सूत्री संकल्प

जिले के स्कूलों में आयोजित किए जाएं कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर आज जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित 11 सूत्री संकल्प दिलाने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसके तहत बच्चों को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन के बारे में अवगत कराया जाएगा। इसको लेकर उप निदेशक प्राथमिक शिक्षा नीरज कुमार ने जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र जारी कर कार्यक्रम के आयोजन को लेकर निर्देश दिया है। राज्य में वर्ष 2012 से बिहार पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2017 में बिहार पृथ्वी दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में उप मुख्य मंत्री बिहार के द्वारा विद्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की गई थी। जिसमें राज्य के सभी सरकारी, गैर सरकारी प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन कराने को लेकर निर्देशित किया गया था। जिससे विद्यार्थियों को पर्यावरण के बार में जागरूक किया जा सके। इसको लेकर विद्यालयों में बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा को लेकर संकल्प दिलाया जाये। जिसके आलोक में 9 अगस्त को कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। जिसमें छात्र व छात्राओं को पर्यावरण संबंधित 11 सूत्री संकल्प दिलाये जायेंगे।

स्कूलों में ये दिलाये जाएंगे संकल्प

- प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी सुरक्षा एवं देखभाल कर वृक्ष बनाऊंगा / बनाऊंगी।
- अपने आसपास के तालाब, नदी, पोखर एवं अन्य जल स्रोतों को प्रदूषित नहीं करूंगा / करूंगी। इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करूंगा / करूंगी।
- आवश्यकता से अधिक जल का उपयोग नहीं करूंगा/करूँगी एवं इस्तेमाल के बाद नल को बंद करूंगा / करूंगी।
- अपने घर/ विद्यालय / आस-पड़ोस में वर्षा के जल संचय हेतु अपने परिवार के सदस्यों को प्रेरित करूंगा / करूंगी।
- बिजली का उपयोग आवश्यकतानुसार ही करूंगा/करूंगी। घर से बाहर निकलते समय बिजली के बल्व / पंखा को बंद कर दूंगा / दूंगी।
- अपने घर, विद्यालय एवं आस-पड़ोस को स्वच्छ रखते हुए वहां से निकलने वाले कूड़े को कूड़ेदान में डालूंगा / डालूंगी.
- प्लास्टिक / पॉलीथीन का उपयोग बंद कर कपड़े. कागज के थैलों का उपयोग करूंगा / करूंगी और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करूंगा / करूंगी।
- जीव-जन्तुओं एवं पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम का भाव रखूंगा / रखूंगी। इसके लिए यथा संभव दाना-पानी की व्यवस्था करूंगा / करूंगी।
- नजदीक के कार्य पैदल अथवा साईकिल से करूंगा / करूंगी।
- कागज का अनावश्यक उपयोग नहीं करूंगा / करूंगी एवं अन्य लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करूंगा / करूंगी।
- मैं खुले में शौच नहीं कर शौचालय का उपयोग करूंगा / करूंगी।

खबरें फटाफट

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

छपरा। गड़खा थाना अंतर्गत मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत छपरा सदर अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में हो गई।मृतक की पहचान जिले के अमनौर थाना अंतर्गत रसूलपुर गांव निवासी अमर प्रसाद के 18 वर्षीय पुत्र प्रिंस प्रसाद के रूप में हुई। घटना के संबंध में बताया जाता गया कि सुबह वह बाइक से किसी कार्य के लिए जा रहा था उसी बीच मुख्य मार्ग पर अनियंत्रित ट्रक ने उसे रौंद दिया। जिसके कारण उसकी मौत सदर अस्पताल लाने के दौरान रास्ते में हो गई। जिसके बाद सदर अस्पताल में मौजूद थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जहां शव का पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद उसे परिवार वालों को सौंप दिया गया। उस दौरान परिवार वालों ने बताया कि प्रिंस घर का इकलौता संतान था, उसकी मौत के बाद परिवार वालों के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि सड़क के आसपास के सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। ताकि ट्रक चालक को पकड़ा जा सके।

अपराधियों ने बताया समस्तीपुर, सीतामढ़ी, मधुबनी और नवादा जिले में घटना को दें चुके है अंजाम

बैंक लूटने की फिराक में समस्तीपुर से आरा आए 3 लुटेरों को पुलिस ने दबोचा

- अपराधियों के दो अन्य साथी भी शीघ्र आने वाले थे समस्तीपुर से आरा
- अपराधी छठी पर बैंक लूट की घटना को अंजाम देने के लिए आये थे आरा

केटी न्यूज/आरा

समस्तीपुर का कुख्यात बैंक लुटेरा अपने अन्य दो साथियों के साथ आरा पहुंचा, जिसे भोजपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की रात गिरफ्तार कर लिया है। तीनों ही अपराधी बैंक लूटने की फिराक में आरा आए थे। इससे पहले भी इनका गिरोह पांच जिलों में बैंक की लूट की घटना को अंजाम दे चुके हैं। इसके बाद छठी बार बैंक लूटने की मंशा से अपने टीम के साथ आरा आया हुआ था, जिसे भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इसकी जानकारी भोजपुर एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दी है।

क्या बोले एसपी

एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि बुधवार की रात करीब 11 बजकर 15 मिनट पर गुप्त सूचना मिली कि समस्तीपुर जिले का कुख्यात अपराधी मिट्ठू तिवारी अपने गिरोह के सदस्यों के साथ बैंक लूटपाट करने की मंशा से आरा आया हुआ है। गुप्त सूचना का सत्यापन कर एक विशेष टीम का गठन किया गया। वहीं रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर पकड़ी चौक के पास बिना नंबर प्लेट के एक पल्सर बाइक पर सवार तीन लोग पुलिस को देखकर रमना मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस ने तीनों अपराधियों को धर दबोचा। पकड़े गए अपराधियों में पहला अपराधी समस्तीपुर जिले के बाजार समिति थाना क्षेत्र अंतर्गत मथुरापुर गांव का निवासी स्वर्गीय राज कुमार तिवारी का कुख्यात अपराधी बेटा मिंटू कुमार उर्फ मिट्ठू तिवारी, दूसरा अपराधी समस्तीपुर जिले के बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बाजार समिति थाना क्षेत्र अंतर्गत मथुरापुर गांव निवासी किशुनदेव सिंह का बेटा छोटू कुमार सिंह और तीसरा अपराधी बेगूसराय जिले के सिघौल थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरी गांव निवासी अशोक पांडेय का बेटा मोनू कुमार शामिल है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि तीनों अपराधियों को पकड़ने के बाद पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान पता चला तीनों बैंक लूटने की मंशा से आरा आए थे। गिरोह के अन्य सदस्य रामभज्जू पांडेय और बलराम तिवारी जो सीतामढ़ी जिला के रहने वाले है, वो दोनों ट्रेन या बस से देर शाम तक आरा आने वाले हैं। फिर गठित टीम द्वारा अन्य सदस्यों की काफी खोजबीन किया गया, लेकिन पता नहीं चला। वहीं पुलिस को दावा है कि इनके अन्य साथियों को पुलिस जल्द धर-दबोचा लेगी। इसके लिए पुलिस तैयार है।

अपराधियों के पास से दो देसी कट्टा, कारतूस बरामद

पकड़ाए अपराधियों ने बताया कि पहले समस्तीपुर, सीतामढ़ी, विदई थाना मधुबनी और वारसलीगंज थाना नवादा जिले में घटना को अंजाम देकर आरा में घटना को अंजाम देने आए थे, लेकिन भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। वहीं पकड़े गए अपराधियों के पास से दो देशी कट्टा, चार जिंदा गोली, दो मोबाइल, बिना नंबर प्लेट की पल्सर बाइक और बरामद किया गया है। पकड़े गए अपराधी पहले भी जेल जा चुके हैं। जेल से छुटने के बाद फिर से घटना को अंजाम देने के लिए आरा आए थे। वहीं एसपी ने बताया कि विशेष टीम में जितने भी पुलिसकर्मी शामिल थे, उन सभी को पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं जिस एरिया से गिरफ्तारी हुई है। उस एरिया में दो तीन बैंक है। ये किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे, लेकिन विशेष टीम के द्वारा सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी ने बताया कि पूरे मामले पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। वहीं विशेष टीम में पुनि सह- नवादा थानाध्यक्ष कमलजीत के नेतृत्व में पुअनि वाहिद अली नवादा थाना, थाना के सशस्त्र बल, आसूचना इकाई टीम और डीआईयू की टीम शामिल थी।

एक नजर

जहानाबाद में सांप काटने से एक व्यक्ति की मौत

जहानाबाद। जहानाबाद जिले के टेहटा बाजार में सांप काटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक प्रियदर्शी नील रतन उर्फ अनिल विश्वकर्मा उम्र 50 वर्ष बताए जाते हैं। जानकारी के अनुसार अनिल विश्वकर्मा को बुधवार की शाम विषैले सांप ने काट लिया था। जिसे इलाज के लिए सदर अस्पताल जहानाबाद में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सको ने बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया था। वही परिजन झाड़ फूक कराने चले गए जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों द्वरा पुलिस को सूचना दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बृहस्पतिवार के दिन पोस्टमार्टम कराया है। घटना के बाद मृतक के घर प्रेम नगर टेहटा स्थित परिजनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया है। लोगों ने बताया कि मृतक का टेहटा रेलवे स्टेशन के समीप साइकिल दुकान था। जिसमें वे काम कर रहे थे तभी विषैला सांप ने उन्हें डस लिया था

हंगामा करते शराबी गिरफ्तार

जहानाबाद। एसपी अरविंद प्रताप सिंह के निर्देश पर शराबियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धड़पकड़ अभियान के तहत शकुराबाद थाने की पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा करते एक शराबी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराबी मखदुमपुर थाना क्षेत्र के पथरा गांव निवासी अरुण पासवान बताया जाता है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर मोहन प्रसाद सिंह ने बताया कि उक्त शराबी शराब के नशे में होकर कंटाही विगहा गांव के समीप हंगामा कर रहा था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने लाई जहां शराबी का ब्रेथ एनालाइजर से जांच कराई गई जिसमे शराब पीने की पुष्टि होने पर उसे न्यायिक हिरासत में न्यायालय भेज दिया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा किसी भी हालत में शराबी व शराब कारोबारी को बख्शा नहीं जाएगा।

फल्गु नदी में डूबने से एक शख्स की मौत

जहानाबाद। हुलासगंज थाना अंतर्गत बौरी पंचायत के दादपुर महादलित टोले के निवासी 53 बर्षीय भोनू मांझी की मौत फल्गु नदी में डूबने से हो गई है। घटना बुधवार की बताई गई है।इस संबंध में बताया गया कि गांव के ही एक वृद्ध महिला के दाह संस्कार फल्गु नदी में करने के दौरान नदी में नहाने के क्रम में डूबने से उसकी मृत्यु हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि दाह संस्कार के बाद वहे नदी में अकेले स्नान करने गया था तथा काफी देर के बाद भी जब लौटकर नहीं आया। तो ग्रामीणों द्वारा जब उसकी खोज बीन की गई तो उसे पानी में ही मृत पाया गया। इसकी सूचना हुलासगंज पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा लाश को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद भेजा गया तथा उसके बाद गुरुवार कोपरिजनों को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भाकपा माले के तीन सदस्यीय टीम जिला कमेटी के सदस्य दिलीप बिंद के नेतृत्व में जाकर परिजनों को सांत्वना दिया तथा सरकार से मिलने वाली मुआवजा राशि दिलाने में भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया।

गोली लगने से महिला की मौत

जहानाबाद। जिले के सदर अस्पताल में अचानक उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब खून से सनी एक महिला को सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया गया। जिसे सदर अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार कर तुरंत उसे पटना रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में मौजूद डॉक्टर ने बताया कि महिला के सिर में गोली लगी है और गोली आर पार हो गई है। गोली की एंट्री और एग्जिट घाव साफ साफ दिखाई दे रहे। यही नहीं महिला के ब्रेन का भी कुछ हिस्सा बाहर निकल चुका है और उनकी स्थिति काफी नाजुक है इसीलिए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया है। मृतका का नाम अंजली कुमारी बताया जा रहा है, जिसकी उम्र महज 26 वर्ष थी। जो की जिले के काको प्रखंड के देढसैया गांव की निवासी है। मृतका के पति का नाम सौरभ कुमार उर्फ मोनू कुमार है। गोली लगने के बाद मोनू ने हीं अपनी पत्नी को कुछ ग्रामीणों की मदद से जहानाबाद सदर अस्पताल लाया था। जब वह घर आया तो महिला गिरी हुई थी। पुलिस की पूरी जांच के बाद ही इसका खुलासा हो पाएगा।

गंगा व सोन नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि जारी, भोजपुर में मंडराया बाढ़ का खतरा

केटी न्यूज/ आरा

गंगा और सोन नदी के जलस्तर में लगातार तीन दिनों से तेजी से वृद्धि होने से बड़हरा प्रखंड सहित भोजपुर जिला में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। आने वाले 24 घंटे में गंगा नदी का जलस्तर में इसी तरह से बढ़ोतरी जारी रही तो इसका जलस्तर खतरे का निशान पार कर इसका पानी इससे ऊपर बहने लगेगा। गुरुवार के दिन गंगा नदी का जलस्तर 52.59 मीटर पर पहुंच गया है। गंगा नदी का जलस्तर अभी खतरे के निशान से मात्र 33 सेंटीमीटर नीचे बह रही है अनुमान लगया जा रहा है कि गुरुवार कि रात तक गंगा में जल स्तर में वृद्धि होती रही तो इसका जलस्तर खतरे का निशान के करीब पहुंच जाएगा।

बड़हरा में बाढ़ का पानी नेकनामटोला, बखोरापुर, लौहर आदि पंचायत के बधारो में तेजी से फैल रहा हैं ।वही बुधवार और गुरुवार के दिन जलस्तर में वृद्धि होने के बाद इसका पानी नेकनाम टोला लिंक पथ पर चढ़ गया है। बाढ़ का पानी लौहर बखोरापुर मुख्य मार्ग के किनारे पहुंच गया है आज इस पर बाढ़ का पानी चढ़ जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण विभाग ने आगामी कुछ दिनों तक गंगा व सोन नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी रहने की संभावना व्यक्त की है । इस विभाग के एस्कुटीव अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि संभावित बाढ़ की खतरा को देख इसकी सभी तरह की तैयारी पूरी कर ली गयी है। भोजपुर जिला के सभी तटबंध पूरी तरह से सुरक्षित है।

सुगम यातायात एवं जल निकासी हेतु नाला के निर्माण को लेकर जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

केटी न्यूज/छपरा

छपरा शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं जल निकासी हेतु स्थायी व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। इस उद्देश्य से जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न स्तरों पर कई बैठकें की गई हैं। पूर्व में जनप्रतिनिधिगण के साथ बैठक की गई थी। विगत सप्ताह में जिला परिषद, बुडको, पथ प्रमंडल तथा नगर निगम के अभियंताओं के साथ भी बैठक की गई थी। सभी अभियंताओं को सड़कों के चौड़ीकरण एवं नये नालों के निर्माण को लेकर समेकित कार्य योजना तैयार करने का निदेश दिया गया था डीएम अमन समीर ने छपरा शहर में

विभिन्न स्थलों पर जाकर स्वयं स्थलीय निरीक्षण किया तथा कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण दिशा निदेश दिया। जिला परिषद द्वारा सांढा ढाला ओवर ब्रिज के नीचे से मठिया मोड़ होते हुए पंचायत भवन सांढा से आगे स्थित पइन तक सड़क के दोनों तरफ नाले का निर्माण कराया जा रहा है। सड़क के दोनों किनारे पर जिला परिषद के स्वामित्व के जमीन की मापी कर मार्किंग की गई है। डीएम ने स्थलीय निरीक्षण के क्रम में सड़क के दोनों तरफ की गई मार्किंग के अनुरूप 7 दिनों के अंदर अस्थायी अतिक्रमण को हटाने का निर्देश अंचलाधिकारी सदर को दिया। साथ ही स्थायी अतिक्रमण को हटाने के लिए विधिवत अतिक्रमण वाद चलाने का निर्देश दिया गया। सभी स्थायी अतिक्रमणकारियों को 18 अगस्त तक अनिवार्य रूप से अतिक्रमण हटाने से संबंधित नोटिस देने का निर्देश दिया गया।

खबरें फटाफट

देवकली ब्लाक के धरीकलां उपचुनाव में कौशिल्या निर्वाचित घोषित

गाजीपुर। देवकली ब्लाक के धरीकलां ग्राम पंचायत ग्राम प्रधान उप चुनाव की मतगणना ब्लाक मुख्यालय पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 8.22 बजे शुरू होकर 10.55 बजे समाप्त हुई। महज दो घंटे 33 मिनट में मतगणना समाप्त हो गई। जिसमें उम्मीदवार कौशिल्या पत्नी रमेश शर्मा कुल 24 मतों से निर्वाचित घोषित की गई। उप चुनाव में दूसरे स्थान सीमा तथा नीरा को तीसरा स्थान पाकर संतोष करना पड़ा। भारी गहमागहमी के बीच धरीकलां गांव में हुए उप चुनाव मे कुल 778 वोट पड़े। जिसमें कौशिल्या को 375, सीमा को 351 तथा नीरा को 40 वोट मिले। कुल 12 वोट अवैध हुए। कौशिल्या पत्नी रमेश शर्मा (24) वोट सर्वाधिक हासिल कर निर्वाचित घोषित की गई। निर्वाचन अधिकारी अनुराग पांडेय व सह निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार सिंह ने विजेता उम्मीदवार को प्रमाण पत्र दिया। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी जमालूदीन अली, प्रफुल्ल कुमार, मनोज चौबे, शलेश कुमार, राजेश कुमार यादव, नंदगंज के थानाध्यक्ष श्यामजीत यादव तथा शादियाबाद के थानाध्यक्ष सहित काफी संख्या मे सुरक्षा कर्मी मौजूद थे।

डीएम की अध्यक्षता में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक संपन्न

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिसमें बाल संरक्षण से संबंधित मुद्दे, बाल कल्याण समिति के कार्य, बालकों के संरक्षण संबंधित योजनाएं जैसे बाल सेवा योजना तथा स्पॉन्सरशिप योजना पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया की जनपद में नवीन संस्था बनाए जाने के संबंध में प्रस्ताव प्रेषित कराया जाए तथा देख-रेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के संबंध में जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बाल संसद इकाई व बाल कल्याण समिति द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संतोष वैश्य, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 दिनेश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी ,जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि उपस्थित थे।

मनियर एसओ हुए पैदल

बलिया। जनपद में कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने बुधवार की देररात्रि पुलिस लाइन से उप निरीक्षक रत्नेश कुमार दुबे को मनियर थाने की कमान सौंपी है। जबकि मनियर थानाध्यक्ष के विरुद्ध लगातार मिल रही शिकायत के बाद एसपी ने उन्हें पुलिस लाइन भेज दिया है।

हसनपुरा, नसीरपुर, दुल्लहपुर, परमानंदपुर गावों के सिवान बाढ की चपेट में

गंगा में आई बाढ़ से इलाकों में भरा पानी, कई गांवों का संपर्क प्रभावित

♦ एक दो दिन में बाढ से इस इलाके का जिला से सडक मार्ग कट जाएगा सम्पर्क

केटी न्यूज / गाजीपुर

जनपद के डूब क्षेत्र रेवतीपुर ब्लॉक अंतर्गत विभिन्न इलाकों में गंगा के बाढ का पानी तेजी से गावं की आबादी की ओर बढ रहा है, जिससे कि ग्रामीणों में चिंता बढ गई है। बाढ़ के कारण कई गावों का सम्पर्क एक दूसरे से कट गया है। जबकि रेवतीपुर से गहमर जाने वाले प्रमुख मार्ग को भी बाढ ने अपने चपेट में ले लिया है। जिससे आवागमन बंद हो गया है। मजबूरी में ग्रामीण बाढ के पानी से होकर आवागमन को मजबूर है। बाढ के चलते इलाके सिवान में बोई गई विभिन्न फसलें परवल, मिर्चा, बैंगन ,टमाटर ,ज्वार, धान सहित अन्य फसलें जलमग्न हो गई है। बाढ़ के कारण हसनपुरा, नसीरपुर, दुल्लहपुर, परमानंदपुर गावों के सिवान पूरी तरह से बाढ की चपेट में आ चुके है, ग्रामीण सिवान से खुद अपने परिजनों व पशुओं के साथ अपने घरों की ओर वापस आ रहे है।

बाढ़ के चलते हसनपुरा स्थित आंगनबाडी केंद्र बाढ के पानी से घिरने से एहतियातन बंद कर दिया गया है, लोगों ने बताया कि अगर इसी रफ्तार से बढाव जारी रहा तो एक दो दिन में बाढ से इस इलाके का जिला से सडक मार्ग सम्पर्क कट जाएगा । प्रशासन ने जलस्तर के बढाव को देखते हुए पूरी तरह से अलर्ट मोड में हो गया है,ब्लाक मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम को पूरी तरह से सक्रिय कर कर्मचारियों की चौबीसों घंटे तैनाती कर दी है।

मामूल हो कि बाढ को देखते हुए किसी भी संक्रामक बिमारी से निपटने के स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया,जबकि पशुओं में रोग फैलने की आशंका के मद्देनजर पशुपालन विभाग सतर्क हो चुका है।

मालूम हो कि? दो वर्ष पहले आई भीषण बाढ के चलते अठहठा गाँव में नाव हादसे में सात लोगों की डूबने से मौत हो गई थी,जिसे देखते हुए प्रशासन ने इसबार दर्जनों छोटी बडी नावों की व्यवस्था कर रखी है।इस दौरान एसडीएम संजय यादव ने थाने में बाढ को लेकर बैठक भी किया। एसडीएम संजय यादव ने बताया कि इलाके में कुल दस बाढ चौकी बनाई गई है,हरेक बाढ चौकी पर लेखपाल सहित नौ लोगों को तैनात किया गया है,शरणालय भी बना वहाँ कर्मियों को तैनात कर दिया गया है।

उपजिलाधिकारी ने किया बाढ़ क्षेत्र का दौरा, ग्रामीणों को किया सतर्क

गाजीपुर। रेवतीपुर विकास खंड के बाढ़ प्रभावित इलाकों, बाढ चौकियों का गुरुवार की शाम एसडीएम सेवराईं संजय यादव ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से बाढ़ को लेकर सतर्क रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने मातहतों को सख्त निर्देश दिया कि बिना किसी सूचना के कोई भी कर्मी ब्लाक मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। एसडीएम ने इस दौरान बाढ़ राहत केंद्रों, शरणालय का भी जायजा लिया और वहां मौजूद सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन बाढ़ को देखते हुए पूरी तरह से मुस्तैद है। राहत व बचाव की हर जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान एसडीएम संजय यादव ने रेवतीपुर थाने में बाढ़ को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित किया। जिसमें उन्होंने हर विभागों से उनकी तैयारियों का फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि बाढ़ को लेकर किसी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम ने बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से आह्वान किया कि जलस्तर में बढ़ोत्तरी से बस सतर्क रहे, हर जरूरी राहत बचाव को लेकर तैयारियाँ पूरी कर की गई है। इस अवसर पर तहसीलदार सुनिल कुमार, पूर्व प्रमुख मुकेश राय, पंकज कुमार और रामेश्वर तिवारी नायब तहसीलदार, प्रभारी निरीक्षक शैलेश मिश्रा आदि शामिल थे।

एक नजर

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामिया अपराधी आफताब को लगी गोली, गिरफ्तार

मऊ। मऊ पुलिस को उस समय भारी सफलता मिली जब पुलिस मुठभेड़ में गैगेस्टर एक्ट का वांछित और 50 हजार रूपए का इनामिया शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक मऊ इलामारन के निर्देशन में अपराध / अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री के कुशल पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर श्री अंजनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में एसओजी /स्वाट / सर्विलांस एवं थाना दक्षिणटोला व कोपागंज पुलिस टीम को उस समय अहम सफलता हाथ लगी जब आज दिनांक 08.08.2024 को रात्रि देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान मुखबिर द्वारा प्राप्त सूचना पर थाना दक्षिणटोला क्षेत्रान्तर्गत ग्रामसभा रैनी में रैनी बाग के पास से प्रातः लगभग 04:30 बजे पुलिस मुठभेड़ में थाना मुहम्मदाबाद में पंजीकृत मु0अ0सं0 87/24 धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट में वांछित एक शातिर अपराधी आफताब पुत्र हलीम निवासी सठियांव चौराहा थाना मुबारकपुर जनपद आजमगढ़ (50 हजार का इनामिया) घायल हो गया, जिसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर एवं 02 जिंदा व 02 खोखा कारतूस 315 बोर तथा एक मो0साईकिल पल्सर बरामद कर घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। इस दौरान जवाबी फायरिंग में उक्त अपराधी के दोनों पैर में गोली लगी है जिसको इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर होने पर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।

लेखपाल व कानूनगो ने किया कार्य का बहिष्कार

बलिया। कोतवाली के सामने अराजक तत्वों द्वारा मारेपीटे जाने से गुरुवार को माडल तहसील में लेखपाल व कानूनगो ने कार्य का बहिष्कार कर अनिश्चितकालीन कालीन धरना शुरू कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि जिस तरह बांसडीह कोतवाली के सामने दिनदहाड़े युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, उसी तरह शहर कोतवाली के सामने कानूनगो को अराजकतत्वों द्वारा कोतवाली से खींचकर पीटना रामराज नहीं बल्कि गुंडाराज को दशार्ता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते बुधवार को शहर कोतवाली के सामने एक कानूनगो को कुछ अराजक तत्वों ने मारापीटा। जिससे कानूनगो बुरी तरह से घायल हो गए। मामले में शहर कोतवाल ने तुरंत एक्शन लेते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की। लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से लेखपाल व कानूनगो खासे नाराज है और माडल तहसील में धरना प्रदर्शन शुरू कर दिए। चेतावनी दिया कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी। आंदोलन खत्म नहीं होगा।

बलिया तहसीलदार कोर्ट से गायब हो रही फाइलें, बड़े पैमाने पर चल रहा खेल

बलिया। जिले के राजस्व विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। सदर तहसीलदार कोर्ट से तो वादकारियों की पत्रवालियां ही गायब कर दी जा रही हैं। आलम यह है कि कई वादकारी तो महीनों से उच्चाधिकारियों व तहसील का चक्कर काट रहे हैं। बुधवार को एक प्रकरण में तहसीलदार कोर्ट के अहलमद ने तो लिख कर दे दिया कि उन्हें प्रभार में यह पत्रवालियां मिली ही नहीं हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर फाइलें कहां गायब हो गई, किसने गायब कराई? बता दे कि नरही थाना क्षेत्र के भरौली गांव निवासी ओमप्रकाश राय बीते छह माह से तहसीलदार कोर्ट में चल रहे मुकदमे की पत्रवालियां खोज रहे हैं। अलग- अलग मौजे की कुल पत्रवालियां गायब हैं। इस बाबत कई बार डीएम से लेकर एसडीएम से वह गुहार लगा चुके हैं, लेकिन फाइलें नहीं मिल रही है। एक अगस्त 2024 को ओमप्रकाश ने डीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि वर्ष 2021 से चल रहे विभिन्न मौजे की 10 फाइलों को गायब कर दिया गया है। जिसमें मौजा बघौना खुर्द, गोविन्दपुर खास, भरौली खास, चतुर्भुजतरी गंगबरार, मोहिदीनपुर मु भरौली, बिजौरा खास, गोविन्दपुर गंगबरार, पिण्डारी, भरौली गंगबरार व चतुर्भुजतरी खास से संबंधित हैं। बुधवार को अहलमद ने लिखकर दिया कि उन्हें प्रभार में यह फाइलें नहीं मिली हैं। जब इस बाबत तहसीलदार प्रवीण सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि फाइलें गायब नहीं हुई होगी। उसे खोजवाया जाएगा।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ अभाहि महासभा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बलिया। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर गुरूवार को अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया कि आज हमारे पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में आरक्षण के नाम पर भड़की हिंसा ने हिंदू विरोधी रूख धारण कर लिया है। आज बांग्लादेश में हिंदुओं का घर जलाया जा रहा है, हिंदू बहन बेटियों की आबरू लूटी जा रही है। हिंदू संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है और धर्मांतरण एवं पलायन के लिए मजबूर किया जा रहा है। ऐसी प्रतीत हो रहा है जैसे जान बूझ कर यह सुनि?योजित ढंग से छात्र आंदोलन की आड़ में हिंदू विरोधी गति?विधियों को अंजाम दिया जा रहा है। मांग किया कि केंद्र सरकार को सख्त रूख अपनाते हुए उपद्रवियों पर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए और जल्द से जल्द स्थिति को नियंत्रित करना चाहिए।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद जिले में प्रथम आगमन पर लाल बिहारी का स्वागत

♦ हमें जो अधिकार मिला है जनता के हित में उसका करूंगा सदुपयोग

केटी न्यूज / गाजीपुर

विधान परिषद सदस्य लाल बिहारी यादव के नेता प्रतिपक्ष (विधान परिषद) बनने के बाद जनपद में प्रथम आगमन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में बंशीबाजार स्थित पार्टी कार्यालय लोहिया-मुलायम सिंह यादव भवन पर कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। अपने स्वागत से अभिभूत नेता प्रतिपक्ष लालबहादुर यादव ने कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा आपकी संघर्षो की बदौलत आज मुझे यह मुकाम हासिल हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति भी आभार जताया और कहा कि जिस भरोसे और उम्मीद के साथ उन्होंने हमें यह जिम्मेदारी सौंपी है उस पर शत प्रतिशत खरा उतरते हुए गरीबों, दलितों और मजलूमों के हक और अधिकार की हर कीमत पर रक्षा करूंगा। कहा कि जो हमें अधिकार मिला है जनता के हित में उसका सदुपयोग करूंगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा के क्षेत्र में पैसा नहीं खर्च करना चाहती है। वह कुम्भ मेला और गंगा की सफाई के लिए अरबों की बजट की व्यवस्था कर रही है, लेकिन शिक्षा के नाम पर उसका बजट नाकाफी है। उन्होंने कहा यह सरकार आउटसोर्सिंग नौकरी दे रही है। यह देश के नौजवानों के साथ सरासर बेईमानी और धोखा है। उसे न तो इस देश के गरीबों की चिंता है न मजदूर, किसानों की। यह सरकार गरीबों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनहीन है। इस सरकार को गरीब को रोटी, कपड़ा, मकान, दवा, इलाज और न्याय की कोई चिंता नही है। उसे केवल पूंजीपतियों के हित की चिंता है। उन्होंने कहा लोकतंत्र और संविधान से खिलवाड़ नहीं होने दूंगा। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने स्वागत करते हुए कहा कि आज हम सब नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी का स्वागत और सम्मान कर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और हम यह भरोसा करते हैं कि इनके नेता प्रतिपक्ष रहते देश के लोकतंत्र और संविधान पर कोई आंच नहीं आएगी। लोकतंत्र और संविधान पर हो रहे हर हमले का पूरी मुस्तैदी से सामना करते हुए लोकतंत्र और संविधान की रक्षा करेंगे। विधायक डॉ. विरेन्द्र यादव ने कहा कि लाल बिहारी संघर्ष की कोख से पैदा हुए नेता है। उन्होंने अपनी सांगठनिक क्षमता, समर्पण और संघर्ष के चलते आज इस मुकाम को हासिल किया है।

रोहित के पिता को परिवहन मंत्री ने दिया पांच लाख रुपए का चेक

केटी न्यूज / बलिया

प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बुधवार को बांसडीह कस्बा स्थित स्व रोहित पाण्डेय के पिता दीपन पाण्डेय को पांच लाख रुपया सहायता राशि का चेक दिया। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बीते रविवार को स्व. रोहित पांडेय के परिजनों से मिलने के दौरान पांच लाख रुपया देने की घोषणा किया था। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने स्व. रोहित पाण्डेय के घर उनके पिता दीपन पांडेय, चचेरे भाई राजेश पांडेय व अन्य परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो रही हैं तथा परिवार को न्याय मिलेगा। प्रशासनिक स्तर से लेकर न्यायालय स्तर तक हर संभव मदद की जाएगी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते दिनों बांसडीह कोतवाली के सामने दिनदहाड़े रोहित पांडेय की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई थी। मामले में अब तक लगभग सभी आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मुख्य आरोपी कोर्ट में सरेंडर भी कर चुके हैं। मामले के बाद बलिया ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में पुलिस महकमे की जमकर किरकिरी हुई है। इसी क्रम में बीते दिनों उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बीते दिनों स्व. रोहित पांडेय के परिजनों से मिलने के दौरान पांच लाख रुपया देने की घोषणा किया था। जिसके बाद परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने स्व रोहित पाण्डेय के पिता दीपन पाण्डेय को पांच लाख रुपया सहायता राशि का चेक दिया।इस मौके पर भाजपा नेता विश्राम सिंह, महावीर पाठक, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रतुल ओझा, रंजन पांडेय, श्रवण पांडेय , गोपाल गुप्ता आदि उपस्थित थे।

टीडी कालेज में छात्र नेताओं ने की आपात बैठक, फर्जी मुकदमा वापस करने की मांग

केटी न्यूज / बलिया। नगर के टीडी कालेज में गुरुवार को जनपद के छात्रनेताओं की आपात कालीन बैठक सम्पन्न हुई। चेताया कि कानूनगों द्वारा छात्रनेता हर्षित दूबे व उनके परिवार और साथियों पर फर्जी मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो छात्र आन्दोलन करने के लिए बाध्य होंगे। बैठक को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ छात्रनेता अमित दूबे व रूपेश चौबे ने कहा कि जनपद के हर तहसीलों में व्यापक भ्रष्टाचार है। जिससे आम जनता का आर्थिक शोषण हो रहा है। छात्रनेता विकास पाण्डेय व पूर्व अध्यक्ष नितेश यादव ने कहा कि अगर हर्षित दूबे व उनके साथियों पर से फर्जी मुकदमा वापस नहीं हुआ तो छात्र आन्दोलन करने के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर प्रवीण सिंह, विवेक ओझा, आदर्श मिश्रा, रितेश पाण्डेय, नवीन आशीष,

प्रकाश यादव, राघव यादव, सोनू चौबे, साजीद अली, प्रितम सिंह आदि रहे।अध्यक्षता जैनेन्द्र पाण्डेय मिन्टू व संचालन आलोक सिंह कुँवर ने किया।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डा. समीर सिंह ने आर एस पैलेस में कार्यकताओं को किया संबोधित, कहा

हर घर तिरंगा अभियान से भाजपा राष्ट्रवाद की जगाएगी अलख

♦ हर घर तिरंगा यात्रा के निमित्त कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं का किया मार्गदर्शन

केटी न्यूज / मऊ

गुरुवार को आर एस पैलेस मऊ में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डा०समीर सिंह ने भाजपा कार्यकताओं के साथ बैठक की तथा कहा की आगामी स्वतंत्रा दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान से लोगों में देश भावना जागृत करेंगे। इसके लिए 11 अगस्त से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कई वर्षों से पार्टी के कार्यकर्ता सभी देशवासियों से मिलकर देश भर में हर्षोल्लास के साथ राष्ट्र की एकता और अखंडता के संकल्प को प्रतिबद्धता के साथ हर घर तिरंगा यात्रा मनाते आ रहें है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से भाजपा राष्ट्रवाद की अलख जगाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 112वें संस्करण में हर घर तिरंगा अभियान से हर एक नागरिक को जोड़ने का आह्वान किया। प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कुछ वर्षों से देश में हर-घर तिरंगा अभियान के लिए सबका जोश हाई रहता है और गरीब हो या अमीर छोटा हो या बड़ा हर घर तिरंगा लगाकर अपने को गौरवान्वित महसूस करता है । 15 अगस्त पर तिरंगे से हर गांव और शहर पट जाता है ।चारों तरफ तिरंगा ही तिरंगा दीखने लगता है। तिरंगा के अभियान में हर देशवासी अपने को सम्मिलित कर गर्व महसूस करता है। 11, 12 व 13 अगस्त को हर विधानसभा में युवा मोर्चा के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। 12,14 अगस्त महापुरुषों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों के आस-पास स्वच्छता कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। 13,15 अगस्त महापुरुषों एवं भारत माता के वीर सपूतों की प्रतिमाओं एवं स्मारकों पर माल्यार्पण किया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर जिला संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी के बाद मौन जुलूस निकालेंगे। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल ने बताया की 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कार्यकर्ता सरकारी, अर्ध सरकारी शैक्षणिक संस्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सरकारी डाकघर के अलावा अन्य बिक्री केंद्रों पर रहेगी। सभी शक्ति केन्द्रों व बूथों पर राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता रहें ये सभी जिला पदाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नूपुर अग्रवाल ने तथा संचालन राधेश्याम सिंह ने किया।

इस अवसर पर विधायक रामविलास चौहान, श्रीराम सोनकर, विजय राजभर, मुन्ना दूबे, विजयनारायण शर्मा ,प्रवीण गुप्ता, अखिलेश तिवारी, राकेश मिश्रा, उत्पल राय ,अशोक सिंह, रामाश्रय मौर्य, संतोष सिंह, कृष्ण कांत राय ,प्रेमशंकर राय, महाप्रसाद गुप्ता ,बबलू ठठेरा, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर घर घर घूमकर तिरंगा फहराने को प्रेरित करेंगे भाजपाई

केटी न्यूज / चंदौली

भाजपा की बैठक गुरुवार को जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में हर घर तिरंगा तिरंगा यात्रा पर चर्चा की गई। मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी अनामिका चौधरी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान के लिए सभी में उत्साह रहता है। गरीब हो या अमीर हो, छोटा घर हो या बड़ा घर। हर कोई तिरंगा लहरा कर गर्व का अनुभव करता है। प्रत्येक बूथ के हर घर पर तिरंगा फहरे इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर लोगों को प्रेरित करेंगे। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष काशीनाथ सिंह ने कहा कि सभी मंडलों में आगामी 8 व 10 अगस्त को मंडल स्तर पर बैठक होनी है, जिसमें शक्ति केंद्र व बूथ तक अभियान की तैयारी को अंतिम रूप दिया जाएगा। 11, 12 व 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में युवा मोर्चा द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। 12 से 14 अगस्त के मध्य पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाओं को स्मारकों के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम में सर्वेश कुशवाहा, अभिमन्यु सिंह, सुजीत जायसवाल, जितेंद्र पांडेय आदि शामिल थे।

11 से 13 अगस्त को होगी तिरंगा यात्रा, युवा मोर्चा के कार्यकर्ता निकालेंगे बाइक रैली: सुशील त्रिपाठी

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर की सीहीपुर स्थित कार्यालय पर महत्वपूर्ण विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने किया जिसके मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री सुशील त्रिपाठी एव विशिष्ट अतिथि के रूप मे जिला प्रभारी अशोक चौरसिया रहे। सुशील त्रिपाठी ने कहा कि कई वर्षों से बड़े ही हर्षोल्लास के साथ राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के साथ संकल्प व प्रतिबद्धता के साथ स्वतंत्रता दिवस को हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करते चले आ रहे हैं हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम के 112वे संस्करण में कहा कि 15 अगस्त का दिन अब दूर नहीं है अब 15 अगस्त को घर-घर तिरंगा अभियान चला कर इस कार्य को पूर्ण करना पार्टी की प्राथमिकता है। पार्टी ने निर्णय लिया है कि 11, 12 व 13 अगस्त को प्रत्येक विधानसभा में तिरंगा यात्रा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बाइक रैली निकालेंगे। बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता स्थानीय नागरिकों के साथ मोटर साइकिल से हाथों में तिरंगा लेकर तिरंगा यात्रा निकलेंगे।

एक नजर

जमैथा निवासी बाल चित्रकार को मिला पीएम मोदी का पत्र, परिवार में खुशी का माहौल

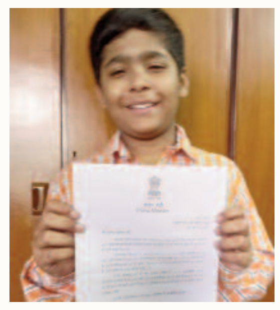

जौनपुर । जफराबाद /जमैथा के छोटे बच्चे कृष्णा शुक्ला को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रोत्साहन पत्र भेजा है इससे परिवार और परिजनों में खुशी का माहौल है । गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 16 मई को पीएम नरेंद्र मोदी जी नगर के तिलकधारी महाविद्यालय में प्रचार हेतु आए थे । उसी जनसभा में जमैथा बड़ा गांव निवासी सुधाकर शुक्ला के पुत्र कृष्णा शुक्ला पी एम का स्केच बना कर आगे खड़ा था । मोदी जी की नजर बच्चे पर गई और बच्चे की तारीफ करते हुए अपने सुरक्षा कर्मियों से पेंटिंग मगवाया और और कहा की तुम अच्छी पेंटिंग बनाते हो ।आगे चलकर अच्छे पेंटर बनोगे । और कहा था की तुम्हे पत्र भेजूंगा । ढाई महीने बाद डाक से पत्र मिलने पर परिवार में खुशी का माहौल है । कृष्णा शुक्ला की मां सैंट प्रैट्रिक्स स्कूल में शिक्षिका है । पिता सुधाकर शुक्ला राजा श्रीकृष्ण दत्त पीजी कालेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है । कृष्णा शुक्ला इस समय मुंबई के कैंब्रिज स्कूल से पढ़ाई कर रहा है । बच्चे की रुचि चित्रकला के साथ साथ क्रिकेट में भी है। इस अवसर पर शुभ चिंतकों व विभिन्न सामाजिक संगठन ने बधाई दिया है ।

गाजीपुर में बनाए गए 44 बाढ़ शरणालय

गाजीपुर। गंगा का जल स्तर 62.080 मीटर (समय 01.00 बजे) है। जनपद में कुल 44 बाढ़ शरणालय चिन्हित किए गये हैं। जिसमें तहसील सदर के अन्तर्गत श्रीनृसिंह सिंह दामोदर पूरी जू0हा0 दीनापुर, आर्दश बाढ़ शरणालय इण्टर कालेज करण्डा, आर्दश बाढ़ शरणालय इण्टर कालेल गोसन्देपुर, आर्दश बाढ़ शरणालय राममूरत महिला महाविद्यालय बड़सरा तहसील मुहम्मदाबाद के अन्तर्गत सेमरा प्राथमिक विद्यालय तहसील जमानियां के अन्तर्गत शिवपूजन इण्टर कालेज मलसा तहसील सैदपुर के अन्तर्गत जसवन्त राय स्मारक इण्टर कालेज गोरखा तहसील सेवराराई के अन्तर्गत नेहरू विद्यापीठ इण्टर कालेज रेवतीपुर क्रियाशील किये गये है। जल स्तर बढ़ने पर आवश्यकतानुसार और भी शरणालय क्रियाशील किया जायेगा। वर्तमान समय में बाढ़ के पानी से कोई भी तटवर्ती आबादी वाला गांव प्रभावित नही है। खतरा बिन्दु 63.105 मी0 के बाद आबादी प्रभावित होने की सम्भावना है। जनपद में क्रियाशील बाढ़ शरणालय तहसील सदर मे श्री नृसिंह दामोदर पूरी जू0हा0 दीनापुर ।(कम्पोजिट विद्यालय दीनापुर), नोडल अधिकारी का नाम अजय वर्मा, नायब तहसीलदार मो0नं0- 9415585033, इण्टर कालेज करण्डा, नोडल अधिकारी राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मो0नं0- 9452685599, इण्टर कालेज गोसन्देपुर, नोडल अधिकारी राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मो0 नं0- 9452685599, राममूरत महिला महाविद्यालय बड़सरा, नोडल अधिकारी अजय वर्मा, नायब तहसीलदार मो0नं0- 9415585033, तहसील मुहम्मदाबाद मे सेमरा प्राथमिक विद्यालय, नोडल अधिकारी विपिन चौरसिया, नायब तहसीलदार मो0नं0- 9773969919, तहसील जमानियॉ में शिवपूजन इण्टर कालेज, नोडल अधिकारी जितेन्द्र, नायब तहसीलदार मो0नं0- 6387111252, तहसील सैदपुर में जसवन्त राय स्मारक इ0का0 गोरखा, नोडल अधिकारी विजय कान्त पाण्डेय, नायब तहसीलदार मो0नं0- 9454417084, तहसील सेवराई में नेहरू विद्यापीठ इण्टर कालेज रेवतीपुर एवं नौली इण्टर कालेज, नोडल अधिकारी पंकज कुमार, नायब तहसीलदार मो0नं0- 7307962627 है। कन्ट्रोल रूम नं0- 0548, 2224041 एवं 9454417103 पर भी बाढ़ से सम्बन्धित सूचना दे सकते है।

डीएम ने विकासखंड परदहां एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

मऊ । जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने विकासखंड परदहां कार्यालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परदहां का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विकासखंड कार्यालय में दो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तीन कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जिला अधिकारी ने संबंधित खंड विकास अधिकारी एवं चिकित्सा अधीक्षक को इन कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही अनावश्यक रूप से अनुपस्थित पाए जाने पर आगे कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने परिसर में विशेष साफ सफाई एवं शासन द्वारा प्रदत्त

खबरें फटाफट

अभिभावकों ने प्रधानाचार्य को पीट कर किया घायल

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कठौरी गांव स्थित एक विद्यालय में टीसी कटाने को लेकर अभिभावकों ने प्रधानाचार्य को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने मौका मुआयना कर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। अलीनगर थाना क्षेत्र के कठौरी गांव स्थित आजाद इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुरेश यादव 50 वर्ष अपने विद्यालय के कार्यालय में बैठे हुए थे। इसी दौरान गांव के कुछ लोग आए और अपनी पुत्री का तत्काल टीसी मांगने लगे। प्रधानाचार्य ने एक दिन का समय मांगा, लेकिन यह अभिभावकों को नागवार गुजरा और प्रधानाचार्य को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अवस्था में इन्होंने थाने पहुंचकर पिता पुत्र के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटनास्थल पहुंचकर मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के सरेसर गांव के समीप ट्रेन से गिरने से यात्री की मौत हो गई ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। सोनभद्र के पन्नूगंज थाना अंतर्गत पोटाश गांव निवासी सुनील का 20 वर्षीय पुत्र अभिषेक अपने मामा के लड़के सुजीत को परीक्षा दिलाने बिहार के आरा गया था।

सीएम ने 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर का किया उद्घाटन

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का प्रतिफल है हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल: सीएम

- पवित्र हृदय से किया गया है यह कार्य, उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही रोगजार उपलब्ध कराने का माध्यम भी बनेगा हॉस्पिटल
- प्रदेश में बढ़ते निवेश पर सवाल उठाने वाले देख लें, पब्लिक डोमेन उपलब्ध है सारे निवेश की सूची, देश ने भी हमारे मॉडल को माना सफल

केटी न्यूज/ लखनऊ

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार द्वारा आयोजित इन्वस्टर्स समिट में हुए एमओयू अब धरातल पर उतरकर भविष्य की बेहतर तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। गोमतीनगर विस्तार के सेक्टर-4 वसंत खंड स्थित हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल व ट्रॉमा सेंटर इसका उदाहरण है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को इस 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल का बटन दबाकर लोकार्पण व शुभारंभ करते हुए ने कहा कि यह पवित्र हृदय से किया गया कार्य है। उन्होंने हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के निर्माण के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.संदीप कपूर और उनकी पूरी टीम को हृदय से बधाई हुए कहा कि यह गोमती नगर विस्तार के नागरिकों के लिए उपहार है। इस अवसर पर उन्होंने देश में पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों के साथ ही प्रदेश में निवेश, रोजगार और विकास की उन्नति पर प्रकाश डाला। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के दौरान ही हॉस्पिटल को लेकर एमओयू हुआ था और 200 करोड़ रुपए की लागत से रिकॉर्ड समय में इसका निर्माण कर इसे जनता के लिए समर्पित कर दिया गया है। इन्वेस्टर्स समिट के अन्तर्गत हेल्थ केयर इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नियत समय सीमा में पूर्ण होने वाला यह पहला प्राइवेट प्रोजेक्ट है।

कानून व्यवस्था सुधरी तो प्रदेश में निवेश ने फैलाया पंख

सीएम योगी ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती और इसमें भी सबसे ज्यादा युवा हैं। उन्हें विकास और रोजगार से जोड़ सकें इसके लिए सरकारी और निजी क्षेत्र में अवसरों को हम चिन्हित करके उन्हें विकसित कर रहे हैं। 2017 में भाजपा की सरकार बनने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया जिससे 6.5 लाख से ज्यादा युवाओं को हम नौकरी देने में सक्षम हुए। 2018 में इनवेस्टर समिट के माध्यम से प्रदेश में निवेश के द्वार भी खुल गए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले उत्तर प्रदेश को लेकर एक नकारात्मक स्थिति थी। नए निवेश आना तो दूर, जो निवेश यहां पहले से थे वह भी वाइंडअप करना चाहते थे। उत्तर प्रदेश में अपराध का बोलबाला था, न बेटी सुरक्षित थीं न व्यापारी। ऐसे में, हमने तब जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जिसे आज पूरा देश मॉडल के रूप में स्वीकार करता है। बेहतरीन कानून के राज के लिए यह कदम जरूरी थे और इसी के फलस्वरूप निवेश ने पंख फैलाने शुरू किए।

4 लाख करोड़ से 40 लाख करोड़ की निवेश यात्रा को बनाया संभव: सीएम योगी

उत्तर प्रदेश में बदले निवेश के परिदृष्य के बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब राज्य में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो मैने इन्वेस्टर समिट कराने के लिए सुझाव मांगे, तब मुझे बताया गया कि हम 20 हजार करोड़ का निवेश लेकर आएंगे जो प्रदेश के विकास के लिए नाकाफी होता। इसके बाद हमने प्रयास प्रारंभ किए जो अब अपना सकारात्मक रंग दिखा रहे हैं। पहले इनवेस्टर समिट में 4 लाख करोड़ के निवेश से शुरू हुई यात्रा आगे चलकर 40 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है। ये प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने के हमारे लक्ष्य का उदाहरण है। उन्होंने यह भी कहा कि निवेश के इन आंकड़ों को लोग फेक डाटा मानते थे, तो सूची जारी करके पब्लिक डोमेन में जारी किया। यह सफल मॉडल था। निवेश छोटा हो या बड़ा वह विकास का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि वह युवाओं को रोजगार से जोड़कर नया पंख देता है।

सेवा ही नहीं, आजीविका का माध्यम भी है हॉस्पिटल

सीएम योगी ने कहा कि हॉस्पिटल सेवा का माध्यम होने के साथ ही आजीविका का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी टीम को बधाई दूंगा कि ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट में जो इन्होंने एमओयू किया था वह आज साकार हो गया है। पिछले 10 वर्ष के अंदर देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत परिवर्तन हुआ। स्वास्थ्य की सेवा फ्री होनी चाहिए और इसी प्रेरणा से हमने 5 करोड़ 11 लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड के जरिए लाभान्वित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जनआरोग्य योजना से भी हमने लोगों को जोड़ा है। मुख्यमंत्री राहत कोष से हमने 1 लाख 88 हजार लोगों को सुविधा उपलब्ध कराई है। विवेकानंद पॉलीक्लीनिक से शुरू हुई यह यात्रा 300 बेडेड सुपर स्पेशेलिटी हॉस्पिटल के रूप में साकार हो गई है। हम ग्रीन कॉरीडोर सुविधा भी उपलब्ध करा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि मेरा आग्रह है कि इस अस्पताल में आयुष्मान भारत के लिए भी प्रावधान रखा जाए। इस योजना से हम व्यक्ति को 5 लाख रुपए तक की बीमा कवर उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हेल्थ सिटी विस्तार अस्पताल माध्यम से न केवल लखनऊ बल्कि आस-पास के सभी क्षेत्रों में हेल्थ सर्विसेस का लाभ मिलेगा। सीएम योगी बोले, उद्घाटन की पूर्णाहुति में बरसात भी हो रही जो पवित्र हृदय से किए गए कार्य को दर्शाती है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक योगेश शुक्ल, महापौर सुषमा खर्कवाल और हेल्थ सिटी विस्तार हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. संदीप कपूर, तीनों पार्टनर चिकित्सक डॉ संदीप गर्ग आदि उपस्थित थे।

चंदौली में मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना

चंदौली। सहायक निदेशक मत्स्य चंदौली रवीन्द्र प्रसाद ने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा नवीन योजना सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना को प्रारम्भ किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत मत्स्य बीज हैचरी संचालित करने वाले हैचरी स्वामी, निजी क्षेत्र एवं पट्टे पर आवंटित तालाब की महिला मत्स्य पालक जिनके पास तालाब की पटटा अवधि कम से कम 05 वर्ष अवशेष हो पात्र होंगे। पर योजनान्तर्गत 0.50 हेक्टेयर के तालाब में 2 हार्सपावर के एक क्वाड पैडिल व्हील एयरेटर एवं 1.00 हेक्टेयर या उससे बडे तालाब हेतु अधिकतम दो एयरेटर पर महिला मत्स्य पालक जिनके तालाब के वर्तमान मत्स्य उत्पादकता कम से कम 4 से 5 टन प्रति हेक्टेयर हो, उनकी उत्पादकता में वृध्दि हेतु अनुदान दिया जायेगा। योजना पूरी तरह से महिला मत्स्य पालकों के लिए संचालित की गई है। आनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल 05 अगस्त को खोला गया है। आवेदन करने की अन्तिम तिथि 19 अगस्त निर्धारित है। योजना हेतु आवेदक को इकाई लागत रूपया 0.75 लाख प्रति यूनिट पर सामान्य व अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं हेतु 50 प्रतिशत अनुदान एवं अनुसूचित जाति की महिलाओं को 60 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।

9 से 15 अगस्त तक विश्वविद्यालय में होंगे कई आयोजन

- हर घर तिरंगा- काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह के आयोजन पर हुई बैठक

केटी न्यूज / जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में हर घर तिरंगा एवं काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शताब्दी समारोह के आयोजन के संबंध में गुरुवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए 13 से 15 अगस्त के बीच 'हर घर तिरंगा' अभियान मनाया जाएगा। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के समस्त महाविद्यालय, सभी एन.एस.एस इकाइयां एवं रोवर्स रेंजर्स अपने अपने संस्थानों में इसकी जागरूकता के लिए व्यापक अभियान चलाएँ। इसका उद्देश्य प्रत्येक भारतीय के घर पर तिरंगा फहराकर देशभक्ति और एकता की भावना को सुदृढ़ करना है। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा एवं काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के अवसर पर शताब्दी समारोह का आयोजन पूरे देश में मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी यह अभियान विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमें अपने स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बलिदान की याद दिलाता है। हर घर तिरंगा के नोडल अधिकारी प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन 100 वीं वर्षगांठ 9 अगस्त को मनाई जा रही है। यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक अमिट हस्ताक्षर है जिसका एकमात्र उद्देश्य सशक्त क्रांति के माध्यम से औपनिवेशिक सत्ता को उखाड़ फेंकना और संघीय गणतंत्र संयुक्त राज्य भारत की स्थापना करना था। बैठक में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव को निर्देशित किया गया कि स्वयंसेवकों को प्रेरित कर इस अभियान को सफल बनाएं ।

फाइलेरिया से बचाव को लेकर 10 अगस्त से चलेगा सर्वजन दवा सेवन आईडीए अभियान

फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता जरूरी: डीएम

केटी न्यूज / चंदौली

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में सर्वजन दवा सेवन ट्रिपल ड्रग थेरेपी (आईडीए) अभियान को लेकर मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित हुई। इस दौरान जिलाधिकारी निखिल टी फुण्डे ने वर्चुअल बैठक के माध्यम से स्वास्थ्य समेत अन्य सहयोग विभागों से अभियान की तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही बेसिक शिक्षा अधिकारी, आईसीडीएस, आपूर्ति, पंचायती राज को निर्देशित किया कि अपना योगदान देकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि फाइलेरिया मुक्त जनपद बनाने लिए जन सहभागिता के साथ-साथ जागरूकता भी बेहद जरूरी है। अध्यक्षता करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. युगल किशोर राय ने कहा कि किसी भी संदेश को जनमानस तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से फाइलेरिया उन्मूलन हेतु ट्रिपल ड्रग थेरेपी आईडीए अभियान को लेकर मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कहा कि यह अभियान 10 अगस्त से 2 सितंबर तक जनपद के सात ब्लाकों क्रमशः चकिया, चंदौली, चहनिया, नियामताबाद, शाहबगंज, सकलडीहा एवं डीडीयू नगर के सभी 25 वार्डों में संचालित किया जाएगा।

यह अभियान तीन ब्लॉक नौगढ़, धानापुर और बरहनी में नहीं चलेगा। नौगढ़, धानापुर और बरहनी में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (10 अगस्त) के अंतर्गत एक वर्ष से 19 वर्ष तक बच्चों को पेट के कीड़ों (कृमि) से छुटकारा दिलाने के लिए एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई जाएगी। कहा कि आईडीए अभियान में जनपद के तहत जिले की करीब 15.67 लाख आबादी को फाइलेरिया से बचाव की दवा स्वास्थ्य टीम के सामने खिलाई जाएगी। दवा खिलाने के लिए कुल 1299 टीमें (दो सदस्यीय) गठित की गई हैं। टीमों के पर्यवेक्षण के लिए 216 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। ड्रग एडमिनिस्ट्रेटर व स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने समक्ष दवा खिलाएँगे। सभी दवाएं पूर्ण रूप से सुरक्षित हैं। यह दवाएं उम्र और ऊंचाई के अनुसार खिलाई जाएंगी। दवाएं खाली पेट नहीं खानी है। एक वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिला और अति गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं खानी है। इस मौके पर नोडल अधिकारी डा.हीरालाल, जिला मलेरिया अधिकारी पीके शुक्ला, सुधीर राय, सहायक मलेरिया अधिकारी राजीव सिंह, डा.मंजीत सिंह चौधरी, गुलशन आरा, मलेरिया रामज्ञान, दीप्ति शर्मा, सौम्या पाण्डेय, चन्द्रगुप्त मौजूद रहे।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

संपादकीय

बक्सर, 09 अगस्त 2024
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

आपकी प्रतिभा, आपको भगवान का दिया गया उपहार है

-लियो बुसकेजलिया

विनेश फोगाट का कुश्ती से संन्यास

भारत की दिग्गज मुक्केबाज और ओलंपिक मेडल विजेता विजेंद्र सिंह ने कहा है, कि भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट कुश्ती के दांव-पेंच जानती हैं। राजनीति और साजिश के दांव-पेंच वह नहीं जानती हैं। जिसके कारण ओलंपिक में जीत कर भी विनेश फोगाट हार गईं हैं। 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण उसे फाइनल में खेलने से रोक दिया गया। विनेश फोगाट को ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया। जबकि कुश्ती के 3 मैच लगातार जीतकर उसने फाइनल में जगह बनाई थी। जिस तरह से उसने तीनों मैच खेले थे। उसके बाद भारत में खुशी और हर्ष की लहर दौड़ गई थी। विनेश फोगाट स्वर्ण पदक लेकर भारत वापस लौटेगी। इसको लेकर देशभर में उत्सव शुरू हो गया था। यही खुशी और उत्सव विनेश फोगाट पर भारी पड़ गई। विनेश फोगाट ने जिस तरह से कुश्ती संघ के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से यौन शोषण के मामले मे उन्होंने लड़ाई लड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो जंतर-मंतर में प्रदर्शन भी किया। सरकार से उसको कोई मदद नहीं मिली। पास्को का अपराध दर्ज होने के बाद भी बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी नहीं हुई। नई लोकसभा का जिस दिन उद्घाटन हो रहा था। उस दिन उसे एवं अन्य पहलवानों को दिल्ली की सड़कों पर घसीटा गया। उसके बाद भी उसने लड़ना नहीं छोड़ा। कुश्ती संघ ने पूरी कोशिश की थी, विनेश फोगाट ओलंपिक खेलने नहीं जा पाएं। इसके बाद भी लड़ाकू विनेश फोगाट डटी रही। कुश्ती संघ और सरकार से लड़ती रही। 4 महीने पहले ही उसने कुश्ती संघ द्वारा जिस तरीके की साजिश उसके खिलाफ की जा रही थी, उसको लेकर ट्वीट किया था। मजबूरी के कारण खेल मंत्रालय और कुश्ती संघ को उसको पेरिस ओलंपिक भेजना पड़ा। जिस तरह से उसने तीन मैच जीते। उसको लेकर शायद कुश्ती संघ और सरकार असहज हो गई। फाइनल के पहले विनेश फोगाट को जिस तरह से ओलंपिक में अयोग्य घोषित किया गया है। अब उसके जांच की मांग की जा रही है। विनेश फोगाट के साथ कोच और सपोर्ट स्टाफ भी शामिल था। जब सभी को मालूम था, विनेश फोगाट को फाइनल खेलना है। उसके बाद भी जिस तरीके की लापरवाही की गई। उस लापरवाही को साजिश के रूप में देखा जा रहा है। दिनेश फोगाट का वजन तीन मैच खेलने के बाद 2 किलो करीब बढ़ गया था। उसके खाने-पीने और डाइट पर उसने नियंत्रण रखा था। पूरी रात वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज करती रही। जब सुबह उसका वजन लिया गया, तो 100 ग्राम ज्यादा था। वजन कम करने के लिए उसे निर्धारित समय नहीं दिया गया। विनेश फोगाट को केवल 15 मिनट का समय दिया गया था। जबकि ओलंपिक में 30 मिनट का समय तय है। भारत से जो अधिकारी पेरिस ओलंपिक में गए थे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी का पक्ष सही तरीके से ओलंपिक में नहीं रखा। जिसके कारण विनेश फोगाट को फाइनल नहीं खेलने दिया गया। उलटे उसे ओलंपिक से बाहर कर दिया। भारतीय खेल संघ के अधिकारी चुपचाप यह सारा तमाशा करते और देखते रहे। ओलंपिक में अयोग्ग हो जाने के कारण उसे जो मैच वह जीत चुकी थी। उसका पुरस्कार भी उसे नहीं मिलेगा। यदि वह फाइनल नहीं खेलती तो भी उसको नियमों के अनुसार रजत पदक तो मिलता ही। कुश्ती संघ के जो पदाधिकारी वहां गए थे। भारत की ओर से ओलंपिक के लिए जो अधिकारी पेरिस भेजे गए थे। उन सभी ने पूरी तरह से लापरवाही करते हुए विनेश फोगाट को रजत पदक और स्वर्ण पदक से दूर करने मे महत्ती भूमिका का निर्वाह किया है। यह आरोप उन पर लग रहे हैं। संसद में खेल मंत्री ने जिस तरह का जवाब दिया है, उसका भी विरोध देश भर में हो रहा है। विनेश फोगाट के ऊपर खर्च की गईं राशि का ब्योरा उन्होंने दिया। सदन में खिलाड़ी को मदद पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, खेल मंत्री के निराशाजनक जवाब की तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो रही है। विनेश फोगाट को ओलंपिक में जरूर कोई पदक नहीं मिल पाया।

चिंतन-मनन

व्यक्तिगत चेतना का विस्तार

दूसरों के सुख-दुख का भागी बनने से हमारी व्यक्तिगत चेतना विकसित होकर विश्व चेतना बन जाती है। समय के साथ जब ज्ञान की वृद्धि होती है, तब उदासीनता संभव नहीं। तुम्हारा आंतरिक स्रोत ही आनन्द है।अपने दुःख को दूर करने का उपाय है विश्व के दुख में भागीदार होना और अपनी खुशी को बढ़ाने का उपाय है विश्व के आनन्द में सहभागी होना। जब सभी लोग इस विचार से आएंगे कि वे समाज को अपना क्या योगदान दें, तो वह दैवी समाज होगा।हम सबको अपनी व्यक्तिगत चेतना को शिक्षित और शिष्ट करना है ताकि समय के साथ ज्ञान की वृद्धि हो, परिवर्तन आए। यदि ध्यान में तुम्हें गहन अनुभव न हो रहे हों तो और सेवा करो- ध्यान में अधिक गहराई आएगी।ध्यान तुम्हारी मुस्कान वापस लाता है। कई व्यक्ति सेवा करना छोड़ देते हैं जब वे अपनी छवि, प्रतिष्ठा, सम्मान, सुविधा और आराम को लक्ष्य की प्राप्ति से अधिक महत्व देने लगते हैं। कई बार लोग सेवा से कतराने लगते हैं, जब उन्हें कोई पद नहीं मिलता या जब वे अपमानित महसूस करते हैं। जब उन्हें अपेक्षानुसार कम मिलता है या जब वे लक्ष्य की प्राप्ति को चुनौती न समझकर संघर्ष समझते हैं। इसीलिए, संसार में कुछ ही लोग लक्ष्य तक पहुंचने में कामयाब होते हैं। जब ऐसा कुछ करना है जो तुम नहीं कर सकते, तब विश्राम नहीं कर सकते और तब भी विश्राम नहीं कर सकते जब लगता है कि तुम्हें वह बनना है जो तुम नहीं हो। ऐसा कुछ नहीं करना जो तुम नहीं कर सकते। तुमसे वह देने के लिए नहीं कहा जाएगा जो तुम नहीं दे सकते। जितना तुम कर सकते हो, केवल वही तुम्हारे हिस्से की सेवा है।यह समझ गहरा विश्राम देती है। यदि तुममें आकांक्षा या आलस्य है, तुम विश्राम नहीं कर सकते।दोनों ही गहरे विश्राम के विरुद्ध हैं। एक आलसी व्यक्ति रात भर करवटें बदलेगा, बेचैन रहेगा और एक आकांक्षी व्यक्ति अंदर ही अंदर जलेगा।गहन विश्राम तुम्हारी कलाओं और योग्यताओं को उभारता है और तुम्हें अपने स्वरूप के समीप लाता है।थोड़ा सा भी यह आभास कि ईश्वर तुम्हारे साथै है, गहरा विश्राम लाता है।प्रार्थना, प्रेम तथा ध्यान गहन विश्राम के विशिष्ट रस हैं।

जादुई संसार रचने वाली पुस्तकें सच्ची मित्र

- ललित गर्ग

इंसान की जिंदगी विचारों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। वैचारिक क्रांति एवं विचारों की जंग में पुस्तकें सबसे बड़ा हथियार है। जिसके लिए न तो कोई लाइसेंस लेना है, न ही इसके लिए किसी नियम-कायदे से गुजरना है, लेकिन यह हथियार जिसके पास हैं, वह जिंदगी की जंग हारेगा नहीं। जब लड़ाई वैचारिक हो तो किताबें हथियार का काम करती हैं। पुस्तक का इतिहास शानदार और परम्परा भव्य रही है। पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मार्गदर्शक हैं। पुस्तकें सिर्फ जानकारी और मनोरंजन ही नहीं देती बल्कि हमारे दिमाग को चुस्त-दुरुस्त रखती हैं। आज डिजिटलीकरण के समय भले ही पुस्तकों की उपादेयता एवं अस्तित्व पर प्रश्न उठ रहा हो लेकिन समाज में पुस्तकें हर दौर में प्रासंगिक बनी रहेगी। पुस्तके मनुष्य जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और पुस्तक-प्रेम के कारण ही प्रतिवर्ष 9 अगस्त को राष्ट्रीय पुस्तक प्रेमी दिवस मनाया जाता है, यह दिन उन लोगों के लिए है जो किताबों और पढ़ाई के बिना नहीं रह सकते। लोग किताबों से इसलिए प्यार करते हैं क्योंकि उनमें अपार संभावनाएं होती हैं। वे आपको कल्पना की एक नई दुनिया में ले जा सकती हैं। वे आपके जीवन की समस्याओं और बोझ से बचने और भावनाओं के गहन सागर में खो जाने का एक तरीका हैं। पुस्तक न केवल शिक्षा बल्कि जीवन-विकास का कभी न खत्म होने वाला स्रोत हैं। वे अतीत की यादें संजोकर रखती हैं क्योंकि पुस्तकें हमें अतीत से साक्षात्कार कराने का सशक्त माध्यम है। निश्चित ही किताबें जादुई होती हैं। पुस्तकें वैचारिक जंग के साथ-साथ जीवन-जंग को जीतने का सक्षम आधार है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने पुस्तकों के महत्व पर लिखा है कि तोप, तीर, तलवार में जो शक्ति नहीं होती, वह शक्ति पुस्तकों में रहती है। तलवार आदि के बल पर तो हम केवल दूसरों का शरीर ही जीत सकते हैं, किंतु मन को नहीं। लेकिन पुस्तकों की शक्ति के बल पर हम दूसरों के मन और हृदय को जीत सकते हैं। ऐसी जीत ही सच्ची और स्थायी हुआ करती है, केवल शरीर की जीत नहीं! रेडियो पर अपने मन की बात के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया। साथ ही उपहार में बुके नहीं बुक यानी किताब देने की बात कही। पुस्तक-संस्कृति को जनजीवन में प्रतिष्ठापित करने की दृष्टि से उनकी यह एक नयी प्रेरणा, झकझोरने एवं सार्थक दिशाओं की ओर अग्रसर करने की मुहिम बनी है। जिससे नया भारत निर्मित होगा एवं पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की। निश्चित ही इससे देश में संवेदनहीनता एवं संवादहीनता की खाई को भरा जा सकेगा। भारत सरकार द्वारा एक करोड़ का गांधी शांति पुरस्कार सौ साल से सनातन संस्कृति की संवाहक एवं पुस्तकों का सुन्दर संसार निर्मित करने के लिये गीता प्रेस, गोरखपुर को दिया गया था। 1800 पुस्तकों की अब तक 92 करोड़ से अधिक प्रतियां प्रकाशित करने वाले गीता प्रेस को इस पुरस्कार के लिये चुना जाना एक सराहनीय एवं सूझबूझभरा उपक्रम होने के साथ पुस्तक-प्रेम को बल देने का सराहनीय प्रयास है। क्योंकि गीता प्रेस की पुस्तकें भारतीय सनातनी घरों के जीवन का हिस्सा है। वस्तुतः पुस्तकें सचमुच हमारी मित्र हैं। वे अपना अमृतकोश सदा हम पर न्यौछावर करने को तैयार रहती हैं। उनमें छिपी अनुभव की बातें हमारा मार्गदर्शन करती हैं। हमारे मन में उठ रहे सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर जरिया कोई भी नहीं। तब भी जब हमारे आस-पास कोई नहीं है, हम अकेले हैं, उदास हैं, परेशान हैं, किताबें हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। पुस्तकों का महत्व एवं क्षेत्र सार्वकालिक, सार्वभौमिक एवं सार्वदैशिक है। जहां तक जीवन की पहुंच है, वहां तक पुस्तकों का क्षेत्र है। पुस्तकों की यही कसौटी बताई गयी है कि वे जीवन से उत्पन्न होकर सीधे मानव जीवन को प्रभावित करती है। पुस्तकों का आविष्कार उन भारी पत्थरों की जगह लेने के लिए किया गया था जहाँ मूल रूप से पाठ और चित्र उकेरे जाते थे, क्योंकि कई लोगों को उन्हें ले जाने में कठिनाई होती थी। पहली किताबें चर्मपत्र या बछड़े की खाल से बनी होती थीं और उनका कवर लकड़ी से बना होता था जिसे चमड़े में लपेटा जाता था। पहले के दिनों में किताबें बड़ी होती थीं और महंगे चमड़े से बंधी होती थीं। इसलिए, केवल अमीर लोग ही उन्हें खरीद सकते थे। उन्नीसवीं सदी के पहले भाग में औद्योगिक क्रांति के साथ और प्रिंटिंग प्रेस, पल्प पेपर मिलों और मैकेनिकल टाइपसेटिंग की व्यापक उपलब्धता के साथ, सस्ती पेपरबैक किताबें प्रकाशित और वितरित की जाने लगीं। इस प्रकार, यह न केवल आम लोगों के लिए सस्ती थी, बल्कि इसे ले जाना भी आसान था। पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। पुस्तकें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में पुस्तकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये पुस्तकें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम पुस्तकें ही करवाती हैं। शायद ये पुस्तकें ही हैं जिन्हें पढ़कर स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, आचार्य तुलसी एवं नरेन्द्र मोदी दुनिया की एक महाशक्ति बने हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही है, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाया या बनाना चाहते हैं, इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है, जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे, बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा। पुस्तकों से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है। लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढूंगा। यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है, जो उसका पारायण करता है। अमरीकी राष्ट्रपति अब्राहिम लिंकन कहते थे, मेरा सबसे अच्छा मित्र वह है जो मुझे ऐसी किताब दे, जो मैंने पढ़ी न हो। भले ही आज के इंटरनैट फ्रैंडली वर्ल्ड में सीखने के लिए सब कुछ इंटरनैट पर मौजूद है लेकिन इन सब के बावजूद जीवन में पुस्तकों का महत्व आज भी बरकरार है क्योंकि पुस्तकें बचपन से लेकर बुढ़ापे तक हमारे सच्चे दोस्त का हर फर्ज अदा करती आई हैं। उन्नत एवं सफल जीवन के लिये पुस्तकों के पठन-पाठन की संस्कृति को जीवंत करना वर्तमान समय की बड़ी जरूरत है। क्योंकि पुस्तकों में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ समाज की संरचना करती है। पुस्तकें समाज एवं राष्ट्र रूपी शरीर की मस्तिष्क होती है, जिनसे हमारी रूचि जागे, आध्यात्मिक एवं मानसिक तृप्ति मिले, हममें शक्ति एवं गति पैदा हो, हमारा सौन्दर्यप्रेम एवं स्वाधीनता का भाव जागृत हो, जीवन की सच्चाइयों का प्रकाश उपलब्ध हो, जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाइयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता उत्पन्न करें।

जब हिल गयी थी ब्रिटिश सरकार

- रमेश सर्राफ धमोरा

9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरूआत की थी। उस समय दूसरे विश्व युद्ध में उलझे इंग्लैंड को भारत में ऐसे आंदोलन की उम्मीद नहीं थी। पूरी ब्रिटिश हुकूमत इससे हिल गई थी। 1857 के बाद देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में 1942 का ये आंदोलन सबसे विशाल और सबसे तीव्र आंदोलन साबित हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। 6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अंग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया। अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस आंदोलन के उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी थी। इस आंदोलन से सारा देश मानो हिल गया था। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जन-जागृति उत्पन्न की थी। इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ। हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रग-रग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन को 80 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे।

शिवपूजन सहाय की पत्रकारिता

- कुमार कृष्णन

बिहार की भूमि पर पत्रकारिता का आगाज शिवपूजन सहाय ने भागलपुर सुल्तानगंज से प्रकाशितगंगा का संपादन कर किया। सन् 1930 में बनैली राज्याधीश कुमार कृष्णानन्द सिंह ने सुलतानगंज से गंगा नामक उच्च कोटि की मासिक पत्रिका प्रकाशित की।इसके मुख्य संपादक आचार्य शिवपूजन सहाय थे। बाद में साहित्याचार्य मग भी इसके संपादक-मण्डल में आ गये थे। कुछ समय के लिए पंडित राहुल सांकृत्यायन ने भी इसके संपादन भी योगदान दिया था।बिहार में हिंदी का प्रथम उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र गंगा था, जिसको शिवपूजन सहाय ने अपनी कलम के स्पर्श से ऐसा चमकाया कि वह हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में अजर-अमर हो गया। हिंदी में इस प्रकार का पत्र पहले कभी नहीं निकला। इस प्रकार गंगा को भी उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र बनाने में शिवजी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। हिन्दी की अन्य मासिक पत्रिकाओं के संचालक प्रायः प्रसिद्ध प्रकाशक थे; इसलिए उनके प्रकाशन से उनकी पत्रिकाओं को प्रखंड आदि यों ही, या कहीं कहीं सुलभ मूल्य में मिल जाते थे। गंगा के लिए तो यह सुविधा भी नहीं थी। (गंगा, मासिक, प्रवाह 3, तरंग 15, मई सन 1933 ईस्वी, पृष्ठ 718; हिंदी साहित्य और बिहार, तृतीय खण्ड, पृष्ठ 134) समय-समय पर इसके वेदांक, गंगांक, विज्ञानांक, पुरातत्वांक, चरितांक आदि कई विशेषांक निकले। गंगा के विशेषांकों पर संचालक को काफी व्यय करना पड़ता था, क्योंकि हिन्दी में बिल्कुल नये विषयों पर निकाले जाते थे। अकेले पुरातत्वांक निकालने में लगभग चार हजार रुपये खर्च हुए थे। फिर भी गंगा के प्रधान संरक्षक और अध्यक्ष महोदयों का उत्साह कम नहीं हुआ; क्योंकि उनका लक्ष्य गंगा के द्वारा अर्थोपार्जन नहीं; केवल हिन्दी की सेवा थी। बनैली राज के अधीश्वर कृत्यानन्द सिंह ने अंगरेजी में पूर्णिया-ए शिकार लैंड नामक एक पुस्तक की रचना की थी, जिसका हिन्दी अनुवाद श्रीलक्ष्मीनारायण सुधांशु ने गंगा में प्रकाशित कराया था।गंगा एक अल्पजीवी पत्रिका थी। महाकवि जयशंकर प्रसाद के कई बार अनुरोध करने पर शिवपूजन सहाय अक्टूबर 1930 में गंगा के संपादक होकर सुल्तानगंज, जिला-भागलपुर आए। गंगा में नियमित रूप से प्रकाशित करने के लिए चारूचयन, वैज्ञानिक चमत्कार, विनोद-बिन्दु, सामयिक साहित्य, संपादकीय विवेचन आदि शीर्षक चुने गए। इनमें विभिन्न नामों से विनोद बिंदु और सामयिक साहित्य शिवपूजन सहाय ही लिखते थे। इसके प्रत्येक अंक में कार्टून भी दिए जाते थे, जिसका मसाला वे ही चित्रकार को बताते थे। नवंबर 1930 ई. में गंगांक का प्रथम अंक निकला और 6 महीनों के बाद ही 3 मई, 1931 को गंगांक निकला। शिवजी की अनवरत चेष्टा, परिश्रम और लिखा-पढ़ी के कारण हिंदी और संस्कृत के दिग्गज विद्वज्जनों के लेखों से अलंकृत गंगा प्रकाशित हुआ। साहित्यिक, वैज्ञानिक, धार्मिक, पौराणिक, सामाजिक, भौगोलिक आदि दृष्टियों से हिंदी संसार में इस गंगांक का आशातीत स्वागत हुआ। गंगा को बिहार की सर्वश्रेष्ठ मासिक पत्रिका बनाने में शिवजी ने कुछ उठा नहीं रखा। गंगा, गौ और गायत्री पर शिवजी की अपार श्रद्धा थी। गंगा नाम उन्हें बेहद पसंद था। हिंदी पत्रकारिता में गंगा और गंगांक (विशेषांक) का प्रकाशन एक नया अध्याय जोड़ता है। इससे पता चलता है कि हिंदी की पत्र संपादन-कला कितनी तेजी से प्रगति के सोपानों को पार करती जा रही थी। संपादन-कला के इस कमाल के लिए शिवजी सदा याद किए जायेंगे।

आज का राशिफल

मेष आज दिन लाभ से भरा होगा और आपके लिए कार्यक्षेत्र में कुछ ऐसे परिवर्तन हो सकते हैं।

तुला आपको शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त होने के योग हैं।

वृषभ आज करियर के मामले में लाभ का दिन है और आपका दिन सम्मान के साथ बीतेगा।

वृश्चिक आपकी योजनाएं सफल होंगी। पक्ष मजबूत होकर आपको धन, सम्मान की प्राप्ति होगी।

मिथुन उच्चाधिकारियों की कृपा से आपको प्रमोशन और वेतन वृद्धि का लाभ मिल सकता है।

धनु आज धन लाभ का दिन है। साथ ही गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्च होगा।

कर्क आपको अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से आपके मन में काफी संतोष रहेगा।

मकर दिन भाग्यशाली है और आज आपको कारोबार में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा।

सिंह आज करियर के मामले में लाभ होगा। राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

कुंभ करियर के मामले में लाभ होगा और आपके लिए भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है।

कन्या लाभ होगा और आपका दिन सम्मान के साथ बीतेगा। पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी।

मीन लाभ होगा और आपका पूरा दिन आनंद में बीतेगा। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से काफी खुशी होगी।

विशेष

शेख हसीना का हश्र और भारत

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 2009 से प्रधानमंत्री पद पर बनी हुई थी। 2014 के बाद से उनके रोल मॉडल भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हो गए थे। गुजरात के ठेकेदार बांग्लादेश जाकर धंधा कर रहे थे। भारत में जो मोदी जी करते थे। वही बांग्लादेश में शेख हसीना करने लगी थी। विरोधियों को जेल में बंद कर दिया था। विरोधियों को जेल में बंद करके चुनाव करा लिया था। परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे थे। बेरोजगारी बढ़ रही थी। लेकिन शेख हसीना पूर्ण बहुमत की प्रधानमंत्री बनी हुई थी। आंदोलनकारियों को गद्दार बोल रही थी। आर्थिक विकास तो हो रहा था। लेकिन गरीबों की गरीबी और बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही थी। जनता जब सड़कों पर आती है। तब सारी शक्ति ऐसे ही चली जाती है। तानाशाह को देश छोड़कर भागना ही पड़ता है। यह तानाशाही का इतिहास है। रेडीमेड कपड़े के निर्यात व्यवसाय में बांग्लादेश ने आर्थिक प्रगति की। शेख हसीना 5 साल में वह बहुत लोकप्रिय हो गई। जिसके कारण उनमें अहंकार आ गया। 2014 के बाद से यह अहंकार बढ़ने लगा। 2019 के बाद तो चरम पर आ गया। अघोषित आपातकाल, तानाशाही, जोर जबरदस्ती, भ्रष्टाचार, विपक्षियों को जेल भेजना, मनमाने तरीके से चुनाव कराना, विरोधियों और आंदोलनकारियों को गद्दार बताना भारी पड़ा। अति सर्वत्र वर्जयते का पाठ हसीना भूल गई थी। जब वह अति करने लगी, तो बंग्लादेश की वानर सेना ने उन्हें ठिकाने लगा दिया। भारत मे 1975 के आंदोलन की शुरूआत वानर सेना ने की थी। जिसके कारण इंदिरा जी को आपातकाल लगाकर कानून व्यवस्था की स्थिति को बरकरार रखना पड़ा था।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1675: फ्रांस में दूसरा गृहयुद्ध भड़का था. 1683: ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में युद्ध और शांति की घोषणा करने का अधिकार मिला. 1788: गुलाम कादिर ने दिल्ली के शासक शाह आलम ट्विवतीय की आंखें अपने खंजर से फोड़ दी. 1792: पेरिस में क्रांतिकारी कम्यून की स्थापना हुई थी. 1925: हिन्दूस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने लखनऊ के पास काकोरी में सरकारी खजाना लूट लिया. 1942: अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ. 1945: अमरीका ने जापान के नागासाकी शहर पर परमाणु बम गिराया. 1960: लाओस में सैनिक क्रांति हुई. 1964: राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम का निर्देश दिया. 1970: प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तैलोक्यनाथ चक्रवर्ती का निधन. 1971: भारत सोवियत संघ के बीच 20 वर्षीय शांति मैत्री और सहयोग संधि हुई थी.

दैनिक पंचांग

9 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.10 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	08.22 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.33 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.48 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.04 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.09 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.55 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.28 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.59 बजे से
राहुकाल		वृष	23.39 बजे से
10.30 से		मिथुन	01.37 बजे से
12.00 बजे तक		कर्क	03.50 बजे से

शुक्रवार 2024 वर्ष का 222 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला **तिथि** पंचमी 03.15 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 02.45 बजे रात्र को समाप्त। **योग** सिद्ध 13.45 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.56 बजे तदनन्तर बालव 03.15 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 46' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872066 **जूलियन दिन** 2460531.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** सफर **तारीख** 04 **विशेष** नागपंचमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

नाग पंचमी कब है? शुभ मुहूर्त-पूजा विधि और इस दिन का महत्व

सावन मास का विशेष महत्व है. नाग पंचमी सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन मनाई जाती है. इस बार सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 09 अगस्त दिन शुक्रवार को है. इस दिन नाग देवता की उपासना करने का विधान है और ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है.

नाग पंचमी पूजा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, इस साल सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 9 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार को है. इस खास मौके पर नाग देवता की पूजा-अर्चना की जाती है. नाग पंचमी तिथि की शुरुआत 9 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार की सुबह 8 बजकर 15 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 10 अगस्त की सुबह 6 बजकर 09 मिनट पंचमी तिथि समाप्त हो जाएगी. नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त पूरे दिन रहेगा. हालांकि विशेष पूजा के लिए 9 अगस्त की दोपहर 12 बजकर 13 मिनट से 1 बजे तक का समय शुभ रहेगा, इसके अलावा 9 अगस्त को प्रदोष काल में शाम 6 बजकर 33 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 20 बजे तक नाग देवता की पूजा कर सकते हैं.

नाग पंचमी पर इन नागों की होती है पूजा

नाग पंचमी की शुभ अवसर पर अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबल, कर्कोटक, अश्वतर, धृतराष्ट्र, शंखपाल, कालिया, तक्षक और पिङ्गल नाग की पूजा का विधान है. इस विशेष दिन पर नाग को दूध पिलाया जाता है, इसके अलावा नाग देवता को दूध और धान का लावा चढ़ाने का विशेष महत्व है.

नाग पंचमी के दिन कैसे करें नाग देवता की पूजा

- नाग पंचमी के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करें.
- इसके बाद भगवान शिव के साथ-साथ नाग देवता की पूजा करें.
- नाग देवता को जल, अक्षत, नैवेद्य, पुष्प, दही, फल, फूल, मिठाई और दूध अर्पित करें.
- इसके बाद नाग देवता को दूध और धान का लावा चढ़ाए.

कुंडली में अगर कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो जरूर करें नाग देवता की पूजा...

नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है।

हिंदू धर्म में नाग पंचमी सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है। मान्यताओं के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए। नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है। नाग पंचमी श्रावण मास के शुक्ल पक्ष में मनाई जाती है। इस बार नाग पंचमी 09 अगस्त 2024 को मनाई जाएगी। नाग पंचमी का एक ऐसा त्योहार जो देशभर के लगभग सभी राज्यों में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। मान्यताओं के अनुसार नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक शक्ति, मनोवांछित फल और अपार धन की प्राप्ति होती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी का त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि को मनाया जाता है। इस साल ये तारीख 09 अगस्त 2024 को है। पंचमी तिथि की शुरुआत 9 अगस्त को मध्य रात्रि 12.36 से 10 अगस्त प्रात: 03.14 पर समाप्त होगी।

नाग पंचमी पूजा मुहूर्त

नाग पंचमी की पूजा मुहूर्त की बात की जाए तो इस साल के श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचम तिथि यानी 09 अगस्त 2024 को सुबह 05.47 से 08.26 तक रहेगा। कुल मिलाकर 2 घंटे 39 मिनट के लिए पूजा का मुहूर्त है।

नाग पंचमी पूजा विधि

नाग पंचमी के दिन सबसे पहले सुबह सूर्योदय से पहले उठकर नित्य कर्मों से मुक्त हो लें, फिर स्नान करें। इसके बाद शिव जी के साथ-साथ नाग देवता की पूजा करें। नाग देवता की पूजा में फल, फूल, मिठाई और दूध अर्पित करें। मान्यताओं के अनुसार जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष या फिर राहु-केतु से संबंधित कोई दोष हो तो नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा जरूर करनी चाहिए। नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ नाग देवताओं की पूजा की जाती है और वे हैं वासुकि, ऐरावत, मणिभद्र, कालिया, धनंजय, तक्षक, कर्कोटकस्य और धृतराष्ट्र। इनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और सर्प भय से मुक्ति मिलती है।

नाग पंचमी क्यों मनाते हैं?

नाग पंचमी मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है। कथा के मुताबिक, महाभारत युद्ध के बाद पांडवों ने अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को राजा बना दिया और खुद स्वर्ग की यात्रा पर निकल गए थे। पांडवों के बाद धरती पर कलियुग का आगमन हो गया था। राजा परीक्षित की मृत्यु नाग देव के डंसने से हुई थी। परीक्षित का पुत्र जनमेजय बड़ा हुआ तो उसने अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए पृथ्वी के सभी नागों को मारने के लिए नाग दाह यज्ञ किया। इस यज्ञ में पूरी पृथ्वी के नाग आकर जलने लगे। जब ये बात आस्तिक मुनि को मालूम हुई तो वे तुरंत राजा जनमेजय के पास पहुंचे। आस्तिक मुनि ने राजा जनमेजय को समाझाया और ये यज्ञ रुकवाया। जिस दिन ये घटना घटी, उस दिन सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी थी। उस दिन आस्तिक मुनि के कारण नागों की रक्षा हो गई। इसके बाद से नाग पंचमी पर्व मनाने की शुरूआत हुई। यज्ञ की आग को ठंडा करने के लिए आस्तिक मुनि ने उसमें दूध डाल दिया था। इस मान्यता की वजह से नाग पंचमी पर नाग देव को दूध चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई है।

ऐसे कर सकते हैं नाग देव की पूजा

नाग पंचमी पर नाग अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबल, शंखपाल, कालिया, तक्षक का ध्यान करते हुए नाग प्रतिमा की पूजा करनी चाहिए। अगर नागदेव की प्रतिमा न हो तो शिवलिंग पर स्थापित नागदेव की पूजा कर सकते हैं। नागदेव को जल, दूध चढ़ाने के बाद हल्दी, रोली, चावल और फूल चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर पूजा करें। मिठाई का भोग लगाएं। नाग देवता की कथा पढ़ें-सुनें। इस दिन शिव जी की भी पूजा जरूर करें।

नाग पंचमी का महत्व

सावन का महीना वर्षा ऋतु का होता है और इस माह में सांप भू गर्भ से निकलकर भू तल पर आ जाते हैं। नाग निकलकर किसी को भी आहत ना कर दें, इसलिए नाग पचंमी का पूजा अर्चना की जाती है। बिहार, बंगाल आदि क्षेत्रों में कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व पूरे श्रद्धाभाव से मनाया जाता है। शास्त्रों व पुराणों में बताया गया है कि पंचमी तिथि के स्वामी स्वयं नागदेव हैं और इन दिनों सांपों की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी और घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इस दिन नाग देवताओं की पूजा करने से कुंडली में मौजूद राहु व केतु से संबंधित दोषों से मुक्ति मिलती है और कालसर्प दोष की पूजा भी करवाई जाती है। पंचमी के दिन इनकी पूजा करने से सभी तरह की रुकावट दूर रहती हैं और मनुष्य को सांपों के भय से मुक्ति भी मिलती है। पुराणों में बताया गया है कि नाग देवता पाताल के स्वामी हैं इसलिए नाग पंचमी या किसी भी अन्य पंचमी के दिन व्यक्ति को भूमि की खुदाई करने से बचना चाहिए।

नाग पंचमी पूजा विधि

- नाग पंचमी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत होकर शिवालय में पूजा अर्चना करें और फिर व्रत का संकल्प लें।
- इसके बाद घर के मेन गेट, घर के मंदिर और रसोई के बाहर के दरवाजे के दोनों तरफ खड़िया से पुताई करें और कोयले से नाग देवताओं के चिन्ह बनाएं।
- आजकल नाग देवताओं की फोटो बाजारों में भी मिल जाती है, आप उनका भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके बाद पूजा अर्चना करें और दूध अर्पित करें।
- घर के नाग देवताओं की पूजा करने के बाद खेतों या फिर ऐसे स्थान पर दूध का कटोरा रख दें, जहां सांपों के आने की संभावना हो।
- नाग देवता की पूजा पूजा में सेवई और चावल बनाएंगे। फिर ना देवताओं की दूध और जल से स्नान करवाएं और धूप, दीप नैवेद्य अर्पित करें।
- इसके बाद सच्चे मन से नाग देवताओं का ध्यान करें और फिर आरती करें। आरती करने के बाद नाग पंचमी की कथा का पाठ भी करें।

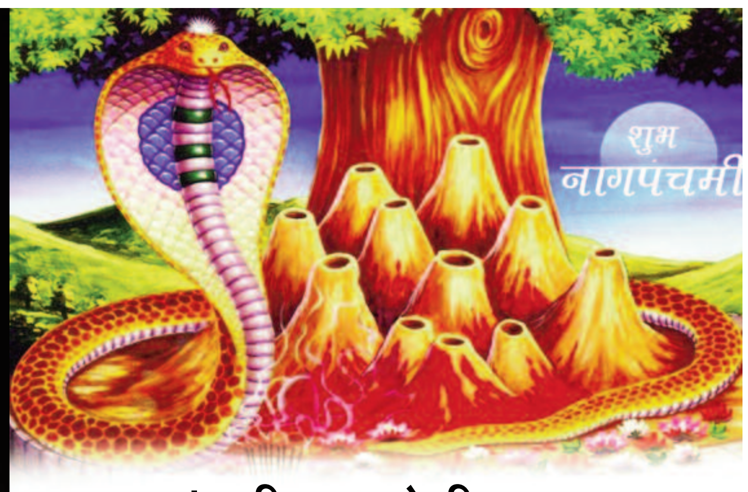

नाग पंचमी पर रोटी बनाना राहु को आमंत्रण देना है, जानिये और किन अवसरों पर रोटी बनाना वर्जित माना गया है

9 अगस्त 2024 को नाग पंचमी है। इस दिन लोग पौराणिक कथाओं में वर्णित आठ शक्तिशाली नागों की विशेष पूजा करते हैं, ताकि सांपों की पूजा करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति हो और घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे। लेकिन इस दिन कुछ कार्यों को करने की मनाही भी रहती है और जिसमें से एक है इस दिन रोटी ना बनाना।

हिन्दू धर्म में पर्व बहुत धूमधाम से मनाये जाते हैं लेकिन उसके साथ शास्त्रों में कुछ नियम भी बताये जाते हैं जो अशुभता का प्रतीक होते हैं और उस दिन करने से मना किया जाता है। नाग पंचमी के दिन कुछ काम हैं, जिसे वर्जित माना जाता है, जैसे कि इस दिन जमीन की खुदाई, सिलाई-कढ़ाई और नुकीली चीजों का इस्तेमाल करना मना किया जाता है। सर्प जमीन में रहते हैं और जमीन की खुदाई या हल चलाने से उन्हें नुकसान पहुँच सकता है। शास्त्रों के अनुसार, नाग पंचमी के दिन तवे का या किसी भी लोहे की चीज का इस्तेमाल करना शुभ नहीं माना जाता है क्योंकि तवा सांप के फन का प्रतिरूप होता है। ऐसे में तवा को चूल्हे पर रखना अशुभ माना जाता है। तवा को राहु का प्रतीक भी माना जाता है और इस दिन तवा पर रोटी बनाने से आपके जीवन में राहु का प्रभाव बढ़ जाता है। वैसे, इस दिन नाग की पूजा करने से राहु-केतु के प्रभाव और कालसर्प दोष से राहत मिलती है लेकिन अगर आप रोटी बनाते हैं, तो नाग देवता आपसे नाराज हो सकते हैं और परिवार पर आर्थिक संकट जैसे बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं। इस दिन पूरी और हलवा खाना अच्छा माना जाता है।

हिन्दू धर्म में और किन अवसरों पर रोटी नहीं बनाना चाहिए

नाग पंचमी के अतिरिक्त भी कुछ ऐसे अवसर या त्योहार हैं, जिस दिन रोटी बनाना वर्जित माना गया है। जैसे कि, शीतला अष्टमी के अवसर पर घर पर ताजी रोटियां बनाने से बचना चाहिए क्योंकि इस दिन शीतला माता को बासी भोजन का भोग लगाने की परंपरा है। देवी को भोग लगाने के बाद बासी भोजन ही खाना चाहिए। इसके अलावा शरद पूर्णिमा के दिन घर में रोटी बनाना भी अशुभ होता है। शरद पूर्णिमा के दिन धन की देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन खीर-पूरी बनाने का विधान है। मान्यता है कि इस दिन शाम के समय खीर बनाकर चांद की रोशनी में रखा जाता है और अगली सुबह प्रसाद के रूप में इसका सेवन किया जाता है।

इसके अलावा दीवाली पर भी रोटी बनाना अशुभ का है क्योंकि इस दिन हिंदू देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। इसलिए इस दिन खास खाद्य पदार्थ बनाने की परंपरा है। इस दिन रोटी बनाने से माँ लक्ष्मी के साथ-साथ अन्नपूर्णा देवी भी रुष्ट हो जाती हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, अगर किसी घर में किसी परिजन की मृत्यु हो जाती है, तो घर में रोटी नहीं बनानी चाहिए और ना ही चूल्हा जलाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि तेरहवीं के शोक की रस्म के बाद ही घर में रोटियां बनानी चाहिए।

नाग पंचमी पर बन रहे हैं ये अद्भुत संयोग इन राशि वालों की चमकेगी किस्मत!

हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी पर्व मनाते है. इस दिन शिव मंदिरों में पूजा के साथ नाग देवता के पूजन का विधान है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन के सारे कष्ट और संकट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख, शांति व समृद्धि आती है.

नागपंचमी पर बनने वाले यह योग इन 4 राशियों के लिए लाभदायक रहेंगे. वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल 09 अगस्त को नाग पंचमी का पर्व मनाया जायेगा. इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06.01 मिनट से लेकर 08.37 मिनट तक रहेगा. इस दौरान भोलेनाथ के साथ नाग देवता की पूजा की जा सकती है. इस दिन ग्रहों का अद्भुत संयोग भी बन रहा है. इस बार सिद्ध और साध्य योग में नाग पंचमी का पर्व मनाया जाएगा. इस समय में भगवान भोलेनाथ और नाग देवता के पूजा से रोगों से भी मुक्ति मिलेगी. नागपंचमी पर इन राशियों के लिए लाभदायक रहेगा यह योग

मेष राशि – इस साल की नागपंचमी मेष राशि के जातकों के लिए बेहद शुभ रहेगी. इन राशि के जातकों की ग्रह स्थिति मजबूत रहेगी और भाग्य का इन्हें पूरा साथ मिलेगा. अगर व्यापार में नए कार्य के लिए मेहनत कर रहे हैं तो आपकी मेहनत सफल होगी. अगर लंबे समय से कोई बीमारी परेशान कर रहा है तो उससे भी छुटकारा मिलेगा.

कर्क राशि– नागपंचमी कर्क राशि के जातकों के लिए बहुत फलदायक रहेगी. कर्क राशि वालों को अपने कार्य में सफलता मिलेगी. किसी अनुभवी व्यक्ति से भी आपकी मुलाकात हो सकती है, जिनका अनुभव आपके करियर को तरक्की देने के काम आएगा. वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा.

सिंह राशि – सिंह राशि वाले लोगों को नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है. लंबे समय से चला आ रहा मानसिक तनाव भी दूर हो जाएगा. कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी.

कुंभ राशि– कुंभ राशि वालों को व्यापार में लाभ और कर्ज से से छुटकारा मिल सकता है. विदेश में नौकरी के नए अवसर भी मिल सकते हैं.

भगवान श्रीकृष्ण का क्या संबंध है इस त्योहार से

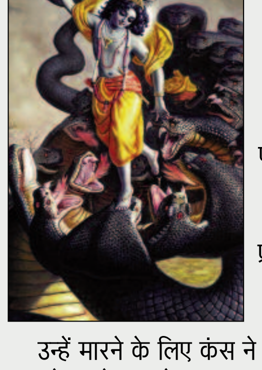

नाग पंचमी एक संवेदनशील पर्व है। नाग जहां भगवान शिव के गले के हार हैं। वहीं भगवान विष्णु की शैय्या भी। लोकजीवन में भी लोगों का नागों से गहरा नाता है। कई पवित्र कारणों से नाग की देवता के रूप में पूजा की जाती है। नाग पंचमी की पूजा का एक प्रसंग भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा हुआ है। बालकृष्ण जब अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उन्हें मारने के लिए कंस ने कालिया नामक नाग को भेजा। पहले उसने गांव में आतंक मचाया। लोग भयभीत रहने लगे। एक दिन जब श्री कृष्ण अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उनकी गेंद नदी में गिर गई। जब वे उसे लाने के लिए नदी में उतरे तो कालिया ने उन पर आक्रमण कर दिया फिर क्या था कालिया की जान पर बन आई। भगवान श्री कृष्ण से माफी मांगते हुए गांव वालों को हानि न पंहुचाने का वचन देकर नागदेव वहां से चले गए। कालिया नाग पर श्री कृष्ण की विजय को भी नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

40 पैसे से 1700 रुपये के पार पहुंचे कूलर कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। कूलर बनाने में महारत रखने वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सिम्फनी लिमिटेड के शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। सिम्फनी के शेयर गुरुवार को 15 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 1747.65 रुपये पर जा पहुंचे हैं। तीन दिन में कंपनी के शेयरों में 40 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। सिम्फनी के शेयरों में यह तेज उछाल शेयर बायबैक के ऐलान के बाद आया है। कंपनी 100 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम पर अपने शेयर वापस खरीद रही है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 820.10 रुपये है।

40 पैसे से 1700 रुपये के पार पहुंचे हैं सिम्फनी के शेयर- कूलर कंपनी सिम्फनी के शेयरों ने पिछले कुछ साल में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 17 सितंबर 2004 को 40 पैसे पर थे। सिम्फनी के शेयर 8 अगस्त 2024 को 1747.65 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले 20 साल में 400000 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। पिछले 5 महीने में सिम्फनी के शेयरों में 100 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 7 मार्च 2024 को 882.65 रुपये पर थे, जो कि 8 अगस्त 2024 को 1747.65 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

सिम्फनी लिमिटेड ने मंगलवार को शेयर बायबैक करने की घोषणा की है। कंपनी ने 2.85 लाख शेयरों के बायबैक को मंजूरी दी है। कंपनी 2500 रुपये प्रति शेयर के दाम पर अपने शेयर वापस खरीद रही है। कंपनी के शेयर सोमवार को 1229.10 रुपये पर बंद हुए थे। यानी, कंपनी करीब 103 पर्सेंट के प्रीमियम पर शेयर बायबैक कर रही है।

करीब 4 गुना बढ़ा है कंपनी का मुनाफा- सिम्फनी को चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 88 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। कंपनी का मुनाफा करीब 4 गुना बढ़ा है। सिम्फनी को पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 24 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सिम्फनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 76 पर्सेंट बढ़कर 531 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 302 करोड़ रुपये था।

प्रमोटर्स ने खरीदे कंपनी के 50 लाख शेयर, खबर आते ही 38 प्रतिशत चढ़ गया भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आज गुरुवार को 10 प्रतिशत तक चढ़कर 79.80 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। यह इसका 52 वीक का हाई प्राइस भी है। इससे पहले बुधवार को इस शेयर में 18 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई थी। पिछले पांच दिन में कैप्टन पॉलीप्लास्ट लिमिटेड के शेयर करीबन 38 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ा ऐलान है। दरअसल, कंपनी ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड मेंबर की बैठक 14 अगस्त, 2024 को होने वाली है। इसमें 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही नतीजे जारी किए जाएंगे।

आपको बता दें कि कंपनी के प्रमोटर्स ने 50,00,000 शेयर खरीदे और जून 2023 की तुलना में जून 2024 में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 69.52 प्रतिशत कर दी। स्टॉक ने अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 20.60 रुपये प्रति शेयर से 290 प्रतिशत तक का मल्टीबैगर रिटर्न दिया। बता दें कि कंपनी के शेयर इस साल वायटीडी में अब तक 105 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इस शेयर ने 225 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। शेयर ने महीनेभर में 30 प्रतिशत और छह महीने में 50 प्रतिशत तक का रिटर्न दिया है। इसका मार्केट कैप 412.02 करोड़ रुपये है।

छोटे शहर के लड़के ने लगाई कारोबार में लंबी छलांग, शुरू की खुद की कंपनी, आज 600 करोड़ के मालिक

नईदिल्ली, एजेंसी। साकेत दंडोतिया मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले से ताल्लुक रखते हैं। वह एक सफल उद्यमी और एंजेल इन्वेस्टर बन चुके हैं। उनकी नेटवर्थ करीब 600 करोड़ रुपये का है। अपनी यात्रा की शुरुआत एक छोटे से शहर से करते हुए साकेत ने कई चुनौतियों का सामना किया है। उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से उन्हें पार करते हुए सफलता हासिल की। आइए, यहां साकेत दंडोतिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

2012 में शुरू की खुद की कंपनी - कॉमिक्स किराये पर देकर पैसे कमाने से लेकर इंदौर आईटी पार्क में अपनी कंपनी स्थापित करने तक साकेत दंडोतिया ने हमेशा अपनी उद्यमशीलता कौशल का प्रदर्शन किया है। 12वीं कक्षा में कम अंक हासिल करने और आइआइटी जेइइ में जगह नहीं बनाने के बावजूद वह हार नहीं माने। उन्होंने एमआइटीएस इंदौर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। सॉफ्टवेयर फर्म में काम करने के बाद साकेत ने 2012 में अपनी खुद की कंपनी लिंकाइट्स शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी।

सिर्फ 6 कर्मचारियों के साथ हुई थी शुरुआत- शुरुआत में सिर्फ 6 कर्मचारियों के साथ शुरू हुई लिंकाइट्स तेजी से बढ़ी। सिर्फ 3 साल के भीतर 150 कर्मचारियों तक पहुंच गई। इंदौर आईटी पार्क में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाली यह 5वीं कंपनी बन गई। यहां साकेत ने 12,000 वर्ग फीट का ऑफिस स्थापित किया। कठिनाइयों और शुरुआती अस्वीकृतियों के बावजूद साकेत ने हार नहीं मानी। लिंकाइट्स का विस्तार दुनियाभर में किया। सिंगापुर, अमेरिका, जापान और भारत में कार्यालय स्थापित किए। 800 से अधिक कर्मचारियों को नियुक्त किया।

मां और पत्नी को देते हैं सफलता का श्रेय - साकेत अपनी सफलता का श्रेय मां और प प्रतिशती के अटूट समर्थन को देते हैं, जिन्होंने हर कदम पर उनका साथ दिया। 2016 में उन्होंने एक और स्टार्टअप वीडियोवर्स लॉन्च किया। इसने 2023 में उनके बाहर निकलने से पहले 8 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए। इसके बाद साकेत ने अपना नया उद्यम वनटैब शुरू किया।

रखना चाहते हैं अपनी जड़ों से जुड़ाव- साकेत इंदौर की तकनीकी प्रतिभा को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अपनी डेवलपमेंट टीम को इंदौर में ही रखकर वह जड़ों से जुड़े रहे हैं। उनकी कुल संपत्ति करीब 600 करोड़ रुपये की है।

अब यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की सीमा 5 लाख रुपये हुई, होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। यूपीआई के जरिए अब पांच लाख रुपये तक के टैक्स का भुगतान किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की सीमा बढ़ाने की घोषणा की है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में, यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। दास ने कहा कि विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ सब्सक्रिप्शन, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है।

दास ने कहा कि चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिए टैक्स पेमेंट की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। आरबीआई के अनुसार, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस का यूजर बेस आधार 42.4 करोड़ हो गया है। हालांकि इसमें और विस्तार की संभावना है। यूपीआई में 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' शुरू करने का भी प्रस्ताव है।

डेलिगेटेड पेमेंट्स

दास ने कहा कि 'डेलिगेटेड पेमेंट्स' से एक व्यक्ति (प्राइमरी यूजर) को प्राथमिक उपयोगकर्ता के बैंक खाते पर किसी अन्य व्यक्ति (सेकेंडरी यूजर) के लिए यूपीआई लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति मिलेगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगें। इसके साथ ही आरबीआई ने अनधिकृत कंपनियों की जांच के लिए डिजिटल ऋण देने वाले ऐप के सार्वजनिक तौर पर आंकड़े तैयार करने का प्रस्ताव दिया है।

दास ने कहा कि ग्राहकों के हितों की सुरक्षा, डाटा गोपनीयता, ब्याज दरों तथा वसूली प्रक्रियाओं, गलत बिक्री आदि पर चिंताओं से निपटने के लिए दिशानिर्देश दो सितंबर, 2022 को जारी किए गए थे। हालांकि, मीडिया की खबरों ने डिजिटल ऋण देने में बेईमान कंपनियों की मौजूदगी को उजागर किया है जो आरबीआई से संबद्ध होने का झूठा दावा करती हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में बदलाव, 78600 रुपये पर आ गया सिल्वर का भाव

नईदिल्ली, एजेंसी। आज भी सर्राफा मार्केट में सोने-चांदी की चमक फीकी पड़ गई है। 24 कैरेट गोल्ड का भाव 98 रुपये सस्ता होकर 68843 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। जबकि, चांदी की कीमत 559 रुपये प्रति किलो कम होकर 78600 रुपये पर खुली। आईबीजेए द्वारा जारी रेट के मुताबिक आज 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 98 रुपये टूटकर 68567 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत भी अब 90 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर 63060 रुपये पर आ गई है। दूसरी ओर 18 कैरेट गोल्ड की कीमत भी 74 रुपये टूटकर 51632 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है।

14 कैरेट गोल्ड का भाव आज 58 रुपये की गिरावट के साथ 40273 रुपये प्रति 10 ग्राम आ गया है। सोने-चांदी के ये रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। इस पर जीएसटी और ज्वेलरी मेकिंग चार्ज नहीं लगे हैं। हो सकता है आपके शहर में सोने-चांदी के भाव में 1000 से 2000 का अंतर आ रहा हो।

24 कैरेट सोने का भाव अब जीएसटी के साथ 70908 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड का जीएसटी के साथ भाव 70624 रुपये है। इसमें 3 पर्सेंट जीएसटी के हिसाब से 2057 रुपये और जुड़ा हुआ है। जहां तक 22 कैरेट गोल्ड के रेट की बात है तो यह 64951 पर पहुंच गया है। इसमें जीएसटी के 1891 रुपये जुड़े हैं। 18 कैरेट गोल्ड की कीमत 1548 रुपये जीएसटी समेत 53180 रुपये है। इसपर अभी ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स का मुनाफा नहीं जुड़ा है। एक किलो चांदी की जीएसटी समेत कीमत 80958 रुपये पर पहुंच गई है। बता दें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन 104 साल पुराना एसोसिएशन है। आईबीजेए दिन में दो बार दोपहर और शाम को गोल्ड रेट जारी करता है।

काम करने के लिहाज पर टॉप 10 सबसे अच्छी कंपनियां, माइक्रोसॉफ्ट टॉप पर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में जॉब करने के लिए सबसे बेहतर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट बनी है। कंपनी ने साल 2022 में भी पहला स्थान हासिल किया था। मगर 2023 में वह 5वें नंबर पर फिसल गई थी। लोगों की पसंदीदा कंपनियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और तीसरे नंबर पर अमेजन रही है।

सर्वे में 6084 कंपनियां और 1.73 लाख लोग शामिल- रैंडस्टैड एम्प्लायर ब्रांड रिसर्च 2024 ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में दावा किया है कि साल 2024 में माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस और अमेजन भारतीय लोगों के बीच काम करने के लिए सबसे अच्छी कंपनियां बनी हैं। इस रिसर्च में कंपनी ने 3507 लोगों की राय ली है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इस सर्वे में कितनी कंपनियां शामिल थीं। ग्लोबल लेवल पर 6084 कंपनियों के बारे में 1.73 लाख लोगों से उनकी राय जानी गई थी। रैंडस्टैड ने बताया कि सर्वे में वर्क लाइफ बैलेंस, कैरियर में तरक्की, प्रतिष्ठा, फाइनेंशियल हेल्थ और जॉब सिक्योरिटी जैसे सवाल पूछे गए थे।

टाटा ग्रुप की 3 कंपनियों ने टॉप 5 में बनाई जगह- सर्वे में माइक्रोसॉफ्ट ने कैरियर में तरक्की, प्रतिष्ठा और फाइनेंशियल हेल्थ जैसे मुद्दों पर सबसे ज्यादा प्वॉइंट हासिल किए हैं। टीसीएस ने भी इस साल लंबी छलांग लगाते हुए लिस्ट में दूसरा स्थान हासिल किया है। साल 2023 में यह चौथे नंबर पर था। हालांकि, अमेजन दूसरे नंबर से नीचे जाकर इस साल तीसरे स्थान पर रहा है।

चीनी टेक्नीशियनों के व्यापार वीजा में तेजी, मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट के लिए नई व्यवस्था लागू

मुंबई। सरकार ने भारत में विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़े चीन के टेक्नीशियनों के व्यापार वीजा को समय पर मंजूर करने के लिए एक नई व्यवस्था लागू की है। 1 अगस्त से, चीन और अन्य सीमावर्ती देशों के टेक्नीशियनों के लिए व्यापार वीजा प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है।

वीजा प्रक्रिया- एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी कि गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, किसी कंपनी से प्राप्त ई-वीजा आवेदन को मंजूरी के लिए विदेश मंत्रालय और सुरक्षा एजेंसियों सहित अन्य संबंधित विभागों को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय को 28 दिनों के भीतर आवेदन का उत्तर (मंजूरी या अस्वीकृति) देना होगा। इस वीजा की वैधता अवधि छह महीने होगी।

कंपनियों को राहत- इस कदम से उन कंपनियों को राहत मिलेगी जिन्होंने 14 प्रमुख क्षेत्रों में निवेश किया है। सरकार ने इन क्षेत्रों में विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। पीएलआइ योजना के तहत आने वाले इन 14 क्षेत्रों में मोबाइल फोन, ड्रोन, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, दूरसंचार, कपड़ा, वाहन, फार्मास्युटिकल्स आदि शामिल हैं। इससे पहले, गृह मंत्रालय ने पीएलआइ योजनाओं के तहत भारतीय व्यापार वीजा के लिए आवेदन प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए मानक प्रक्रिया जारी की थी। लेकिन नए नियमों से उन कंपनियों को भी समान अवसर मिलेगा जिनकी भारत में विनिर्माण इकाइयां हैं लेकिन जो पीएलआइ योजना के तहत सरकारी सब्सिडी नहीं मांग रही हैं।

अधिकारी का बयान- अधिकारी ने कहा, 'उन कंपनियों के लिए नियम अलग नहीं होने चाहिए, जो भारत में निवेश कर रही हैं और यहां अपने कारखाने लगा चुकी हैं लेकिन पीएलआइ योजना के तहत सब्सिडी नहीं मांग रही हैं। अगर उनका कोई व्यापार वीजा आवेदन है तो उसे मंजूरी के लिए ज्यादा इंतजार नहीं कराया जाना चाहिए।' वीजा कठिनाइयों के कारण कलपुर्जा विनिर्माता जैसी कंपनियों को उत्पादकता की दिक्कतों से जूझना पड़ता है। वीजा आवेदन अटकने से कोई अहम मशीन लगाने या उनकी मरम्मत जैसे जरूरी कामों पर असर पड़ता है, जिससे उत्पादकता कम होती है।

अधिकारी ने कहा, 'नए दिशानिर्देश लागू होने के साथ ही पूरी प्रक्रिया में एक महीने या 45 दिनों से अधिक समय नहीं लगना चाहिए।' इस प्रक्रिया के तहत अब तक दस्तावेज और फाइलें हाथ से भरकर आगे बढ़ाई जाती थीं। इस कारण अधिक समय लगता था और वीजा की मंजूरी में महीनों लग जाते थे। मगर अब समूची प्रक्रिया ऑटोमैटिक हो गई है। इससे आवेदनों पर नजर रखना आसान हो जाएगा और समयबद्ध तरीके से मंजूरी देने में मदद मिलेगी।

निर्मला सीतारमण ने एलटीसीजी टैक्स में संशोधन को बताया सही, कहा- रियल एस्टेट पर अतिरिक्त टैक्स का बोझ नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा के दौरान कहा कि प्रस्तावित संशोधन से रियल एस्टेट संपत्तियों की बिक्री पर दीर्घावधि पूंजी लाभ कर के मामले में कोई अतिरिक्त कर बोझ नहीं पड़ेगा।

सीतारमण ने कहा, 'हर बार जब हम बजट पेश करते हैंज मैं देश के विभिन्न हिस्सों में जाकर कर पेशेवरों, उद्योग, व्यापारियों और सभी हितधारकों से मुलाकात करती हूं और उनके विचार जानती हूं। इसके बाद ही संशोधन का प्रस्ताव करती हूं ताकि बजट आम लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर सके।'

वित्त मंत्री ने कहा कि 23 जुलाई, 2024 से पहले खरीदी गई संपत्ति के लिए करदाता बगैर इंडेक्सेशन के 12.5 फीसदी एलटीसीजी दर या इंडेक्सेशन के साथ 20 फीसदी कर की दर का विकल्प चुन सकते हैं। बजट पेश करने के तुरंत बाद इतने सारे संशोधन प्रस्तावित करने के बारे में उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि हमने उन लोगों को सुना है जो कुछ बदलाव चाहते हैं और हमारे पास इसे बदलने का साहस और विश्वास है।'

23 जुलाई को पेश बजट में संपत्ति की बिक्री पर इंडेक्सेशन का लाभ हटा लिया गया था और 12.5 फीसदी की दर से एलटीसीजी कर का प्रस्ताव किया था। इससे रियल एस्टेट सौदों को लेकर चिंता बढ़ गई थी। अपने इस प्रस्ताव का बचाव करते हुए सीतारमण ने कहा था कि एलटीसीजी व्यवस्था को सरल बनाने के लिए इंडेक्सेशन हटाया गया था न कि राजस्व अर्जित करने के उद्देश्य से। कराधान पर प्रस्तावित घोषणा के बारे में वित्त मंत्री ने कहा कि करों में भारी वृद्धि किए बिना, हम एक सरल कराधान व्यवस्था लाए हैं और अनुपालन को आसान बनाया है।

वित्त मंत्री ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विचार देश में सरल, कुशल और निष्पक्ष तकनीक आधारित कराधान व्यवस्था कायम करने का है। इसलिए पिछले 10 वर्षों में इसे करदाताओं के लिए सरल और अनुपालन को आसान बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है। और इस साल मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में कराधान का दृष्टिकोण इसे सरल बनाने, करदाता पर बोझ कम करने और यह सुनिश्चित करने का रहा है कि यह पारदर्शी और एकसामन हो।'

प्रत्यक्ष कर पर वित्त मंत्री ने कहा कि 2023 में 15 लाख रुपए की सालाना आय पर प्रभावी कर घटाकर 10 फीसदी किया गया था और इस साल नई आयकर व्यवस्था के तहत इसे और कम किया गया है। 31 दिसंबर, 2023 तक करीब 3.8 फीसदी करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को अपनाया था मगर जुलाई 2024 तक नई व्यवस्था को अपनाने वालों की संख्या में जबरदस्त उछाल आई है।

चैट जीपीटी, जेमिनी इंटरनेट नेविगेशन को नया रूप दे गूगल का तोड़ सकते हैं एकाधिकार

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। एक संघीय जज ने गूगल को निर्दयी एकाधिकारवादी करार दिया है, जो अपने प्रतिस्पर्धियों का दम घोंटने पर तुला हुआ है लेकिन इंटरनेट एक्सप्लोरेशन का पर्याय बन चुके सर्च इंजन का विकल्प कैसे तैयार किया जाए

सर्च इंजन का विकल्प- इंटरनेट एक्सप्लोरेशन का पर्याय बन चुके सर्च इंजन का विकल्प तैयार करना एक लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा होने में कई साल लग सकते हैं। गूगल अमेरिकी जिला न्यायाधीश अमित मेहता द्वारा जारी ऐतिहासिक फैसले के खिलाफ अपील कर रहा है और जब इस तरह का समय लगता है, तो तकनीकी उथल-पुथल की ताकतें इस प्रयास को बेमानी बना सकती हैं।

तकनीकी उथल-पुथल का प्रभाव- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उभरता हुआ प्रभाव इस परिदृश्य को तेजी से और गहराई से बदल सकता है। इंटरनेट नेविगेशन का तरीका,द्य उत्पादों जैसे ओपन एआई के चैट जीपीटी और गूगल के जेमिनी के जरिए अधिक प्रभावित हो सकता है, इससे पहले कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा दायर लगभग चार साल पुराना मामला सुलझ जाए।

गूगल की स्थापना- फिर भी, मेहता का 277 पन्नों का फैसला गूगल के लिए ऐसी चुनौतियां खड़ी करता है, जो कंपनी के संस्थापकों लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने तब शायद नहीं सोची थीं, जब वे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्नातक छात्र के रूप में इंटरनेट सर्च में क्रांति लाने के लिए निकले थे। उन्होंने 1998 में सिलिकॉन वैली में कंपनी शुरू करने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी । पेज और ब्रिन, जो अब भी गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के नियंत्रित शेयरधारक हैं, ने अपनी स्टार्टअप कंपनी को उस समय के उद्योग के किंगपिन माइक्रोसॉफ्ट के उत्पादों से बेहतर तकनीक के योद्धा के रूप में पेश किया। 1990 के दशक में माइक्रोसॉफ्ट का व्यक्तिगत कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर पर प्रभुत्व और उसके प्रतिपक्षी रणनीतियों ने न्याय विभाग का एक और मामला प्रेरित किया जिसने माइक्रोसॉफ्ट को कमजोर कर दिया और गूगल के लिए सर्च में बढ़त बनाने और फिर मैप्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, ईमेल , वेब ब्राउज़र और वीडियो में विस्तार करना आसान बना दिया।

अब, स्थिति उलट गई है। गूगल संभावित कानूनी प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, जबकि एक पुनरुत्थान माइक्रोसॉफ्ट ने अपने ओपन एआई निवेश से एआई में प्रारंभिक सफलता प्राप्त की है।

संक्षिप्त समाचार

गुमला, लातेहार समेत झारखंड के 4 जिलों में गरज के साथ वज्रपात की चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड के कम से कम 4 जिलों में अगले एक से तीन घंटे में वज्रपात की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है. मौसम विभाग ने कहा है कि गुमला, लातेहार, चतरा और सरायकेला-खरसावां जिले में गरज के साथ वज्रपात होने की संभावना है. वर्षा भी होगी. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र की ओर से इस संबंध में येलो अलर्ट जारी किया गया है. मौसम पूर्वानुमान पदाधिकारी की ओर से जारी इस तात्कालिक मौसम चेतावनी में कहा गया है कि इन 4 जिलों में हल्के दर्जे की मेघ गर्जन और वज्रपात के साथ वर्षा होने की संभावना है.मौसम विभाग की ओर से कुछ दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं. कहा गया है कि मौसम को देखते हुए लोगों से आग्रह है कि वे सतर्क और सावधान रहें. सुरक्षित जगहों पर शरण ले लें. पेड़ या बिजली के खंभों से दूर रहें. किसानों को खेत में नहीं जाने की भी सलाह दी गई है.इसके पहले भी मौसम विभाग की ओर से 3 तात्कालिक चेतावनी जारी की गई थी, जिसमें कहा गया कि देवघर, जामताड़ा, लोहरदगा और सिमडेगा जिले में वर्षा एवं वज्रपात होने की संभावना है. सुबह से अब तक 4 चेतावनी मौसम विभाग की ओर से जारी हो चुकी है.

जदयू कार्यकर्ताओं की डाड़ी प्रखंड स्तरीय बैठक हुई

रामगढ़, एजेंसी। जदयू कार्यकर्ताओं की डाड़ी प्रखंड स्तरीय बैठक डाड़ी ग्राम स्थित मनोज राम के आवास पर हुई। बैठक में मांडू विधानसभा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष कुमेश्वर महतो, हजारीबाग जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल कुशवाहा, युवा जदयू के जिला अध्यक्ष प्रदीप रजक उपस्थित थे। बैठक में विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पंचायत अध्यक्षों से बूथों की स्थिति पर चर्चा की गई। इसके बाद प्रखंड के पंचायत कमेटी का 15 अगस्त तक पुर्नगठन करने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए रेलीगढ़ा पूर्वी, रेलीगढ़ा पश्चिमी और हेसालोंग पंचायत चितरंजन कुमार, गिद्दी क, गिद्दी ख, गिद्दी ग टोंगी पंचायत प्रदीप रजक, बलसगरा, रबोध, होन्हेमोढ़ा, हुवाग पंचायत दिनेशेश्वर महतो, मिश्राईन मोढ़ा तिलकधारी महतो और प्रदीप रजक को जिममेवारी दी गई। इसके बाद डाड़ी प्रखंड स्तरीय सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष दिनेश महतो और संचालन युवा जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अमित राम ने की। बैठक में सुबीर झा, चितरंजन कुमार, शंकर महतो, मनोज राम शिव कुमार गुप्ता, संतोष गुप्ता, धर्मेंद्र लोहारा, प्रेम कुमार राम, तालेश्वर महतो, जगदेव राम, गोपाल शर्मा, तिलकधारी महतो, देव राम, जय कुमार सोनी, लखन लाल चौधरी, सिकंदर महतो इत्यादि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

देवघर के बाबा मंदिर में बेहोश हुआ 8 साल का नन्हा बम, मुंह से निकलने लगा झाग

देवघर, एजेंसी। बाबानगरी देवघर में लगातार कांवरियों का आना जारी है. हर दिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु यहां बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक कर रहे हैं. इसी दौरान बुधवार (7 अगस्त) को एक बाल बम के मुंह से झाग निकलने लगा. तत्काल पुलिस की मदद से उस बाल बम को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. राजकीय श्रावणी मेला क्षेत्र में बनाए गए स्वास्थ्य उपकेंद्र में डॉक्टरों ने 8 साल के नन्हे बम का इलाज शुरू किया. डॉक्टरों ने बताया कि बुधवार अहले सुबह 8 वर्षीय नन्हा बम चलते-चलते बेहोश हो गया. उसके मुख से सफेद झाग निकलने लगा. पुलिसकर्मियों के सहयोग से इस नन्हे बम को बाबा मंदिर स्वास्थ्य उपकेंद्र लाया गया. जैसे ही नन्हे बम को यहां लाया गया 5 डॉक्टरों की टीम ने उसका इलाज शुरू कर दिया. वरीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर सत्रुघ्न सिंह ने तत्काल आईवी लाईन लगाकर जीवन रक्षक दवा दी. मौके पर उपस्थित चिकित्सकों व स्वास्थ्यकर्मियों के सहयोग से नन्हे बम का बेहतर इलाज संभव हो पाया. समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलने के बाद बच्चा बम पूरी तरह से सुरक्षित है. इलाज के बाद इस बम को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया. कांवर लेकर बाबाधाम आए इस परिवार ने देवघर जिला प्रशासन और डॉक्टरों का समय रहते बच्चे के बेहतर इलाज के लिए आभार जताया.

बुढ़मू में 6 वाहनों को किया आग के हवाले, बालू तस्करों में मचा हड़कंप, थानेदार समेत दो निलंबित

बुढ़मू (रांची), एजेंसी। रांची के बुढ़मू में मंगलवार की देर रात सुदूर छापर बालू घाट में अपराधियों ने अवैध बालू की निकासी करने पहुंचे छह वाहनों को आग के हवाले कर दिया। चार टर्बो, एक जेसीबी मशीन और एक ट्रैक्टर जलाए गए। रांची, रामगढ़, हजारीबाग जिले के सीमांत इलाके में इस घटना से बालू की तस्करी में लगे तस्करों और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार की रात बारह बजे छह अपराधी बाइक पर घटनास्थल पर पहुंचे थे। सभी अपराधियों के हाथ में हथियार थे। उस वक्त दर्जनों वाहन चालक अवैध तरीके से बालू की निकासी में लगे थे। अपराधियों के पहुंचते ही सभी लोग वहां से भाग निकले।

अपराधियों ने मजदूरों, ड्राइवर व ग्रामीणों को धमकी भी दी। इसके बाद अपराधियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया। अपराधियों ने लोगों को धमकी दी कि बिना सहमति के बालू की निकासी नहीं होनी चाहिए। ऐसा हुआ तो अंजाम ठीक नहीं होगा।

घटना की सूचना पाकर आइजी अखिलेश झा व ग्रामीण एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने छापर जाकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर बालू के डंप स्टाक को देखकर आइजी ने स्थानीय पुलिसकर्मियों को कड़ी

फटकार लगाई व अग्रतर करवाई के दिशा-निर्देश दिए।

त्वरित करवाई करते हुए एसएसपी ने छुट्टी पर गए बुढ़मू थानेदार रामजी कुमार और थाना प्रभारी के प्रभार पर रहे एसआइ संतोष कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही नगड़ी थाना में पदस्थापित एसआइ रितेश कुमार महतो को बुढ़मू का नया थानेदार बनाया गया है। नए थानेदार ने योगदान दे दिया है।

वर्चस्व की जंग को लेकर हुई घटना बुढ़मू थाना क्षेत्र के छापर बालू घाट पर कई वर्षों से वर्चस्व कायम करने की होड़ उग्रवादी और अपराधियों के बीच मची हुई है। इस वजह से बुढ़मू में आए दिन उग्रवादी और अपराधियों में झड़प होती है।

छापर घाट से प्रतिदिन उग्रवादी, पराधी, पुलिस से लेकर सफेदपोशों तक के नाम पर अवैध बालू का कारोबार चल रहा है। अवैध बालू के कारोबर में उग्रवादी संगठन टीएसपीसी, जेजेएमपी, अपराधी गिरोह अमन साहू, भोला पांडेय गिरोह, विकेश तिवारी और आलोक का गिरोह सक्रिय है।

बुढ़मू थाना से 28 किमी दूर है घटनास्थल छापर बालू घाट झारखंड दामोदर नदी पर है। बुढ़मू थाना से 28 किमी दूर रांची, हजारीबाग व रामगढ़ जिले के सुदूर क्षेत्र में स्थित है। इस बालू घाट का नियमित कभी टेंडर नहीं हुआ, लेकिन पिछले दस साल से यहां से बालू का निकासी हो रही है।

टीएसपीसी से अलग हुए दो गुट आलोक गिरोह और विकेश तिवारी गिरोह ने घटना की जिम्मेदारी ली है। पुलिस के अनुसार, आलोक गिरोह ने आगजनी की घटना को अंजाम दिया है।पुलिस भी इसी दिशा में छानबीन कर रही है। पुलिस का कहना है कि आलोक और अन्य अपराधी पहले टीएसपीसी के लिए काम करते थे। बाद में संगठन से हटकर अपना गिरोह तैयार कर लिया। पहले भी हो चुकी हैं घटनाएं छापर बालू घाट में वर्चस्व की जंग को लेकर लगातार घटनाएं घट रही हैं।

अपराधियों ने बीते 10 जुलाई को रात में दो ट्रैक्टर को जला दिया था। सितंबर में हाइवा ट्रक, दिसंबर 2023 में चार बाइक में आग लगा दी गई थी। पिछले 21 जुलाई को इसी बालू घाट में आलोक गिरोह और टीएसपीसी के सदस्यों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। जिसमें सात लोगों के हाथ पैर टूट गए थे।

भाजपा छोड़ कांग्रेस से चुनाव लड़ने पर विधायकी गंवाने वाले जयप्रकाश पटेल को झारखंड हाईकोर्ट से झटका

रांची , एजेंसी। दल-बदल मामले में झारखंड विधानसभा की सदस्यता गंवाने वाले मांडू क्षेत्र के पूर्व विधायक जयप्रकाश पटेल को झारखंड हाईकोर्ट से तत्काल कोई राहत नहीं मिल पाई है। झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबींद्रनाथ महतो के ट्रिब्यूनल ने 25 जुलाई को जयप्रकाश पटेल की विधायकी रद्द कर दी थी। पटेल ने इस फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।अदालत ने स्पीकर ट्रिब्यूनल के फैसले पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, इस याचिका पर सुनवाई आगे जारी रहेगी। इसे लेकर शिकायतकर्ता झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी को नोटिस जारी किया गया है। जयप्रकाश पटेल वर्ष 2019 में भाजपा के टिकट पर विधानसभा के लिए चुने गए थे। इस साल लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उन्होंने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी और उसके टिकट पर हजारीबाग लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतरे थे। पार्टी बदलने के बावजूद उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया था। इसे लेकर विधानसभा में भाजपा विधायक दल एवं प्रतिपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने उनके खिलाफ स्पीकर के ट्रिब्यूनल में दल-बदल की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद उनकी विधायकी समाप्त कर दी गई थी।जयप्रकाश पटेल ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में कहा है कि स्पीकर ट्रिब्यूनल ने उनका पक्ष पूरी तरह सुने बिना फैसला दिया है, इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता बहाल की जानी चाहिए। बता दें कि दल-बदल के मामले में स्पीकर ट्रिब्यूनल ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोरियो क्षेत्र के विधायक लोबिन हेंब्रम की भी सदस्यता रद्द की है।

यूपी का शातिर चोर झारखंड में गिरफ्तार, ट्रेन के एसी कोच में महिला यात्रियों के पर्स-बैग पर रखता था पैनी नजर

चक्रधरपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर रेल मंडल के आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने ट्रेनों में चोरी और लूट करने वाले एक अंतरराज्यीय 40 वर्षीय शातिर चोर को गिरफ्तार कर चाईबासा जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, चोर ने अब तक अलग-अलग राज्यों के कई ट्रेनों में 37 चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चक्रधरपुर जीआरपी थाना में थाना प्रभारी सुहैल खान ने बुधवार को प्रेस वार्ता कर आरोपी चोर को मीडिया के सामने पेश किया और कई जानकारियां दी हैं। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रेनों में चोरी के आरोप में गिरफ्तार युवक का नाम रघु खोसला है। वह उत्तर प्रदेश के खुशहाल पार्क, लोनी थाना जिला गाजियाबाद का रहने वाला है। आरोपी रघु खोसला ट्रेनों के एसी टू या फिर एसी वन में टिकट लेकर यात्रा करता था। उसका निशाना ट्रेनों में एसी कोच में सफर करने वाली महिलाएं होती थीं। पुलिस ने बताया कि पिछले दिनों रघु खोसला ने बीते 7 और 8 जुलाई को टाटानगर के पास ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के एसी कोच में एक कैंसर पीड़ित महिला यात्री का पर्स चोरी कर ट्रेन की चेन पुलिंग करके भाग गया था। मामले में यात्रियों ने रेलवे से शिकायत भी की थी। इसके बाद आरपीएफ उड़न दस्ता और टाटानगर आरपीएफ की टीम ने बीती 6 अगस्त को तकनीक का इस्तेमाल करते हुए आरोपी चोर रघु खोसला को बेनकाब कर उसे धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, आरोपी रघु ने अपना गुनाह भी कुबूल लिया है। आरोपी रघु खोसला ने पूछताछ में बताया है कि वह महिला यात्रियों के पर्स-हैंडबैग में मिलने वाले जेवरात राउरकेला के एक दुकानदान को बेच दिया करता था। की उसने ट्रेन में महिलाओं के कई हेंडबैग चुराकर उसमें रखे नगद रुपये, सोना चांदी के जेवरात, एटीएम कार्ड आसी चीजों पर हाथ साफ किया है। उसने चोरी के सोने के जेवरात को राउरकेला के एक दुकानदार के पास भी बेचा है। पुलिस ने बताया कि चोरी के आरोप में पकड़ा गया रघु खोसला बेहद शातिर है। उसने सिर्फ झारखंड में ही नहीं, बल्कि देश के उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में भी ट्रेनों में चोरी और लूट की घटना को अंजाम दिया है।जीआरपी ने तफ्तीश के बाद आरोपी से जुड़े इस तरह के 37 मामलों की पुष्टि भी कर दी है। रघु इतना शातिर और हाजिर जवाबी है कि उसने खुद को बचाने के लिए एक फर्जी प्रेस आईडी कार्ड भी बनवा रखा था। अंतरराज्यीय शातिर चोर को पकड़ने में आरपीएफ पीएस सेल के निरीक्षक दिलीप कुमार सिंह, चक्रधरपुर आरपीएफ थाना प्रभारी विक्रम सिंह, आरपीएफ फ्लाइंग स्क्वाड एएसआई बलबीर प्रसाद, जीआरपी सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार दुबे, बागुन मुनरी सहित पुलिस बल का अहम योगदान रहा।

जिला में खाद्य आपूर्ति विभाग फेल : डॉ. लकड़ा

चाईबासा, एजेंसी। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने कहा है कि पश्चिमी सिंहभूम में खाद्य आपूर्ति विभाग फेल है। लोगों को सही चावल नहीं मिल पा रहा है। पीडीएस दुकानदार लाभार्थी को 2 से 3 किलो कम चावल दे रहे हैं और एफसीआई गोदाम में 45 किलो राशन दिया जा रहा है और फाइल में लिखा जा रहा है 50 किलो। सब जगह लीपापोती हो रहा है। डॉ. लकड़ा बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम के दौरे के क्रम में अधिकारियों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी दे रही थीं।

उन्होंने बताया कि जिले में तीन डीएफओ हैं। सबने बताया कि कितनो को वन पट्टा दिया गया,लेकिन पूछने पर कोई नहीं बता पाए कि वनपट्टा के तहत एक व्यक्ति को कितनी जमीन दी गयी है। उन्होंने जिले में कल्याण विभाग के कार्यकलापों पर भी असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग के कार्यों कि स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि उन्होंने तीन छात्रावासों का निरीक्षण किया। सभी जगह स्थिति खराब है, बोरिंग है, पर पीने का पानी नहीं है। मोटर खराब है। शौचालय खराब है। आरओ नहीं है। टाटा कॉलेज और महिला कॉलेज की छात्रावास कंडम घोषित करने की स्थिति में है। बेड नहीं है, जेनरेटर नहीं है।

उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक में जिले के अधिकारी नहीं बता पाएं कि जिले में कितना नामांकन हुआ है, कितने आदिवासी बच्चे हैं और कितने ड्राप आउट हैं। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में प्राइमरी स्कूलों में

गरीब-गुरुबो के बच्चों का नामांकन जाति प्रमाणपत्र के नहीं होने के कारण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि उपायुक्त और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के एडमिशन में जाति प्रमाण पत्र नहीं मांगा जाए।

डॉ. लकड़ा ने बताया कि पुलिस विभाग को निर्देश दिया गया है कि जिले के सभी 26 थानों में एससी-एसटी एक्ट के केस का एफआईआर लिया जाए। उसी दिन या दूसरे दिन जिला में भेजा जाए। चार्जशीट हो और 90 दिनों मे निष्पादन किया जाए। आयोग कि सदस्य ने बताया जिले में 20 अगस्त के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में मेगा कैम्प लगाने का निर्देश दिया गया है। इसमें ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच हो, दवाओं का वितरण किया जाए और सरकार के लाभों को जनता तक पहुंचाया जाए। बैठक में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर आईटीडीए स्मृति कुमारी, अपर उपायुक्त कमलेश्वर नारायण, सहायक समाहर्ता अर्नब मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ साहिर पॉल सहित जिला स्तरीय अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा की अध्यक्षता में जिला समाहरणालय सभागार में अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों व जिला स्तरीय सभी विभागों के योजनाओं में प्रगति से संबंधित समीक्षा की गयी।

सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग द्वारा क्रमवार सभी विभाग अंतर्गत संचालित केन्द्र एवं राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। योजनाओं में अनुसूचित जनजाति की भागीदारी से संबंधित चर्चा की गई। उन्होंने सभी को जानकारी दी कि राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का गठन अनुसूचित जनजातियों को शोषण के विरुद्ध सुरक्षा उपाय प्रदान करने के साथ-साथ उनके सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक हितों की रक्षा करने के लिए की गई है। शिक्षा विभाग के समीक्षा के क्रम में जिले में शिक्षक की उपलब्धता, विद्यालय भवनो की स्थिति एवं बच्चो को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी लेकर अभियान चलाकर सभी ड्राप बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा आवसीय विद्यालयों में बच्चों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाए उपलब्ध करने का निर्देश दिया गया।

सारंडा के जंगल में नक्सलियों का तांडव, कर दिया आईईडी ब्लास्ट, कोबरा के एसआई बुरी तरह घायल

चाईबासा, एजेंसी। सारंडा क्षेत्र में के बीहड़ों में एक बार फिर से नक्सलियों ने पैर जमाना शुरू कर दिया है। 8 अगस्त की अहले सुबह नक्सलियों के खिलाफ सारंडा जंगल में सर्च आपरेशन के दौरान नक्सलियों द्वारा एक आईईडी विस्फोट किया गया। जिसमें कोबरा 209वीं बटालियन के एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गए है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि भाकपा माओवादी नक्सलियों का जमावड़ा सारंडा के बालिबा गांव क्षेत्र के घने जंगलों में होने की जानकारी के बाद भारी संख्या में सीआरपीएफ, कोबरा, झारखंड जगुआर, झारखंड पुलिस के जवान बुधवार को ही छोटानागरा के रास्ते बालिबा जंगल में प्रवेश किए।

गुरुवार की सुबह 7.30 बजे कोबरा व सीआरपीएफ के जवान बालिबा गांव से लगभग डेढ़-दो किलोमीटर दूर नक्सली कैंप की तरफ बढ़ रहे थे, तभी नक्सलियों ने

जवानों को टारगेट कर एक आईईडी ब्लास्ट किया। इसमें बटालियन के एक एसआई जितेंद्र दानी घायल हो गए। घायल एसआई को घटनास्थल से सुरक्षित जगह लाकर बेहतर इलाज के लिए हेलिकाप्टर से रांची भेजा गया है। घटना के बाद जवान के बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर सुबह 9.30 बजे एसआई को लेने कोलाइबुरु मैदान में उतरा और उसे लेकर तुरंत रवाना हो गया। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सारंडा में मौसम भी काफी खराब है। यह काफी घना जंगल वाला क्षेत्र है। यहां छोटानागरा एवं जराईकेला थाना की सीमा लगती है।

छोटानागरा से सारंडा के उक्त जंगल में जाने के दौरान पोंगा-उसरुईया नदी के अलावे आना छोटे बड़े नाले हैं। जिसको पार कर घने जंगलों में जाना जवानों के लिए बड़ी चुनौती है। बीते दिनों सुरक्षा बल के जवानों ने सारंडा में नक्सलियों के एक कैंप पर मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया था। साथ ही दो नक्सलियों के गिरफ्तारी की गई थी।

उसके बाद से ही सुरक्षा बल के जवानों को हौसला काफी बुलंद है। कोल्हान और पोड़ाहाट जंगलों में लगातार सुरक्षा बलों के द्वारा सर्च अभियान चलाए जाने के बाद नक्सली के सिर्फ कमांडर अपने को सुरक्षित रखने के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं नक्सलियों ने शरण जंगल को फिर से अपनी पनाह का बनाने का प्रयास किया जा रहा है लेकिन सुरक्षा बल के जवान लगातार अभियान चलाकर नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फेर रहे।

मनोज कुमार अग्रवाल होंगे बीसीसीएल के नये डीटी, वर्तमान में एनसीएल के खड़िया एरिया में हैं पदस्थापित

रांची, एजेंसी। मनोज कुमार अग्रवाल बीसीसीएल के नये निदेशक तकनीकी (डीटी) होंगे. मंगलवार को पब्लिक इंटरप्राइजेज सेलेक्शन बोर्ड ने इंटरव्यू के पश्चात उनके नाम की घोषणा की. मनोज अग्रवाल वर्तमान में कोल इंडिया की सहायक कंपनी एनसीएल के खड़िया एरिया के जीएम पद पर पदस्थापित हैं. बताते चलें कि बीसीसीएल के पूर्व निदेशक तकनीकी उदय अनंत कावले का चयन फरवरी 2024 में एमसीएल के सीएमडी के पद पर हो गया था. इसके बाद से बीसीसीएल के डीटी (पीपी) की अतिरिक्त जिम्मेदारी सीएमपीडीआइ के डीटी एस नागाचारी संभाल रहे हैं. सभी क्लीयरेंस व मंत्रालय से अधिसूचना जारी होने के पश्चात श्री अग्रवाल पद पर योगदान देंगे.

मनोज कुमार अग्रवाल का स्थानांतरण 15 मार्च 2024 को सीसीएल से एनसीएल में किया गया था. एनसीएल स्थानांतरण से पहले श्री अग्रवाल सीसीएल के ढोरी एरिया के जीएम पद पर पदस्थापित थे. इससे पूर्व छह नवंबर 2023 को सीसीएल तथा सात नवंबर 2023 को एसइसीएल के डीटी के लिए हुए साक्षात्कार में भी शामिल हुए थे. बीसीसीएल के नये डीटी मनोज कुमार अग्रवाल ने इंटरमीडिएट की परीक्षा पटना विज्ञान महाविद्यालय, पटना से 1985 बैच में पास की है. खनन में बीटेक, आइआइटी (आइएसएम), धनबाद 1986-1990 में किया. वहीं प्रथम श्रेणी प्रबंधक योग्यता प्रमाणपत्र धारक, डीजीएमएस व बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर (कार्यकारी एमबीए) भारतीय प्रबंधन विद्यालय रांची (2021-2023) हैं.

कोल इंडिया में सर्वश्रेष्ठ एरिया जनरल मैनेजर के लिए 'कोयला मंत्री पुरस्कार 2021-

2022' प्राप्त किया. जबकि वित्त वर्ष 2016-17 में सीसीएल के सर्वश्रेष्ठ परियोजना अधिकारी से भी सम्मानित हो चुके है. भारत और विदेशों के दलित और पिछड़े लोगों के उत्थान से संबंधित सामाजिक सेवाओं के लिए 'डॉ अंबेडकर उत्कृष्ट सेवा राष्ट्रीय पुरस्कार-2020' और 'वीर बिरसा मुंडा राष्ट्रीय पुरस्कार-2021' से भी सम्मानित हो चुके हैं.

श्री अग्रवाल ने अगस्त 1990 में कोल इंडिया के साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में योगदान दिया था. जहां मार्च 1997 तक पदस्थापित रहे. इसके बाद अप्रैल 1997 से नवंबर 2011 तक सेक्शन इंचार्ज, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली में रहे. जबकि सीसीएल के पिपरवार ओपनकास्ट परियोजना प्रबंधक (खनन) के रूप में नवंबर 2011 से मई 2014 तक रहे. मई 2014 से जून 2017 तक डकरा, मगध और रोहिणी ओसीपी में बतौर परियोजना अधिकारी काम किया. इसके बाद जुलाई 2017 से जून 2024 तक सीसीएल के ढोरी, गिरिडीह, पिपरवार, राजहरा और एनके एरिया के जीएम रहे. 30 जून 2024 से एनसीएल के खड़िया एरिया के जीएम पर पदस्थापित है.बीसीसीएल डीटी पद के लिए पीइएसबी द्वारा आयोजित इंटरव्यू में विभिन्न कंपनियों के कुल 10 अधिकारी शामिल हुए. इसमें एसइसीएल के बैकुंठपुर एरिया के जीएम विद्यानाथ झा, इसीएल के जीएम (लैंड एंड रेवेन्यू) पार्थ सखा डे, एमसीएल के जीएम संजय कुमार झा, कोयला मंत्रालय के प्रोजेक्ट एडवाइजर आनंदजी प्रसाद, इसीएल के सोदपुर एरिया के जीएम अमितंजन नंदी, एनसीएल के अमरोही एरिया के जीएम आलोक कुमार, एनसीएल के खादिया एरिया के जीएम मनोज कुमार अग्रवाल, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के एक्जक्यूटिव डायरेक्टर (माइनिंग) उमेश सिंह, स्टील ऑथरिटी इंडिया लिमिटेड (सेल) चासनाला के जीएम इंचार्ज (पीएंडडी, इएंडएल) हनुमान प्रसाद शर्मा, मेसर्स जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट निहार रंजन सतपथी और जीएचसीएल लिमिटेड के सीनियर जीएम धनंजय कुमार आदि शामिल थे. इनमें से मनोज कुमार अग्रवाल का चयन हुआ है.

पदक से चूकीं मीराबाई चानू

पेरिस, एजेंसी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू यहां पेरिस ओलंपिक में बुधवार को महज एक किलोग्राम से पदक से चूक गईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में चानू ने कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया और वह चौथे स्थान पर रहीं। चीन की हो झिहुई ने कुल 206 किलोग्राम के साथ नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। रोमानिया की वेलेंटीना (205 किग्रा) को रजत और थाईलैंड की सुरोदचना खम्बाओ (200 किग्रा) को कांस्य पदक मिला। चानू ने स्नैच राउंड में अपने तीसरे प्रयास में 88 किग्रा वजन उठाया था। क्लीन एंड जर्क राउंड में उन्होंने पहले प्रयास में 111 किग्रा अटेम्प्ट किया लेकिन वह इसे पूरा नहीं कर सकीं। दूसरे प्रयास में उन्होंने 111 किग्रा उठाया। उन्होंने तीसरा प्रयास 114 किलोग्राम के लिए किया और यदि वह इसे पूरा कर लेती तो कांस्य पदक उनके नाम होता। लेकिन उनका तीसरा प्रयास मान्य नहीं रहा। चानू थाईलैंड की खिलाड़ी से मात्र एक किलोग्राम कम वजन उठाने के कारण पोडियम फिनिश नहीं कर सकीं।

जयविक्रमा पर लगा आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का आरोप

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर आईसीसी भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के तीन आरोप लगाए हैं, जिसमें मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की रिपोर्ट नहीं करना और सबूतों को नष्ट करना शामिल है।

इस 25 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर ने कथित तौर पर 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की रिपोर्ट आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं की थी। आईसीसी ने गुरुवार को अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में कहा, 'श्रीलंका के स्पिनर पर कथित तौर पर भ्रष्ट पेशकश से जुड़े संदेशों को डिलीट करने का आरोप है।

आईसीसी ने इस खिलाड़ी को जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया है। जयविक्रमा पर आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.4.4 के तहत आरोप लगाया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों को फिक्स करने की भ्रष्ट पेशकश की रिपोर्ट नहीं करने से जुड़ा है।

ज्योति याराजी महिला 100 मीटर बाधा दौड़ से बाहर

पेरिस (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी भारत की 100 मीटर बाधा दौड़ खिलाड़ी ज्योति याराजी बृहस्पिवार को यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई और पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर हो गईं।

हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय लिया और वह अपनी हीट में सात धावकों के बीच चौथे स्थान पर रहीं। उन्होंने रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान हासिल किया। ज्योति की हीट से दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी (12.79 सेकेंड) और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम (12.87 सेकेंड) ने पहले दो स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई।

रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहली बार ओलंपिक खेल रही ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय भी हैं। 24 साल की ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह अपने इस प्रदर्शन को दोहराती तो सेमीफाइनल में जगह बना लेती।

इससे पहले ज्योति अपनी हीट में खराब प्रदर्शन के बाद सातवें स्थान पर रहते हुए स्वत- सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गई थीं। उन्होंने चौथी हीट में 13-16 सेकेंड का समय निकाला था और 40 धावकों में 35वें स्थान पर रहीं थी।

पेरिस ओलंपिक से अयोग्य ठहराए जाने के बाद

विनेश फोगाट ने कुश्ती को कहा अलविदा

पेरिस, एजेंसी। पहलवान विनेश फोगट ने गुरुवार को संन्यास की घोषणा की। इससे एक दिन पहले उन्हें पेरिस में 2024 ओलंपिक में कुश्ती के फाइनल से अयोग्य घोषित किया गया था। विनेश को 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण 50 किलोग्राम महिला कुश्ती के स्वर्ण पदक मैच से अयोग्य घोषित किया गया था।

संन्यास की घोषणा करते हुए उन्होंने हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माँ कुश्ती मुझसे जीत गई, मैं हार गई। मुझे माफ़ कर देना, तुम्हारा सपना और मेरी हिम्मत टूट गई। अब मुझमें और ताकत नहीं है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अलविदा कुश्ती 2001-2024। विनेश ने सेमीफाइनल मुकाबला अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 5-0 के अंतर से जीता था और ओलंपिक फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। हालांकि, उन्हें सिर्फ 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण फाइनल मैच से अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने कोर्ट ऑफ एब्रीट्रेशन फॉर स्पोर्ट में अपील की थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें इस इवेंट के लिए सिल्वर मेडल दिया जाना चाहिए।

विनेश फोगाट का नाम टॉप और मशहूर महिला भारतीय पहलवानों में गिना जाता है। विनेश इतिहास की सबसे सफल भारतीय पहलवानों में से एक हैं। उनका जन्म 25 अगस्त, 1994 में हरियाणा के भिवानी जिले के बलाली गांव में पहलवानों के परिवार में हुआ था। ऐसे में विनेश ने भी कुश्ती में ही अपना करियर बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपने चाचा महावीर सिंह फोगाट, जो कि महिला पहलवानों गीता और बबीता फोगाट के पिता हैं, से कुश्ती की ट्रेनिंग ली। जब विनेश महज नौ साल की थीं तो उनके पिता राजपाल की हत्या कर दी गई थी। इस भारी दुख के अलावा विनेश को कुश्ती खेलने के लिए गांव के लोगों के विरोध का सामना भी करना पड़ा था। हालांकि इसके बावजूद भी उनका हौसला कम नहीं हुआ और इसी का नतीजा है कि आज के समय में वह भारत के बेहतरीन महिला पहलवानों में से एक के तौर पर उभरी हैं।

विनेश ने रियो ओलंपिक 2016 में महिलाओं की 48 किग्रा फ्रीस्टाइल श्रेणी में डेब्यू किया था, लेकिन घुटने में गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें क्वार्टर फाइनल मुकाबले से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद विनेश फोगाट ने टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 के लिए भी क्वालिफाई किया, लेकिन इस बार भी खिलाड़ी को क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

विनेश फोगाट मेडल और रिकॉर्ड्स

बता दें विनेश फोगाट ने वर्ल्ड लेवल पर कुश्ती में अब तक कई मेडल और रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। वह कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान थीं। अब वह जापानी रेसलर जापान की यूई सुसाकी को हराने वालीं दुनिया की पहली महिला रेसलर बन गई हैं। आइए नजर डालते हैं उनके खास मेडल की लिस्ट पर।

1- 2018 एशियाई खेल, जकार्ता- स्वर्ण पदक

2- 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स, गोल्ड कोस्ट- स्वर्ण पदक

3- 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स, ग्लासगो- स्वर्ण

4- 2018 एशियाई चैंपियनशिप, बिश्केक- रजत

5- 2013 राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप, जोहान्सबर्ग- रजत

6- 2020 एशियाई चैम्पियनशिप, नई दिल्ली- कांस्य

7- 2019 विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप, कजाकिस्तान- कांस्य

8- 2019 एशियाई चैम्पियनशिप, शीआन- कांस्य

9- 2016 एशियाई चैम्पियनशिप, बैंकॉक- कांस्य

10- 2014 एशियाई खेल, इंचियोन- कांस्य

11- 2013 एशियाई चैम्पियनशिप, नई दिल्ली- कांस्य

चित्रावेल और अबुबाकर त्रिकूद फाइनल में जगह बनाने में नाकाम

पेरिस, एजेंसी। भारत के स्टार एथलीट प्रवीण चित्रावेल और एन अब्दुल्ला बुधवार को यहां पेरिस ओलंपिक खेलों की एथलेटिक्स की पुरुष त्रिकूद स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक चित्रावेल ग्रुप ए में 16.25 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 16 खिलाड़ियों में 12वें और दोनों ग्रुप में मिलाकर 32 खिलाड़ियों में कुल 27वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए। चित्रावेल ने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। चित्रावेल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 17.12 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे रहे। अगर वह इस प्रदर्शन के करीब पहुंचते तो आसानी से फाइनल में जगह बना सकते थे।

वहीं दूसरी तरफ अबुबाकर ग्रुप बी में 16.49 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 16 खिलाड़ियों में 13वें और दोनों ग्रुप में मिलाकर कुल 21वें स्थान पर रहे। अबुबाकर ने तीसरे और अंतिम प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ डब्ल्यूटीसी सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, दो अनकैप्ड खिलाड़ी हुए शामिल

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है। इसमें शामिल किए गए उल्लेखनीय खिलाड़ियों में अनकैप्ड खिलाड़ी मिलन रथनायके और निसाला थारका शामिल हैं जिन्हें 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बुलाया गया है। 33 वर्षीय निसाला थारका प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह सीरीज राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है।

दूसरी ओर रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली सीरीज के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक पदार्पण नहीं किया है। तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं, जिनका साथ अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज देंगे। धनंजय डी सिल्वा की अगुआई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वेंडरसे की भी वापसी हुई है। निसांका और

वेंडरसे ने आखिरी बार 2022 में टेस्ट क्रिकेट में खेला था, वेंडरसे का चयन भारत के खिलाफ वनडे में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 6/33 प्रदर्शन के बाद हुआ है। श्रीलंका के स्पिन आक्रमण की अगुआई प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस के हाथों में है, जो गहराई और विविधता प्रदान करेंगे। हाल ही में वनडे कप्तान के रूप में चरिथ असलांका की जगह लेने वाले कुसल मेंडिस टेस्ट सीरीज के लिए उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे।

टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग

50 प्रतिशत अंक प्रतिशत के साथ श्रीलंका वर्तमान में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54 प्रतिशत के साथ छठे स्थान पर है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है।

इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंकाई टेस्ट टीम

धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उप-कप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चांडीमल, कामिंदु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

सीरीज हारने का मतलब 'दुनिया का अंत नहीं है : रोहित शर्मा

कोलंबो, एजेंसी। रोहित शर्मा ने बुधवार को तीसरे वनडे में 110 रन की हार के साथ श्रीलंका के खिलाफ 27 साल में पहली द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला गंवाने के बाद भारतीय बल्लेबाजों से स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी व्यक्तिगत योजनाओं पर 'गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। श्रीलंका के 249 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत 26.1 ओवर में मात्र 138 रन पर ढेर हो गया। श्रीलंकाई स्पिनरों ने एक बार फिर कहर बरपाया जिसमें दुनिथा वेलालागे ने 27 रन देकर पांच चटकाए जबकि महीश तीक्षणा और जेफ्रे वांडरसे ने 2-2 विकेट हासिल किए।

स्पिन के खिलाफ भारत के संघर्ष के बारे में पूछे जाने पर रोहित ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह चिंता का विषय है लेकिन यह कुछ ऐसा है जिस पर हमें गंभीरता से विचार करने की जरूरत है - हमारी व्यक्तिगत खेल योजनाएं - और यह कुछ ऐसा है (जिससे) हम निश्चित रूप से इस श्रृंखला में दबाव में थे। रोहित ने कहा कि सीरीज हारना 'दुनिया का अंत हीं है लेकिन यह 2023 विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली टीम को काम करने के लिए बहुत कुछ देता है।

भारतीय कप्तान ने कहा कि श्रृंखला हारने का मतलब दुनिया का अंत नहीं है। ये खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों से बहुत अच्छा खेल रहे हैं, लगातार। आप कुछ श्रृंखलाएं हारेंगे। उन्होंने कहा कि हमने सीरीज गंवा दी और मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक पहलुओं के बजाय कई क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है। हमें पीछे जाकर देखना होगा कि जब हम इस तरह की परिस्थितियों का सामना करेंगे तो हमें क्या करना होगा। भारत ने इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में श्रीलंका को 3-0 से हराया था। भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। रोहित ने कहा कि हमने पूरी श्रृंखला में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला और इसलिए हम यहां खड़े हैं। पूरी श्रृंखला में कुछ सकारात्मक चीजें भी रहीं। उन्होंने कहा कि स्पिनरों ने किस तरह से गेंदबाजी की, बीच में कुछ बल्लेबाजों ने भी। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असलंका ने स्वीकार किया कि वह भारत पर श्रृंखला जीत के लिए अपनी टीम का नेतृत्व करने के बाद 'खुश थे। उन्होंने कहा, ''मैं अभी एक खुश कप्तान हूं और मुझे लगता है कि टीम ने पूरी श्रृंखला में सभी चीजें अच्छी तरह से की। हम सभी जानते थे कि उनकी बल्लेबाजी बहुत मजबूत थी और हम सिर्फ अपनी ताकत के अनुसार खेलना चाहते थे जो कि स्पिन गेंदबाजी है। असलंका ने कहा कि हम अभी वास्तव में अच्छे मूड में हैं, खासकर हमारे कोच (सनथ जयसूर्या)। उन्होंने टीम में कुछ बदलाव किए और लड़कों ने टीम के माहौल का वास्तव में आनंद लिया।

नागा चैतन्य अब सामंथा से तलाक के 3 साल बाद

शोभिता धुलिपाला से कर रहे सगाई?

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की डेटिंग की पिछले काफी समय से खबरें आ रही थीं, और अब कहा जा रहा है कि 8 अगस्त को उनकी सगाई है। नागा चैतन्य के घर पर उनकी शोभिता धुलिपाला संग सगाई होगी। हालांकि, अभी परिवार या एक्टर्स की तरफ से किसी ने भी कुछ ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है, पर सूत्रों ने यह बात पक्की बताई है।

यह भी कहा है कि सगाई की खबर नागा चैतन्य सोशल मीडिया पर देंगे। खबरें आने के बाद से सोशल मीडया पर फैंस भिड़ गए हैं। जहां कुछ ने सगाई की खबर पर खुशी जताई, वहीं सामंथा के फैंस ने नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला के खिलाफ नफरत भरे कमेंट्स करने शुरू कर दिए।

नागा संग रिलेशनशिप पर यह बोली थीं शोभिता धुलिपाला

जहां सामंथा अभी भी सिंगल हैं, वहीं नागा चैतन्य कुछ समय बाद शोभिता धुलिपाला को डेट करने लगे थे। हालांकि, दोनों ने अपने रिलेशनशिप पर पब्लिकली कुछ नहीं कहा, पर साथ में जरूर स्पॉट किया गया। दोनों लंदन में भी लंच डेट पर साथ देखे गए थे। लेकिन शोभिता धुलिपाला ने 2023 में एक इंटरव्यू में नागा संग रिलेशनशिप की खबरों पर कहा था कि जब वह कुछ गलत नहीं कर रही हैं, तो किसी को कुछ सफाई देने की जरूरत नहीं समझतीं।

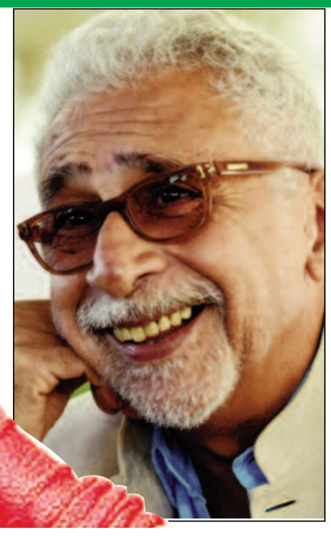

नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगी कल्कि केकलां

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने बहुत चुनिंदा फिल्मों में काम किया है। लेकिन, अपने अभिनय की उन्होंने अलग छाप छोड़ी है। अब वे दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने जा रही हैं। इससे वे बेहद खुश हैं। हालांकि, कल्कि किसी फिल्म में नसीरुद्दीन शाह के साथ काम नहीं कर रही हैं, बल्कि उनके साथ स्टेज प्रस्तुति देंगी। यह स्टेज शो शेक्सपियर के एक नाटक पर होगा, जिसका नाम किंग लियर है।

स्टेज शो में निभाएंगी यह भूमिका

कल्कि केकलां की पीआर टीम ने यह जानकारी साझा की है। इसके अनुसार स्टेज शो में अभिनेत्री किंग लियर की बेटी कॉर्डेलिया की भूमिका निभाएंगी। वहीं, नसीरुद्दीन शाह किंग लियर की भूमिका में नजर आएंगे। नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने को लेकर कल्कि बेहद खुश हैं। यह नाटक इस साल नवंबर में मुम्बई के पृथ्वी थिएटर महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा, जो थिएटर प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

नसीरुद्दीन शाह को बताया थिएटर का बादशाह

अपने इस स्टेज शो को लेकर उत्साहित कल्कि ने कहा, दिग्गज नसीर सर के साथ मंच साझा करने को लेकर रोमांचित हूं, जो मेरे लिए अभी भी थिएटर के बादशाह हैं! शानदार रेहान इंजीनियर द्वारा निर्देशित और प्रतिभाशाली इरा दुबे द्वारा निर्मित, इस नाटक में अविश्वसनीय कलाकार- डेन्जिल स्मिथ, जिम सर्भ, नील भूपालम, इरा दुबे, शीना खालिद आदि हैं।

इस फिल्म से किया था डेब्यू

कल्कि ने वर्ष 2009 में फिल्म देव डी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था, जिनसे 2011 में कल्कि ने शादी रचाई। हालांकि, 2015 में दोनों अलग हो चुके हैं।

टीवी एक्ट्रेस सनाया ईरानी को कास्टिंग काउच का सामना करना पड़ा

टीवी शो इस प्यार को क्या नाम दूं में खुशी कुमारी गुप्ता की भूमिका के लिए प्रसिद्ध सनाया ईरानी ने हाल ही में बॉलीवुड में अपने अनुभवों को लेकर खुलासा किया है, जिसने उनके फैंस को चौंका दिया है।एक्ट्रेस ने बताया कि टीवी शो के दौरान उन्हें कई फिल्मों के ऑफर भी मिले थे, लेकिन कुछ अनुभव उनके लिए निराशाजनक रहे।

बता दें, सनाया ने एक इवेंट के दौरान कास्टिंग काउच का अनुभव साझा किया और बताया कि उनके रंग के कारण उन्हें टाइपकास्ट किया गया। उन्होंने खुलासा किया कि एक बड़े बॉलीवुड निर्देशक ने उनके साथ बहुत बदतमीजी की। सनाया ने कहा, बहुत पहले, साउथ का एक व्यक्ति मुझसे एक फिल्म के लिए मिलना चाहता था। उस समय मैं फिल्मों में नहीं जाना चाहती थी। लेकिन वह व्यक्ति मुझसे मिलने के लिए बेताब था।

आगे एक्ट्रेस ने एक घटना को याद करते हुए कहा, मैं चली गई और मिलने के बाद, उसने कहा कि हमें काम करने वाले व्यक्ति की जरूरत है। मैंने पूछा कि क्या मैं काम करने वाली व्यक्ति नहीं हूं। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि एक बार बॉलीवुड के एक बड़े निर्देशक ने उन्हें एक म्यूजिक वीडियो के लिए ऑडिशन देने के लिए बुलाया था, लेकिन बाद में पता चला कि यह एक फिल्म के लिए था। उन्होंने कहा, सचिव ने कहा कि मैं यह नहीं करूंगी। इस पर उन्होंने कहा, प्लीज, सर नाराज हो जाएंगे, बस एक बार उनसे बात कर लो।

जब सनाया ने निर्देशक से बात की, तो उन्होंने आधे घंटे बाद कॉल करने के लिए कहा। जब सनाया ने पुनः कॉल किया, तो निर्देशक ने कहा, मैं एक बड़ी फिल्म बना रहा हूं, जिसमें कई बड़े हीरो हैं और आपको बिकनी पहननी होगी। सनाया ने जवाब दिया, और मेरा किरदार क्या है? निर्देशक ने कहा, क्या आपको बिकनी पहनने में कोई दिक्कत नहीं है? और उन्होंने थोड़ा रूखा व्यवहार किया, जिस पर सनाया ने फोन काट दिया।

ज्वेलरी ब्रांड ने एक्ट्रेस अवनीत कौर पर लगाया धोखाधड़ी का आरोप, बताया चीटर

अवनीत कौर अब मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम बन चुकी हैं। सोशल मीडिया पर कहर बरपाने के साथ वह टीवी की दुनिया में भी हलचल मचाती रहीं और 2023 में अपना बॉलीवुड डेब्यू भी किया। अपनी प्रोफेशनल और पर्नसल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहने वाली अवनीत अब एक और वजह से चर्चा में हैं। उन पर एक ज्वेलरी ब्रांड ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है।

एक्ट्रेस को लेकर इस ज्वेलरी ब्रांड ने सोशल मीडिया पर सबूत के साथ कुछ पोस्ट शेयर किए हैं और एक्ट्रेस पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। ज्वेलरी ब्रांड ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री पर शोषण का आरोप लगाया। इसमें उल्लेख किया गया है कि एक्ट्रेस ने उनके ब्रांड की ज्वेलरी फ्लॉन्ट करते हुए कई तस्वीरें शेयर कीं, लेकिन कई बार वादा करने के बाद भी उनके ब्रांड को क्रेडिट नहीं दिया। इसके बाद जब ब्रांड ने एक्ट्रेस को याद दिलाया तो एक्ट्रेस ने इससे इनकार कर दिया और भेजे गए ज्वेलरी के लिए पेमेंट करने पर तैयार हो गई, लेकिन उन्होंने अब तक इसका पेमेंट नहीं दिया। इसी के साथ ब्रांड ने एक्ट्रेस के साथ बातचीत का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इस पोस्ट में ब्रांड की ओर से लिखा गया है- एक्ट्रेस और इंफ्लूएंसर अवनीत कौर ने अपनी हालिया यूरोप यात्रा के लिए हमारे ब्रांड ऋहत से ज्वेलरी खरीदे।

हमारी उनकी स्टाइलिस्ट से बातचीत हुई थी। हमारे पीसेस पहनने के बदले में अवनीत अपने सोशल मीडिया पोस्ट में ऋहत को टैग करने के लिए सहमत हो गईं। 29 जून, 2024 को, हमने उन्हें डबल फ्लोरल इयररिंग्स, ट्विस्टेड लूप हैंडकफ ब्रेसलेट और लीफ मोटिफ इयररिंग्स सहित 9 पीस एक्ट्रेस को भेजे। ये भरोसा करके कि वह अपनी कमिटमेंट पूरी करेंगी।

अपने महीने भर के यूरोप वेकेशन में अवनीत ने हमारी ज्वेलरी को करीब 7 बार पहना, लेकिन उन्होंने सिर्फ लग्जरी ब्रांड्स को ही अपने पोस्ट में मेंशन किया। जब अवनीत ने अपनी पहली पोस्ट में हमारे ब्रांड को टैग नहीं किया, तो हमने उसके स्टाइलिस्ट से संपर्क किया।

तृप्ति डिमरी बनेंगी परवीन बाबी?

एनिमल फिल्म से मिली सक्सेस के बाद उत्तराखंड की रहने वाली तृप्ति डिमरी दिन दूनी और रात चौगुनी तरक्की कर रही हैं। उनके पास फिल्मों की लाइन लगी है। हालिया रिलीज बैड न्यूज के बाद उनके पास करीब 3 फिल्में हैं और अब लेटेस्ट रिपोर्ट बता रही है कि वो एक बायोपिक में नजर आ सकती हैं।

ये बायोपिक किसी और की नहीं, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन अदाकार परवीन बाबी की है, जो गुमनामी के अंधेरे में खो गई थीं। जिनके महेश भट्ट से अफेयर के चर्चे आज भी होते हैं और जिंदगी के आखिरी पलों में उन्हें कोई पानी पूछने वाला तक नहीं था! रिपोर्टस बता रही हैं कि तृप्ति डिमरी को परवीन बाबी के किरदार के लिए चुना जा रहा है। एनिमल, कला, लैला मजनू और बैड न्यूज में दमदार किरदार निभाने वाली तृप्ति इस मोस्ट अवेटेड प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

परवीन बाबी ने मॉडलिंग से शुरू किया था करियर

परवीन बाबी का जन्म 4 अप्रैल 1949 को जूनागढ़, गुजरात में हुआ था। अपने मां-बाप की शादी के 14 साल बाद परवीन का जन्म हुआ था। जब वो 6 साल की थीं, तब उन्होंने अपने पिता को खो दिया था। उन्होंने अहमदाबाद में स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई की। परवीन ने 1972 में मॉडलिंग शुरू की और 1973 में चरित्र से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा।

स्त्री 2 के बाद नागिन की भूमिका में नजर आएंगी श्रद्धा कपूर

इन दिनों श्रद्धा कपूर अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म के प्रमोशन में लगातार व्यस्त श्रद्धा की कई फिल्में इस साल तो कुछ अगले साल रिलीज होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा की आने वाली फिल्मों में स्त्री 2 के बाद स्त्री 3 से लेकर टाइम ट्रेवल पर आधारित फिल्म शामिल है। यही नहीं बल्कि एक फिल्म में श्रद्धा कपूर नागिन के किरदार में भी नजर आ सकती हैं। सबसे पहले बात करते हैं श्रद्धा की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म स्त्री 2 की। इस फिल्म में श्रद्धा के अलावा राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्त्री 2 अमर कौशिक द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले दिनेश विजन और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। बता दें यह फिल्म 2018 में आई स्त्री की अगली कड़ी है। यह मैडॉक सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। स्त्री 2 के बाद श्रद्धा की फिल्म स्त्री 3 भी आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्त्री 2 के प्रमोशन के दौरान ही स्त्री 3 बनाने की घोषणा की जा चुकी है। हालांकि अभी तक समय और साल निर्धारित नहीं किया गया है कि स्त्री 3 कब आएगी।

मल्लिका शेरावत के लिए उम्र महज एक संख्या

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत बेशक फिल्मों से दूर है, लेकिन आज भी उनके हजारों दीवाने हैं। वह अपनी फिटनेस के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनकी खूबसूरती को देखकर ऐसा लगता है कि उनके लिए उम्र महज एक नंबर है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका ने हाल ही में अपनी फिटनेस का राज खोला है। उन्होंने फिट और ग्लोइंग रहने के लिए अपने फेवरेट ड्रिंक का खुलासा किया। मल्लिका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह एक हेल्दी ग्रीन जूस पीती नजर आ रही हैं। यह जूस हरे पत्तेदार सब्जियों, खीरे, हरे सेब और नींबू से बना है। उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ग्रीन जूस मेरा फेवरेट ड्रिंक है। मल्लिका हाल ही में पेरिस में छुट्टियां मनाने के बाद कैलिफोर्निया लौटी हैं और उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि उन्हें घर वापस आकर कैसा लग रहा है। एक्ट्रेस की लाइफ के बारे में बात करें तो उनका जन्म 24 अक्टूबर 1976 को हरियाणा के हिसार में हुआ था। वह रोहतक के जाट परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस कॉलेज से फिलॉसफी की डिग्री हासिल की। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता मल्लिका को आईएएस बनाना चाहते थे, लेकिन वह बचपन से ही फिल्मों में जाने का सपना देखती थी। जब मल्लिका ने फिल्मों में कदम रखा तो परिवार वालों ने उनसे सारे रिश्ते तोड़ लिए। उन्होंने 2002 में करीना कपूर-तुषार कपूर स्टारर फिल्म जीना सिर्फ मेरे लिए से सिनेमा में कदम रखा। लेकिन लीड रोल के तौर पर उन्हें फिल्म ख्वाहिश ऑफर हुई, जिसमें उनका किसिंग सीन काफी चर्चाओं में रहा। इसके बाद उन्होंने इमरान हाशमी की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म मर्डर में काम किया। बोल्ड सीन की वजह से वह रातों-रात स्टार बन गई। उन्होंने हिस, पॉलिटिक्स ऑफ लव, ख्वाहिश, बचके रहना रे बाबा, प्यार के साइड इफेक्ट्स, आप का सुरूर- द रियल लव स्टोरी, डबल धमाल, वेलकम और किस किस की किस्मत जैसी कई फिल्मों में काम किया। मल्लिका ने हिंदी के अलावा अंग्रेजी और चाइनीज फिल्मों में भी काम किया है। उन्होंने इंटरनेशनल स्टार जैकी चैन के साथ भी काम किया है।

-साभार एजेंसी